7

हाई-ऑक्टेन रिवेंज...

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

11

अतिरुद्र यज्ञ और भागवत...

■ वर्ष 31 अंक 232 ■ जबलपुर शुक्रवार 13 फरवरी 2026 ■ पृष्ठ 12 ■ मूल्य रु. 3.00

शोध ऐसा हो, जो बदल दे सबकी सोच : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राष्ट्रीय शोधार्थी समागम (नेशनल रिसर्चर्स मीट) में की सहभागिता

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि शोध अकादमिक गतिविधि मात्र नहीं, यह समाज और राष्ट्र की दिशा बदलने वाली शक्ति है। कोई भी शोध इतना उच्च कोटि का होना चाहिए जो हम सबकी सोच को एक नई दृष्टि, नई दिशा भी दे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी शोधार्थियों से आह्वान किया कि वे देश के विकास के लिए अपनी जिज्ञासा और रुचि के अनुसंधान क्षेत्रों में निर्भीक होकर आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि जैसे आवश्यकता आविष्कार की जननी है, वैसे ही शोध विज्ञान और सभी वैज्ञानिक पद्धतियों का जनक है। मानवीय प्रज्ञा में जब वैज्ञानिक ज्ञान का समावेश हो जाता है, तब वह 'प्रज्ञान' का रूप ले लेती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को मप्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् के विज्ञान भवन में श्री दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान द्वारा आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय शोधार्थी समागम (नेशनल रिसर्चर्स मीट) 2026 को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विज्ञान के विकास में ही देश का समग्र विकास निहित है। मध्यप्रदेश को शोध और नवाचार के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि शोध समाज के विकास का आधार है और इसे आधुनिक, परिष्कृत तथा परिमार्जित दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ाया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शोधार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे परंपरागत धारणाओं तक सीमित न रहें, बल्कि नवीन विचारों और वैज्ञानिक दृष्टि के साथ ऐसे शोध प्रस्तुत करें, जो समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शोध सिर्फ़ एक शैक्षणिक आवश्यकता नहीं,

सामाजिक परिवर्तन और विकास का सशक्त माध्यम भी है। दुनिया के ज्ञान पर पश्चिम का प्रभाव पड़ा है। भारतीय संस्कृति भी इससे प्रभावित हुई। हमारी संस्कृति में एकल शोध की परंपरा कभी नहीं रही। शोध समाज आधारित होना चाहिए, जिसमें राष्ट्र के कल्याण की बात कही जाए। दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान राष्ट्रीय शोधार्थी समागम के माध्यम से देश के शोधार्थियों को नई दिशा प्रदान कर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वेबसाइट का शुभारंभ, महाकाल ब्रोशर सहित मैपकास्ट द्वारा आयोजित होने वाले 41वें मध्यप्रदेश युवा वैज्ञानिक सम्मेलन एवं विज्ञान उत्सव के पोस्टर का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान द्वारा अनुसंधान परक लेखन पर आधारित सात पुस्तकों का भी विमोचन भी किया। राष्ट्रीय शोधार्थी समागम में देशभर से आए शोधार्थियों, शिक्षाविदों और विशेषज्ञों की सहभागिता रही। आगामी 14 फरवरी तक चलने वाले इस समागम में शोध, विज्ञान और नवाचार के विविध आयामों पर विमर्श होगा। पूज्य आचार्य श्री मिथलेशनन्दिनीशरण महाराज ने कहा कि मध्यप्रदेश ने महाकाल की प्रतिष्ठा से विश्व को अवगत कराया है। हम दुनिया को सर्वस्व दे रहे हैं, क्योंकि हमारे पास महाकाल हैं। शोधार्थी एक प्रकार से बोधार्थी भी हैं, जो शोध हमें बोध तक न ले जाए, वो व्यर्थ है। मनुष्य का ज्ञान चिंतन आधारित है, न कि डाटा आधारित। डाटा का विश्लेषण करना तो मशीनों का काम है। हम पश्चिमी देशों से क्यों डरते हैं। पश्चिम की केवल आलोचना करने से कुछ नहीं होने वाला। हमें समग्र रूप से सभी दिशाओं में सोचते हुए शोध करना है। हमारे शोध को भारतीय संस्कृति और चरित्र मूलक होना चाहिए, प्रतिक्रिया पराणय न हो। कोई भी नया विचार नवाचार नहीं होता है। परंपराओं को अंगीकार करते हुए नया काम करना ही नवाचार है। उद्घाटन सत्र में मैपकास्ट के अध्यक्ष डॉ. अनिल कोठारी, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी सहित शिक्षक एवं शोधार्थी-विद्यार्थी उपस्थित थे।

मशहूर समाचार वाचिका सरला माहेश्वरी का निधन

नयी दिल्ली (वार्ता)। मशहूर समाचार वाचिका सरला माहेश्वरी का गुरुवार सुबह राष्ट्रीय राजधानी में निधन हो गया। वह 71 वर्ष की थीं।

सुश्री माहेश्वरी दूरदर्शन के साथ अपने लंबे जुड़ाव के लिए जानी जाती हैं। कई दशकों तक दूरदर्शन पर अपनी शांत, गंभीर आवाज और संतुलित समाचार प्रस्तुति के कारण उन्होंने अपनी विशिष्ट पहचान बनायी। परिवार के सूत्रों ने बताया कि उनका अंतिम संस्कार आज शाम 4 बजे दिल्ली के निगम बोध घाट पर किया गया। हिंदी में पीएचडी करने के बाद 1976 में समाचार प्रस्तोता के रूप में वह दूरदर्शन से जुड़ीं और दो साल की संक्षिप्त अवधि को छोड़कर, वह हमेशा राष्ट्रीय प्रसारक के साथ जुड़ी रहीं।

चार्टर्ड अकाउंटेंटों के हितों की रक्षा के लिए कानून बनाये जाने की मांग उठी राज्यसभा में

नयी दिल्ली (वार्ता)। चार्टर्ड अकाउंटेंटों (सीए) के हितों की रक्षा के लिए विशेष कानून बनाये जाने की मांग गुरुवार को राज्यसभा में उठायी गयी।

कांग्रेस के विवेक तन्खा ने शून्यकाल के दौरान यह मामला उठाते हुए कहा कि सीए सरकार की विशेष रूप से वित्तीय योजनाओं के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं लेकिन हाल के दिनों में सीए के कामकाज को विभिन्न एजेन्सियों द्वारा प्रभावित किये जाने के मामले सामने आये हैं । इससे सीए और उनके उपभोक्ताओं की निजता का हनन हो रहा है।

हकीकत में बदला पाकिस्तान का डर!

भारत ने फ्रांस से 114 राफेल की डील को किया लॉक, रक्षा मंत्रालय से मिली मंजूरी

नयी दिल्ली (वार्ता)

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की अगले सप्ताह की भारत यात्रा से पहले सरकार ने वायु सेना के लिए फ्रांस से अतिरिक्त बहुउद्देशीय लड़ाकू विमान राफेल की दो दशक से भी अधिक समय से लटकी पड़ी खरीद के प्रस्ताव को गुरुवार को हरी झंडी दिखा दी। रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में यहां हुई रक्षा अधिग्रहण परिषद की बैठक में 3.60 लाख करोड़ रुपये की लागत से राफेल लड़ाकू विमानों के साथ-साथ नौसेना के लिए आठ पी- 8 आई टोही विमानों , मिसाइलों तथा स्यूडो सेटेलाइट की खरीद को भी मंजूरी दी गयी। इन प्रस्तावों को आवश्यकता के आधार पर खरीद की मंजूरी दी गयी है। इन खरीद सौदों के पूरा होने से सशस्त्र बलों की युद्धक तैयारी तथा मारक क्षमता कई गुना बढ जायेगी।

भारतीय वायुसेना ने दिया प्रस्ताव

साल 2016 में भारत ने फ्रांस से सीधे 36 राफेल लड़ाकू विमान खरीदने का फैसला लिया था, जिसकी कुल कीमत लगभग 59 हजार करोड़ थी। अप्रैल 2025 में भारत ने नौसेना के लिए राफेल लड़ाकू विमानों के मरीन वर्जन यानी रफाल (एम) खरीदने को लेकर करार किया था। इन राफेल (एम) लड़ाकू विमानों को स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर आईएनएस विक्रांत पर तैनात करने की तैयारी है। भारतीय वायुसेना ने घटती स्क्वाड्रन को देखते हुए 114 राफेल फाइटर जेट देश में बनाने का प्रस्ताव रक्षा मंत्रालय को सौंपा था। पिछली रफेल डील की तरह ये सौदा भी गवर्नमेंट टू गवर्नमेंट करार करेगा।

रक्षा मंत्रालय ने भरी हामी

बीते महीने रक्षा मंत्रालय के डिफेंस प्रक्योरमेंट बोर्ड की तरफ से वायुसेना के इस प्रपोजल को हरी झंडी दिखा दी गई है। डीएसी के बाद ये प्रोजेक्ट वित्त मंत्रालय और प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) के पास जाएगा। ऐसे में बहुत संभव है कि इन 114 राफेल फाइटर जेट में से 16 को सीधे फ्रांस से खरीदा जाए। इन 114 राफेल फाइटर जेट से वायुसेना की 5-6 स्क्वाड्रन को खड़ा किया जा सकता है। बता दें, भारतीय वायुसेना की एक स्क्वाड्रन में 18-20 लड़ाकू विमान होते हैं। वहीं, अगले हफ्ते (17-19 फरवरी) फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के भारत दौरे से पहले इस सौदे को लेकर अहम फैसला हुआ है।

कितने राफेल जेट्स का हुआ इस्तेमाल?

भारतीय वायुसेना अभी जिन 36 राफेल फाइटर जेट को इस्तेमाल करती है, उन्हें मिटयोर, मीका और स्कैल्प मिसाइलों से लैस किया गया है। ये सभी फ्रांसीसी मिसाइलें हैं, लेकिन मेक इन इंडिया राफेल फाइटर जेट को भारत में बनी मिसाइलों से भी लैस किया जा सकता है। सरकार अगर इस 114 राफेल प्रोजेक्ट को मंजूरी दे देती है तो वायुसेना का पुराना मीडियम वेट फाइटर जेट प्रोजेक्ट को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा। एमआरएफए प्रोजेक्ट में भी 114 फाइटर जेट मेक इन इंडिया में ही बनाए जाने थे। लेकिन उसमें विदेश की अलग-अलग एविएशन कंपनी टेंडर प्रक्रिया में हिस्सा ले सकती थीं।

मजदूर-किसान की लड़ाई में मजबूती से खड़ा रहूंगा : राहुल

नई दिल्ली (वार्ता)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि सरकार की नीतियों के कारण देश के मजदूर और किसान अपने हक की लड़ाई के लिए सड़कों पर हैं और वह इस संघर्ष में मजबूती से उनके साथ खड़े रहेंगे।

श्री गांधी ने गुरुवार को सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि देश का मेहनतकश वर्ग अपने साथ हो रहे अन्याय से दुखी हैं और यही वजह है कि आज देशभर में लाखों मजदूर और किसान अपने हक़ की आवाज़ बुलंद करने सड़कों पर हैं। उन्होंने कहा कि मजदूरों को डर है कि चार श्रम संहिताएँ उनके अधिकारों को कमजोर कर देंगी।इसी तरह किसानों को आशंका है कि व्यापार समझौता उनकी आजीविका पर चोट करेगा। और मनरेगा को कमजोर या खत्म करने से गांवों का आखिरी सहारा भी छिन सकता है। श्री गांधी ने कहा जब उनके भविष्य से जुड़े फैसले लिए गए, उनकी आवाज़ को नज़रअंदाज़ किया गया। क्या मोदीजी अब सुनेंगे या उन पर किसी ग्रिप की पकड़ बहुत मज़बूत है। मैं मजदूरों और किसानों के मुद्दों और उनके संघर्ष के साथ मजबूती से खड़ा हूँ।

निशिकांत दुबे ने दिया राहुल की सदस्यता रद्द करने का प्रस्ताव

लोकसभा में भारतीय जनता पार्टी के सदस्य निशिकांत दुबे ने सदन में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की सदस्यता खत्म करने तथा उनके चुनाव लड़ने पर रोक लगाने की मांग करते हुए लोकसभा में एक प्रस्ताव दिया है। श्री दुबे ने गुरुवार को संसद भवन परिसर में पत्रकारों से कहा कि श्री गांधी ने संसद में गलत आरोप लगाकर देश को गुमराह करने का काम किया है। उनका कहना था कि उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष से उनके प्रस्ताव पर विचार करने और उसे चर्चा के लिये रखने का अनुरोध किया है ताकि श्री गांधी की सदस्यता को समाप्त किया जा सके और उनके चुनाव लड़ने पर आजीवन प्रतिबंध लगे।

10 ट्रेड यूनियनों के भारत बंद का मिला-जुला असर

नई दिल्ली। किसान संगठनों और 10 केंद्रीय ट्रेड यूनियनों ने गुरुवार को राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल और भारत बंद का आह्वान किया है। इस बंद को आम आदमी पार्टी समेत कई विपक्षी दलों ने भी अपना समर्थन दिया है। हालांकि बंद का मिला-जुला असर दिखाई दिया । पंजाब में भारत और अमेरिका के बीच हुई ट्रेड डील के खिलाफ ट्रेड यूनियन, किसान संगठन और कर्मचारी संगठन आज हड़ताल पर हैं। कई जिलों में इसका मिलाजुला असर देखने मिल रहा है। कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारी हड़ताल पर हैं, लेकिन रेगुलर कर्मचारी सेवाएं मुहैया करवा रहे हैं। सरकारी विभागों में कामकाज जरूर प्रभावित हो रहा है, लेकिन बिल्कुल बंद नहीं है। हड़ताल

के चलते आम लोगों के मन में सवाल है कि क्या आज बैंक बंद रहेंगे? इसका जवाब है- नहीं। बैंक बंद नहीं हैं और सामान्य दिनों की तरह काम करेंगे।

मोदी पर ट्रंप के वीडियो पर उचित कार्रवाई करेगा भारत : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली (वार्ता) विदेश मंत्रालय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से संबंधित अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस वीडियो से अनभिज्ञता जतायी है जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति यह कहते सुने जा सकते हैं कि वह श्री मोदी का राजनीतिक करियर बर्बाद नहीं करना चाहते लेकिन साथ ही कहा है कि अगर ऐसा वीडियो है तो उस पर उचित कार्रवाई की जायेगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने गुरुवार को साप्ताहिक ब्रीफिंग में सवालों के जवाब में कहा , आप जिस वीडियो की बात कर रहे हैं, मैंने उसे नहीं देखा है। यदि इस प्रकार का कोई वीडियो है, चाहे वह सही हो या गलत, हम उस पर उचित कार्रवाई करेंगे।

विपक्ष का भारत अमेरिका व्यापार समझौते के विरोध में संसद भवन में प्रदर्शन

नई दिल्ली (वार्ता)। कांग्रेस तथा इंडिया गठबंधन के विभिन्न दलों के नेताओं ने गुरुवार को संसद भवन परिसर के मकर द्वार के बाहर अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते के खिलाफ प्रदर्शन किया और आरोप लगाया कि इसमें किसानों के हितों को नजरअंदाज किया गया है। गठबंधन के नेताओं ने हाथों में बैनर तथा तख्तियां लेकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर नारेबाजी की। कांग्रेस अध्यक्ष तथा राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे तथा क्रांतिकारी समाजवादी पार्टी (आरएसपी) के नेता एन के प्रेमचंद्रन तथा अन्य नेताओं ने इस दौरान

जमकर नारेबाजी की और कहा कि यह समझौता किसान हितों के खिलाफ है। संसद भवन में प्रदर्शन कर रहे सांसदों ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के प्रावधानों के खिलाफ किसानों के भारत बंद के आह्वान के साथ भी एकजुटता व्यक्त की।

सत्ता पक्ष ने बताया विकसित भारत का बजट, विपक्ष ने लगाया आम लोगों की अनदेखी का आरोप

नयी दिल्ली (वार्ता)

राज्यसभा में गुरुवार को वित्त वर्ष 2026-27 के आम बजट पर चर्चा को आगे बढ़ाते हुए सत्ता पक्ष के सदस्यों ने इसे विकसित भारत का बजट बताया जबकि विपक्ष ने इसमें आम लोगों की अनदेखी का आरोप लगाया। महाराष्ट्र से शिवसेना (यूबीटी) की प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि बजट में बुजुर्गों की अनदेखी की गयी है। अनुमान है कि 2050 में करीब 30 करोड़ देशवासी 60 साल से अधिक उम्र के होंगे। रेल किराये में उन्हें दी जाने वाली रियायत कोराना के समय में समाप्त की गयी थी जिसे अब तक बहाल नहीं किया गया है। उन्होंने इलाज पर होने वाले खर्च पर आयकर में छूट की सीमा बढ़ाने की मांग की। राजस्थान से भाजपा के मदन राठौर ने कहा कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन के समय प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 98 अरब डॉलर था जो अब बढ़कर 165 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। भारत दुनिया का दूसरा बड़ा

मोबाइल निर्माता बना है। परमाणु उर्जा क्षमता 4,780 मेगावाट से बढ़कर 8880 मेगावाट हो गयी। मौजूदा सरकार ने नये एम्स, आईआईटी और एयरपोर्ट बनाये। राजमार्ग निर्माण 12 किलोमीटर प्रतिदिन से बढ़कर 28 किमी प्रतिदिन पर पहुंच गया। सरकार ने विभिन्न फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाये। कर्नाटक से कांग्रेस के जी.सी. चंद्रशेखर ने कहा कि अमेरिका के साथ समझौते से मेक इंडिया को नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि अच्छे दिन और अमृतकाल का असर यह हुआ कि साल 2014 में भारतीय जनता पार्टी के खाते में 295 करोड़ रुपये थे जो अब बढ़कर 10,000 करोड़ रुपये हो गया है, एक कारोबारी जिसका नेटवर्थ 44,000 करोड़ रुपये था अब 12-13 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है, लेकिन किसानों की आय अब तक दोगुनी नहीं हुई। बजट को कॉरपोरेट के हित में बताते हुए श्री चंद्रशेखर ने कहा कि साल 2014 से पहले भी दुनिया में भारत का सम्मान था, भारत 2014 से पहले भी निर्यात करता था और भारत का आई टी सेक्टर 2014 से पहले भी एक वैश्विक पावरहाउस था। केरल से भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के संदोष कुमार पी. ने बजट की आलोचना करते हुए कहा कि इसमें आम लोगों के लिए कुछ भी नहीं है। उन्होंने कहा कि बजट में केरल के लिए कुछ नहीं किया गया है। यदि केंद्र सरकार को केरल के 100 रुपये की आमदनी होती है तो बजट में कम से कम 50 रुपये वापस दिये जाने चाहिये, लेकिन सिर्फ 25 रुपये केरल को वापस मिल रहे हैं।

बंगलादेश में मतदान खत्म, मतगणना शुरू

ढाका (वार्ता)

बंगलादेश में गुरुवार सुबह शुरू हुआ मतदान समाप्त हो गया है और मतों की गिनती आधिकारिक रूप से शुरू हो गयी। तारिक रहमान की बंगलादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और पुनरुत्थान कर रही जमात-ए-इस्लामी के नेतृत्व वाले 11 दलों के गठबंधन के बीच सीधा मुकाबला माना जा रहा है। मतदान केंद्रों के द्वार शाम 4.30 बजे बंद कर दिये गये। अधिकारियों ने बताया कि अंतिम मतदान प्रतिशत की घोषणा अभी नहीं हुई है, लेकिन मतगणना शुरू कर दी गयी है। दोपहर तीन बजे तक मतदान प्रतिशत करीब 48 प्रतिशत दर्ज किया गया था। करीब 17.3 करोड़ आबादी वाले बंगलादेश में लगभग 12.7 करोड़ मतदाता पंजीकृत थे, जिनमें करीब 50 लाख पहली बार मतदान करने वाले मतदाता शामिल हैं। कुल आबादी का लगभग 44 प्रतिशत, यानी करीब 5.6 करोड़ लोग 18 से 37 वर्ष आयु वर्ग के हैं। चुनाव नियमों के अनुसार, समय

सीमा से पहले मतदान केंद्र परिसर में प्रवेश कर चुके मतदाताओं को मतदान की अनुमति दी गयी। मतदान पूर्व सर्वेक्षणों में बीएनपी नेता तारिक रहमान को प्रधानमंत्री पद का प्रमुख दावेदार बताया गया है। विश्लेषकों के अनुसार, जमात प्रमुख शफीकुर रहमान के नेतृत्व वाला गठबंधन उलटफेर करने की क्षमता रखता है। इसमें 2024 के आंदोलन से उभरे छात्र नेताओं द्वारा गठित नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) भी शामिल है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए देशभर में लगभग 10 लाख पुलिसकर्मी और सैनिक तैनात किये गये थे। तारिक रहमान ने अनियमितताओं की खबरों के बीच समय पर नतीजे घोषित करने की मांग की, जबकि जमात प्रमुख शफीकुर रहमान ने देश के विभिन्न हिस्सों में फर्जी मतदान के प्रयासों का आरोप लगाया। जमात नेता ने फेसबुक पोस्ट में कहा कई स्थानों पर पोलिंग एजेंटों पर हमला किया गया और उन्हें घायल किया गया। महिलाओं को भी परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कुछ इलाकों में मतदान केंद्रों पर कब्जे की कोशिशों का भी आरोप लगाया। चुनाव आयोग सचिव ने बताया कि तीन निर्वाचन क्षेत्रों के करीब 100 मतदान केंद्रों में मतदान निलंबित करने की जमात की मांग की समीक्षा की जा रही है। मतदान समाप्त होने के बाद बंगलादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने कहा च्मतदाताओं की स्वस्फूर्त भागीदारी, राजनीतिक दलों का जिम्मेदार व्यवहार, उम्मीदवारों का संयम और सभी संस्थानों की पेशेवर कार्यशैली ने सामूहिक रूप से लोकतंत्र के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाया है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने एक बयान में चुनाव को सुनियोजित तमाशा करार देते हुए कहा कि इसका आयोजन श्री यूनुस द्वारा किया गया, जिन पर उन्होंने अवैध तरीके से सत्ता हथियाने का आरोप लगाया। मतदान समाप्त होने के बाद, पीठासीन अधिकारियों ने मतदान एजेंटों की उपस्थिति में मतपेटियों को सील किया और अलग से अप्रयुक्त मतपत्रों का रिकार्ड बनाया।

जिला अस्पताल में लापरवाही की हद! मरीजों के लिए लगाया गया नंबर ही निकला अमान्य

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

जिला चिकित्सालय एक बार फिर अपनी बदहाली और लापरवाही को लेकर सुर्खियों में है। यहां की अव्यवस्था अब कोई नई बात नहीं रह गई है, बल्कि यह रोज़मर्रा की सच्चाई बन चुकी है। कभी डॉक्टरों की समय पर अनुपस्थिति, कभी साफ-सफाई की बदहाल स्थिति, तो कभी मरीजों से अमानवीय व्यवहार-लगातार सामने आ रहे मामलों ने स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

ताज़ा मामला और भी ज्यादा चौंकाने वाला और संवेदनहीनता की पराकाष्ठा को दर्शाने वाला है। जिला चिकित्सालय के बाह्य रोगी कक्ष (ओपीडी) की दीवार पर मरीजों की च्सुविधाज्ञ के नाम पर एक सूचना चस्पा की गई है। इसमें लिखा गया है कि यदि संबंधित चिकित्सक समय पर उपलब्ध न हों, तो मरीज दिए गए मोबाइल नंबर पर संपर्क कर सकते हैं। दीवार पर अंकित सूचना में लिखा है- मरीजों से निवेदन है कि संबंधित चिकित्सक के समय पर उपलब्ध न होने पर 9424940308 एवं संबंधित चिकित्सक के मोबाइल नंबर पर संपर्क करें। समस्त क्लास-1 अधिकारी कॉल पर रहेंगे। लेकिन हकीकत इससे बिल्कुल उलट है। जब इस नंबर पर संपर्क करने की कोशिश की गई, तो वह अमान्य (ढ्ढठ्ठ1ड्डद्यद्बस्र ह्वह्यद्गस्रद्गह्न) निकला। यानी मरीजों को भरोसा देने के लिए दीवार पर जो सूचना लिखी गई है, वह महज़ एक औपचारिकता और दिखावा बनकर रह गई है। कल्पना कीजिए, जब एक बीमार और परेशान मरीज उम्मीद लेकर अस्पताल पहुंचता है और मदद के लिए उस नंबर पर फोन करता है, लेकिन जवाब में च्नंबर अमान्य हैज्ञ सुनने को मिलता है, तो उस पर क्या गुजरती होगी। यह सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि मरीजों की मजबूरी और पीड़ा के साथ खुला मज़ाक है। मरीजों की सुविधा के नाम पर जिन मोबाइल नंबरों को दीवारों पर प्रदर्शित किया जा रहा है, अगर वही नंबर काम के नहीं हैं, तो यह पूरे स्वास्थ्य तंत्र की गंभीर खामियों को उजागर करता है। सवाल उठता है कि क्या जिला चिकित्सालय सिर्फ कागज़ों और दीवारों तक ही सीमित रह गया है? स्थिति यहीं तक सीमित नहीं रही। गुरुवार को शिशु रोग ओपीडी में भी अव्यवस्था का नज़ारा देखने को मिला। छोटे-छोटे बच्चों को गोद में लिए माता-पिता घंटों तक डॉक्टर का इंतजार करते रहे। लंबे समय बाद जब डॉक्टर ओपीडी में पहुंचे, तब तक कई अभिभावक थक-हार चुके थे। मजबूरी में बच्चों के इलाज के लिए माता-पिता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

जिले में स्वास्थ्य विभाग की यह स्थिति बेहद चिंताजनक है। अफसोस की बात यह है कि ऐसी घटनाएं अब आम होती जा रही हैं, और जिम्मेदार अधिकारी मानो सब कुछ देखकर भी अनदेखा कर रहे हैं। सवाल यह है कि आखिर कब तक मरीज इस लापरवाही का दर्द सहते रहेंगे, और कब जिम्मेदारों की नींद खुलेगी?

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्य तिथि पर समर्पण कार्यक्रम सम्पन्न

डिंडौरी (स्वतंत्र मत) जनपद पंचायत मुख्यालय अमरपुर में भाजपा एवं जनसंघ के पित्र पुरुष पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्य तिथि के अवसर पर भाजपा मंडल अमरपुर द्वारा बैठक का आयोजन किया। जिसमें सर्व प्रथम पंडित दीन दयाल उपाध्याय की तेलीय चित्र पर सभी भाजपा कार्यकर्ताओं ने श्रद्धा सुमन अर्पित कर दीनदयाल जी को श्रद्धांजलि अर्पित करने के तत्पश्चात बैठक की शुरुआत की गई। जहाँ पर मण्डल अध्यक्ष आकाश नामदेव ने दीनदयाल उपाध्याय के जीवन पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि दीन दयाल उपाध्याय जी के द्वारा जो अंत्योदय सिद्धांत प्रतिपादित किया। जिसके कारण आज गांव, गरीब, किसान, महिलाओं और युवाओं तक शासन की योजनाएं पहुंची हैं। जिससे गांवों के विकास का राह आसान हो सकी अगर दीनदयाल जी न होते तो गांवों का, गरीबों का, महिलाओं का और युवाओं का विकास संभव न होता। दीनदयाल जी के कारण ही आज भारत सरकार एवं मध्य प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाएं आज पूरे भारत में चल रही हैं। जिसका लाभ गांव, गरीब का कल्याण सम्भव हुआ। आयोजित बैठक का सफल संचालन भाजपा मंडल अमरपुर के वरिष्ठ नेता पूर्व मण्डल अध्यक्ष हारून खान ने किया। बैठक में भाजपा जिला मंत्री मालती तिवारी, जनपद सदस्य रामकिशोर ठाकुर, अमरपुर सरपंच रामनाथ उद्दे, महामंत्री राम कुमार वनबासी, मनीष ठाकुर, रमेश यादव, पार्वती बर्मन, रामसिंह नंदा, मूरत ठाकुर, राज कुमार धनगर, नोखे लाल बछलहा आदि भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत घेवरी के नवाचार से किसानों में प्रसन्नता की लहर

डिंडौरी (स्वतंत्र मत) शासन एवं प्रशासन द्वारा सभी विभागों के साथ ग्राम पंचायतों में भी प्रत्येक मंगलवार को जनसुनवाई का आयोजन किया जा रहा हैं। जहां कुछ पंचायतें शासन के नियम निर्देशों का पालन करते हुए क्षेत्र के ग्रामीणों को सुविधाएं मुहैया करा रही हैं। इस आयोजन का सफल क्रियान्वयन जनपद पंचायत अमरपुर के ग्राम पंचायत घेवरी के जागरूक युवा सरपंच राय सिंह मरकाम द्वारा विगत एक माह से अपनी ग्राम पंचायत में नई व्यवस्था देते हुए ग्राम पंचायत क्षेत्र के किसानों के जमीन संबंधी समस्याओं को क्षेत्रीय पटवारी जीत सिंह तेकाम के सहयोग से समस्या का निराकरण किया जा रहा हैं। जिससे क्षेत्रीय किसानों को अनावश्यक रूप से परेशान नहीं होना पड़ रहा हैं। ग्राम पंचायत सरपंच एवं क्षेत्रीय पटवारी की इस प्रकार की कार्य प्रणाली से क्षेत्रीय किसानों में खुशी देखी जा रही हैं। जनपद पंचायत के अन्य ग्राम पंचायतों में भी ऐसी पहल होना आवश्यक जनपद पंचायत क्षेत्र के अन्य ग्राम पंचायतों में भी इस प्रकार की पहल किया जाना चाहिए। परन्तु अनेकों ग्राम पंचायतें तो ऐसी भी हैं। जोकि मंगलवार को खुलते ही नहीं हैं। जिस पर प्रशासन द्वारा किसी प्रकार के कार्यवाही न करने से आमजनों की समस्या बरकरार बनी हुई हैं। वहीं पर ग्राम पंचायत घेवरी के इस प्रक्रिया से फौती काटना, नामांतरण, पट्टा वितरण एवं खसरा खतौनी की नकल आदि मिलने से क्षेत्रीय किसान आनंद सिंह, मदी सिंह, दशन बाई, कुलपत सिंह, शंकर सिंह सहित अन्य कृषकों द्वारा खुशी जाहिर की गई हैं। ग्राम पंचायत की इस कार्य में पैसा एक्ट अध्यक्ष भगवत सिंह, ग्राम रोजगार सहायक, ग्राम पंचायत सचिव, उपसरपंच एवं पंचगणों का भी भरपूर सहयोग मिल रहा हैं।

जनगणना-2027 की तैयारियों को लेकर जिले में दो दिवसीय प्रशिक्षण 26-27 फरवरी को

डिंडौरी (स्वतंत्र मत) जनगणना 2027 के प्रथम चरण मकान सूचीकरण एवं मकान गणना कार्य की तैयारियों के अंतर्गत जिले में दो दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह प्रशिक्षण 26 फरवरी एवं 27 फरवरी 2026 को प्रातः 10:30 बजे से सायं 5:00 बजे तक कलेक्ट्रेट कार्यालय के ऑडिटोरियम में संपन्न होगा। प्रशिक्षण में जिले के अपर कलेक्टर, जिला जनगणना अधिकारी, जिला योजना अधिकारी, अतिरिक्त जिला जनगणना अधिकारी, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), अनुविभागीय जनगणना अधिकारी, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं जनगणना लिपिक भाग लेंगे।

बीमारी ने छीना काम, प्रशासन ने लौटाया सम्मान, 9 साल बाद शिक्षक संतराम पट्टा की स्कूल में वापसी

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

कहते हैं अगर प्रशासन में संवेदनशीलता हो, तो वर्षों से बुझती उम्मीदें भी फिर से रोशन हो जाती हैं। ऐसा ही एक भावुक कर देने वाला मामला डिंडौरी कलेक्ट्रेट की जनसुनवाई में सामने आया, जहाँ गंभीर बीमारी से वर्षों तक संघर्ष करते रहे सहायक शिक्षक संतराम पट्टा को आखिरकार न्याय मिला। विगत कई वर्षों से बीमारी के कारण अपने कर्तव्यों से अनुपस्थित रहे सहायक शिक्षक संतराम पटटा ने स्वस्थ होने के बाद कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में उपस्थित होकर कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया के समक्ष अपनी पीड़ा रखी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2016 से वे गंभीर बीमारी से ग्रसित थे, जिस कारण वे विद्यालय में उपस्थित नहीं हो सके। इस दौरान न केवल उनका वेतन रुका रहा, बल्कि परिवार की आर्थिक स्थिति भी बेहद दयनीय हो गई। मामले को सुनते ही कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने इसे सिर्फ एक फाइल नहीं, बल्कि एक इंसान की जिंदगी मानते हुए गंभीरता और मानवीय दृष्टिकोण से लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तत्काल जांच कर नियमानुसार सहानुभूतिपूर्वक कार्रवाई करने और शिक्षक को पुनः कार्यग्रहण कराने के निर्देश दिए। जांच पूर्ण होने के उपरांत आज कलेक्टर के निर्देश पर संतराम पटटा को विकासखंड समनापुर अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला मानिकपुर में विधिवत कार्यग्रहण कराया गया। इस मानवीय निर्णय से विशेष रूप से बैगा समुदाय में भी खुशी की लहर दौड़ गई। समुदाय के लोगों ने कलेक्टर की इस संवेदनशील पहल के लिए आभार व्यक्त किया और इसे न्याय व संवेदना की मिसाल बताया। कार्यग्रहण पत्र प्रदान करते समय कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने पटटा को भविष्य में अपने कर्तव्यों का पूर्ण निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करने, विद्यार्थियों को नियमित शिक्षण देने और शैक्षणिक गतिविधियों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर की इस सराहनीय और मानवीय पहल से न केवल शिक्षक समुदाय में हर्ष व्याप्त है, बल्कि यह संदेश भी गया है कि प्रशासन जब संवेदनशील होता है, तो टूटते जीवन फिर से संवर सकते हैं।

प्रदेश अध्यक्ष की उपस्थिति में कॉंग्रेस की जन-आक्रोश रैली

शहडोल मध्यप्रदेश कॉंग्रेस कमेटी के अध्यक्ष माननीय जीतू पटवारी की विशेष उपस्थिति एवं जिला कॉंग्रेस कमेटी शहडोल के जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी के नेतृत्व में, शहडोल जिले की ज्वलंत जनसमस्याओं को लेकर दिनांक 13 फरवरी 2026, शुक्रवार को कॉंग्रेस द्वारा जन आक्रोश रैली का आयोजन किया जाएगा। जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी ने जानकारी देते हुए बताया कि यह जन आक्रोश रैली शुद्ध पेयजल की उपलब्धता, शहरी एवं ग्रामीण स्थानीय युवाओं को रोजगार, किसानों की मूलभूत समस्याओं, अवैध रेत उत्खनन तथा शासन-प्रशासन की तानाशाहीपूर्ण कार्यप्रणाली के विरोध में आयोजित की जा रही है। उन्होंने बताया कि माननीय प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी दोपहर 02 बजे अंबेडकर चौक पहुंचेंगे, जहाँ से जन आक्रोश रैली प्रारंभ होकर जयस्तंभ चौक में समाप्त होगी। रैली के समापन पर विशाल आमसभा आयोजित की जाएगी, जिसके उपरांत प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर जनहित से जुड़ी मांगें रखी जाएंगी। इसके पश्चात माननीय प्रदेश अध्यक्ष वार्ड कमेटियों के संदर्भ में आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी ने समस्त कॉंग्रेसजनों एवं आम नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस जनहितार्थ जन आक्रोश रैली को सफल बनाएं।

करौंदी में युवा शक्ति का संगम: एनएसएस का सात दिवसीय विशेष शिविर का हुआ भव्य शुभारंभ

मेरा युवा भारत एवं डिजिटल साक्षरता थीम पर जनजागरूकता, नशा मुक्ति और स्वच्छता अभियान की शुरुआत

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

शहपुरा जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत करौंदी इन दिनों युवा ऊर्जा और सामाजिक जागरूकता का केंद्र बना हुआ है। भारत सरकार के खेल एवं युवा कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत तथा रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर से संबद्ध राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) द्वारा सात दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ 10 फरवरी से किया गया है, जो 16 फरवरी तक आयोजित होगा। यह शिविर राष्ट्रीय सेवा योजना के संभागीय समन्वयक डॉ. शोभाराम मेहरा, जिला संगठक डॉ. पी.सी. उइके एवं शासकीय आदर्श महाविद्यालय शहपुरा की प्राचार्य डॉ. स्वीटी यादव के निर्देशन में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का सफल संचालन एनएसएस कार्यक्रम प्रभारी डॉ. एल.एन. साहू के नेतृत्व में किया जा रहा है। विधिवत शुभारंभ के साथ सेवा संकल्प शिविर का शुभारंभ ग्राम पंचायत करौंदी की सरपंच दुर्गा बाई एवं प्राचार्य डॉ. स्वीटी यादव द्वारा मां सरस्वती, स्वामी विवेकानंद एवं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के पूजन तथा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। उद्घाटन अवसर पर वक्ताओं ने युवाओं को समाज सेवा, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। गांव-गांव पहुंच रही योजनाओं की जानकारी सात दिवसीय शिविर के अंतर्गत च्मेरा युवा भारत एवं डिजिटल साक्षरता के लिए युवाज्ञ थीम पर विविध कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। स्वयंसेवक ग्रामीणों को मध्यप्रदेश शासन की विभिन्न हितग्राही योजनाओं की जानकारी घर-घर जाकर दे रहे हैं। डिजिटल साक्षरता के महत्व, ऑनलाइन सेवाओं के उपयोग और सरकारी योजनाओं से जुड़ने की प्रक्रिया पर विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। नशा मुक्ति और स्वच्छता पर विशेष फोकस शिविर के दौरान नशा मुक्ति अभियान, स्वच्छता जनजागरूकता रैली, ग्राम स्वच्छता अभियान तथा पौधारोपण जैसे रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। युवाओं ने स्वच्छ और नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया। गांव की गलियों में स्वच्छता संदेश के साथ रैली निकालकर ग्रामीणों को स्वच्छ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। शिक्षकों और स्टाफ की सक्रिय भागीदारी कार्यक्रम में महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक श्रीराम ठाकुर, डॉ. नेहा चौहान, डॉ. वीना शिवहरे, भागवत सिंह धुर्वे, पी.एस. वरकड़े, डॉ. परमेश साकेत, टी.पी. साहू, डॉ. अनिल झारिया, डॉ. राजू रैदास, डॉ. राजेश तिवारी, मधुर मरावी, कृति जैन, आकांक्षा कुशराम एवं अभिषेक पटेल सहित समस्त शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक स्टाफ समय-सारणी के अनुसार अपनी जिम्मेदारियां निभा रहे हैं।

विगत 4 महीनों से अतिथि शिक्षकों को नहीं मिला मानदेय

शहडोल

मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने कुछ दिनों पहले हर महीने की 05 तारीख तक अतिथि शिक्षकों के मानदेय का भुगतान करने का आदेश जारी किया था। किन्तु सत्ताधारी दल अब तक सिस्टम में सुधार लाने में नाकाम साबित नज़र आ रहा है। मुख्यमंत्री के आदेश के बावजूद जिले में कार्यरत अतिथि शिक्षक वर्ग 03 के मानदेय का भुगतान विगत 04 महीनों से लंबित है इस दौरान अतिथि शिक्षकों को काफ़ी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। मंहगाई की मार वहीं दूसरी ओर सरकार के इस सिस्टम से परेशान अतिथि शिक्षकों को परिवार के पालन पोषण में भी समस्याएं पैदा हो रही हैं। अतिथि शिक्षकों का कहना है कि वह लगातार मानदेय न मिलने से काफी परेशान हैं, परिवार का पालन-पोषण, बच्चों की फीस और दैनिक जीवन में उपयोगी सामग्री हेतु क़र्ज़ लेने मजबूर होना पड़ रहा है। वहीं अधिकारियों का कहना है कि बजट नहीं होने के कारण अतिथि शिक्षकों का मानदेय नहीं मिल पा रहा है। अब देखना है कि क्या समाचार प्रकाशन के बाद शासन-प्रशासन अतिथि शिक्षकों के हित में कोई ठोस कदम उठाती है या नहीं ये देखने वाली बात होगी।

कुपोषित बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार महिला एवं बाल विकास विभाग का प्रमुख दायित्व: कमिश्नर

शहडोल

आयुक्त शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता ने संभाग के तीनों जिलों के महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा करते हुए विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि कुपोषण से मुक्ति विभाग की प्राथमिक जिम्मेवारी है। विभागीय अधिकारी निरंतर भ्रमण कर आंगनवाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण करें तथा यह सुनिश्चित करें की सभी आंगनवाड़ी केन्द्र समय पर संचालित हों, केन्द्रों में प्री स्कूल गतिविधियां संचालित की जाएं। जिसके लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को निरंतर प्रशिक्षण दिया जाए। निरीक्षण के दौरान पाई जाने वाली कमियों के सुधार के साथ ही संबंधित अमले के विरूद्ध कार्यवाही भी सुनिश्चित की जाए। बैठक में संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास श्रीमती मनीषा लुम्बा, जिला कार्यक्रम अधिकारी शहडोल श्री अखिलेश मिश्रा, अनूपपुर श्री विनोद परस्ते, उमरिया श्रीमती दिव्या गुप्ता, सहायक संचालक राकेश खरे तथा तीनों जिलों के परियोजना अधिकारी उपस्थित रहे।

आयुक्त ने निर्देश दिए कि नवचिन्हत गंभीर कुपोषित बच्चों को पोषण ट्रेकर एप में दर्ज कराएं। आंगनवाड़ी केन्द्रों में बच्चों का नियमित वजन एवं लम्बाई की माप कर कुपोषित बच्चों का चिन्हांकन करते हुए अनिवार्य रूप से पंजीयन कराया जाए। जो बच्चे कुपोषित श्रेणी में हैं उन्हें एनआरसी में भर्ती कराकर सामान्य पोषण स्तर पर लाया जाए तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि ये बच्चे पुनः कुपोषण श्रेणी में नहीं जाएं। इसके लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सुपरवाइजर द्वारा नियमित मानीटरिंग तथा समय पर दवाओं का सेवन एवं बच्चों के भोजन की मानीटरिंग सुनिश्चित की जाए। आंगनवाड़ी केन्द्रों में बच्चों को समय पर नास्ता एवं भोजन का वितरण हो। कमिश्नर ने निर्देश दिए कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के रिक्त पदों की पूर्ति पूरी पारदर्शिता के साथ निर्धारित समय-सीमा मे पूरी कर ली जाए। जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं सीडीपीओ आंगनवाड़ी केन्द्रों का नियमित निरीक्षण करें।

आयुक्त ने आभा आईडी, अपार आईडी तथा समग्र सत्यापन का कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होनें कहा कि पीएमजनमन,डीएमएफ तथा विभागीय योजनाओं से बनने वाली आंगनवाड़ी केन्द्रों के निर्माण कार्य शीघ्र पूरा कराएं। जिन आंगनवाड़ी केन्द्रों में स्वच्छ शौचालय नहीं हैं एवं विभाग द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई है के कार्य भी फरवरी माह में पूरा कराएं। आंगनवाड़ी केन्द्रों की रंगाई-पुताई एवं मेन्टीनेंश हेतु मिलने वाली राशि का सही उपयोग किया जाए। सक्षम आंगनवाड़ी केन्द्रों में बिजली, पानी, बाउन्ड्रीवाल, किचन गार्डन, एलईडी तथा स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मातृ वंदना योजना, लाड़ली लक्ष्मी योजना में शत-प्रतिशत पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाए। लाड़ली लक्ष्मी योजना के तहत मिलने वाली छात्रवृत्ति का लाभ सभी पात्र छात्राओं को देना सुनिश्चित किया जाए। विभाग में जिन सेवकों की विभागीय जांच लंबित है शीघ्र जांच पूरी कराई जाए तथा लंबित पेंशन प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित किया जाए। विभाग को विभिन्न योजनाओं में मिलने वाले बजट का सही एवं पारदर्शी तरीके से शत-प्रतिशत उपयोग सुनिश्चित किया जाए।

ऑगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं ने मांगों को लेकर धरना-प्रदर्शन कर प्रधानमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

ब्योहारी

केंद्र सरकार द्वारा लागू 4 श्रम संहिताये और नियमों को निरस्त करने, ऑगनबाड़ी कर्मियों के उत्पीड़न तथा स्न क्रस् प्रणाली के माध्यम से लाभार्थियों को गैर कानूनी तरीके से सूची से हटाये जाने की प्रकिया को रोकने एवं बजट घोषणा के अनुसार ञ्ज।॥क्र तथा गर्म पके भोजन मे गुणवक्ता पूर्ण पूरक पोषण की निर्बाध आपूर्ति हेतु लागत मान दंडो मे तत्काल वृद्धि सुनिचित करने को लेकर ऑगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका यूनियन म. प्र. के बैनर तले परियोजना ब्लाक इकाई ब्योहारी द्वारा 13 सूत्री मांगो को लेकर महिला बाल विकास परियोजना कार्यालय ब्योहारी के सामने धरणा प्रदर्शन कर प्रधानमंत्री भारत सरकार नई दिल्ली, मंत्री महिला एवं बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली के नाम सम्बोधित पत्र परियोजना अधिकारी ब्योहारी को सौंपा गया है। धरणा प्रदर्शन के दौरान ऑगनबाड़ी कार्यकर्त्ताओ द्वारा बताया गया कि लॉकडाउन अवधि मे बिना किसी उचित तैयारी के जल्दबाजी मे पोषण ट्रेकर एप तथा ऑगनबाड़ी केन्द्रो मे डिजिटल रिपोर्टिंग लागू किये जाने के बाद से ऑगनबाड़ी कार्यकर्ताओ, सहायिकाओ तथा लाखो लाभार्थियों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। ऑनलाइन उपलब्ध डेटा एवं वास्तविक जमीनी स्थिति मे भी विसनगतिया है। ऑगनबाड़ी कार्यकर्त्ता एवं सहायिकाओ का देश का सबसे बड़े ट्रेड यूनियन फैडरेशन, अखिल भारतीय ऑगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका फैडरेशन (ढ्ढस्नड्ड॥) द्वारा इन मुद्दों को लेकर कई बार पत्र एवं प्रतिनिधित्यो के माध्यम से मंत्रालय एवं प्रशासन के संज्ञान मे लाता रहा। अब हम सब यह ज्ञापन मंत्रालय के हालिया निर्णय टेक होम राशन (ञ्ज।॥क्र) हेतु 2 चरणीय प्रमाणिकरण (फेस रिकग्नीसन सिस्टम स्नक्रस् तथा आधार से लिंक रजिस्ट्र्ड मोबाईल नंबर पर ओटीपी प्रमाणिकरण) को अनिवार्य बनाये जाने के कारण ऑगनबाड़ी कार्यकर्ताओ, सहायिकाओ तथा हितग्राहियों को होने वाले गंभीर समस्याओं को लेकर एवं स्नक्रस् के कार्यन्वयन पर शीघ्र रोक लगाये जाने की मांग को लेकर दिया जा रहा है।

घूसखोर पंडत के निर्देशक और नेटफ्लिक्स के खिलाफ कोर्ट पहुंचा ब्राह्मण समुदाय

जेएमएफसी कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत किया आपराधिक मानहानि परिवाद

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

फिल्म पटकथा लेखक, कलाकार एवं ज्योतिषी पं. वैभव पाठक ने आगामी फिल्म घूसखोर पंडत के शीर्षक को ब्राह्मण समुदाय के लिए अभद्र, अपमानजनक एवं सामूहिक कलंक करार देते हुए निर्माता-निर्देशक नीरज पाण्डेय तथा अमेरिका स्थित प्रसारण एवं डिजिटल स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स के शीर्ष अधिकारियों के विरुद्ध आपराधिक मानहानि का परिवाद न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी के समक्ष प्रस्तुत किया है। परिवादी पं. वैभव पाठक ने अधिवक्ताओं की टीम सहित न्यायालय पहुंचकर यह परिवाद सुनवाई हेतु पंजीबद्ध कराया है। परिवाद में मप्र प्रगतिशील ब्राह्मण महासभा के सक्रिय सदस्य होने का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि यह महासभा स्व पंडित मदन मोहन मालवीय द्वारा स्थापित प्रदेश की सर्वप्राचीन ब्राह्मण संस्था है, जो संपूर्ण मध्य प्रदेश के विप्र समुदाय की प्रतिनिधि एवं प्रहरी है। परिवाद के अनुसार, फिल्म के निर्माता ने व्यावसायिक प्रचार के लिए पंडत (पंडित का लोकभाषा प्रचलन) उपसर्ग को जानबूझकर घूसखोर जैसे आपराधिक विशेषण से युग्मित किया, जो समस्त ब्राह्मण समुदाय को भ्रष्टाचार से जोड़कर देखने की दुर्भावना का परिचायक है। परिवादी ने तर्कपूर्ण शैली में प्रस्तुत किया है कि पंडित शब्द केवल एक उपाधि नहीं, वरन् विद्वत्ता, पुरोहिताई, धार्मिक पवित्रता एवं ऐतिहासिक अस्मिता का वाचक है। इसी परंपरा में पंडित जवाहरलाल नेहरू, पंडित अटल बिहारी वाजपेयी जैसी विभूतियाँ इस उपाधि से समलंकृत हुई हैं।

प्रतिष्ठा की क्षति अपरिवर्तनीय

परिवाद में कहा गया है, फिल्म का शीर्षक घूसखोर पंडत किसी विशिष्ट पात्र का नहीं, वरन् संपूर्ण ब्राह्मण समाज की गरिमा का मखौल उड़ाने का कुत्सित प्रयास है। यह चलन दुर्भाग्यपूर्ण है कि फिल्मकार सस्ती लोकप्रियता के लिए भड़काऊ शीर्षकों का सहारा लेते हैं, पश्चात् आक्रोश भांपते हुए शीर्षक परिवर्तन कर देते हैं, किंतु तब तक समुदाय की प्रतिष्ठा को अपूरणीय क्षति पहुंच चुकी होती है। नीरज पाण्डेय से रीड हेस्टिंग्स तक परिवाद में पांच नीरज पांडे (फिल्म निर्माता/निर्देशक), रीड हेस्टिंग्स (चेयरमैन, नेटफ्लिक्स), टेड सरंदास (को-सीईओ, नेटफ्लिक्स), बेला बजरिया (चीफ कंटेंट ऑफिसर, नेटफ्लिक्स), मोनिका शेरगिल (कंटेंट हेड, नेटफ्लिक्स इंडिया) को प्रस्तावित अभियुक्त बनाया गया है। परिवादी ने आरोपित किया है कि इस फिल्म के प्रसारण अधिकार प्राप्त कर नेटफ्लिक्स ने भी आपत्तिजनक शीर्षक को मंजूरी दी तथा उसके प्रबंध निदेशकों ने इसे वैश्विक स्तर पर प्रचारित कर मानहानि में अभिसमर्थन किया।

विदेश मंत्रालय से अनुरोध

परिवादी की ओर से न्यायालय से प्रार्थना की गई है कि प्रस्तावित अभियुक्तों के विरुद्ध संज्ञान लेते हुए दंड प्रक्रिया संहिता (नवीन) के अंतर्गत सम्मन जारी किए जाएँ। साथ ही, भारत के विदेश मंत्रालय के माध्यम से संयुक्त राज्य अमेरिका में निवासरत अभियुक्तों (रीड हेस्टिंग्स, टेड सरंदास, बेला बजरिया) को आधिकारिक सम्मन प्रेषित करने का निदेश दिया जाए, जिससे विधि सम्मत प्रक्रिया का पालन करते हुए उन्हें न्यायिक मंच पर उपस्थित किया जा सके। परिवादी के अधिवक्ताओं में असीम त्रिवेदी, पंकज तिवारी, अरविन्द सिंह चौहान, विनीत टेहेनगुनिया, शुभम पाटकर सहित अन्य अधिवक्ता सम्मिलित हैं।

एमपी ट्रांसको के 220 केवी सबस्टेशन पर सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

मप्र पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) की जीरो एक्सीडेंट पॉलिसी के अंतर्गत विदिशा जिले के 220 केवी विदिशा सबस्टेशन पर सुरक्षा एवं सबस्टेशन संचालन से संबंधित एक व्यापक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण सत्र के दौरान अधीक्षण अभियंता शेखर फटाले एवं कार्यपालन अभियंता श्री संजय श्रीवास्तव ने सबस्टेशन मेंटेनेंस एवं आपरेशन कार्यों के दौरान अपनाई जाने वाली आवश्यक सुरक्षा प्रक्रियाओं को बिंदुवार समझाया। कार्यशाला में कार्यस्थल पर लापरवाही रोकने के महत्व पर विशेष जोर देते हुए दुर्घटनाओं से बचाव हेतु व्यावहारिक उपायों की जानकारी दी, जिससे कार्मिकों एवं उपकरणों की पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

सेफ्टी प्रोटोकॉल को दिया महत्व

एमपी ट्रांसको की जीरो एक्सीडेंट पॉलिसी के अंतर्गत निर्धारित स्टेंडर्ड आपरेटिंग प्रोसीजर(एसओपी) एवं सेफ्टी प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन करने पर बल दिया गया। इस कार्यशाला मे सबस्टेशन के अभियंता एवं नियमित व आउटसोर्स तकनीकी कर्मियों ने सक्रिय सहभागिता की। प्रतिभागियों को सुरक्षित कार्य पद्धतियों, सुरक्षा उपकरणों के उपयोग तथा निर्बाध एवं सुरक्षित विद्युत पारेषण बनाए रखने हेतु समन्वित टीमवर्क के प्रति जागरूक भी किया गया।

फांसी लगाकर युवक ने की आत्महत्या

जबलपुर।

बेलबाग थाने में मुकेश मिश्रा उम्र 40 वर्ष निवासी भारत सेवक समाज स्कूल के पीछे कांचघर ने सूचना देकर बताया कि आयुष्मान उर्फ सुमित गर्ग उसका भांजा जबलपुर में किराये रहता है। सुबह सुमित के घर से फोन पर बताये कि सुमित फोन नहीं उठा रहा है। जिसपर सुमित की बिल्डिंग बाई का बगीचा पहुंचा। जहां पर कमरा बंद था। खटखटाने पर दरवाजा नहीं खोलने पर दरवाजे के सुराख से देखा आयुष्मान उर्फ सुमित फासी पर लटका था पुलिस के आने पर दरवाजा खोलने पर आयुष्मान उर्फ सुमित गर्ग पंखा से फांसी लगाकर मृत अवस्था में लटका था। पुलिस ने मामले को जांच में लिया है।

शहरी विकास के साथ पर्यावरण संतुलन भी जरूरी: जेडीए सीईओ दीपक वैद्य

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

जेडीए सीईओ दीपक वैद्य के निर्देश पर जबलपुर विकास प्राधिकरण द्वारा योजनाओं में किये जा रहे विकास कार्यों के साथ ही पर्यावरण संतुलन का भी विशेष ध्यान रखा जा रहा है। जेडीए द्वारा यो क्र. टी.डी.एस.-02 के अंतर्गत एस. आर.-3 से पाटन बाईपास को जोड़ने वाली 2.30 कि.मी. लम्बी एवं 30 मीटर चौड़ी एस.आर.-2 सड़क निर्मित की जा रही है। इस सड़क क्षेत्र में कुछ बड़े वृक्ष आने पर जेडीए सीईओ की पहल पर इन वृक्षों की कटाई नहीं करते हुये इन्हें बिना काटे सुरक्षित तरीके से मार्ग के किनारे प्रत्यारोपित कराया गया। इस पहल से वृक्षों को जीवनदान मिला और हरे-भरे पेड़ विनिष्टीकरण से बच गये। जेडीए सीईओ दीपक वैद्य द्वारा बताया गया कि वे शहरी विकास के साथ ही पर्यावरण संरक्षण के हितैषी रहे है। आपने बताया कि विकास कार्यों के बीच पर्यावरण संतुलन बनाये रखना आज के दौर में गंभीर चुनौती है, विकास योजनाओं में सख्त पर्यावरणीय मानदंडों की सतत आवश्यकता है, विकास और पर्यावरण का तालमेल ही भविष्य के लिये टिकाऊ है। आपने आगे बताया कि पर्यावरण संतुलन को कायम रखने में वृक्षों की अहम भूमिका होती है, इसी को ध्यान में रखते हुये जैसे ही उन्हें मार्ग में आने वाले वृक्षों से अवगत कराया गया, उनके द्वारा इन वृक्षों की कटाई नहीं करने के निर्देश देते हुये संरक्षित हो सकने वाले वृक्षों को तकनीक के माध्यम से मार्ग के किनारे प्रत्यारोपित कराया गया। जेडीए द्वारा विकास कार्यों के साथ-साथ की गई इस अनूठी पहल का क्षेत्रवासियों द्वारा आभार व्यक्त करते हुये सराहना की गई।

श्रमशक्ति दिवस के रूप में मनाई गई कर्मचारी नेता डीपी पाठक की पुण्यतिथि

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

मप्र विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन के संस्थापक महामंत्री, अखिल भारतीय विद्युत फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष, इंटक के पूर्व राष्ट्रीय मंत्री, पूर्व नगर कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक स्व. डीपी पाठक की पंद्रहवीं पुण्य तिथि, श्रमशक्ति दिवस के रूप में संचालन संधारण संभाग विजय नगर परिसर में मनाई गई। श्रम शक्ति दिवस पर कर्मचारी साथी व्हीपी केवट, अजय सिंह ठाकुर, विजय डोंगरे, आरके परोहा को शाल, श्रीफल माला पहनाकर अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संभाग के कार्यपालन अभियंता अमित सक्सेना ने कहा कि स्व डीपी पाठक के कुशल नेतृत्व और कार्यो से कमचारियों को जहां बेहतरीन सुविधाएं मिली, समस्यायों का समाधान हुआ वे कर्मचारी क्षेत्र में लोकप्रिय होने के साथ आम जनता के जनप्रिय नेता और विधायक बने। श्री सक्सेना ने कहा कि उद्योग की भलाई के साथ कमचारियों का हित संवर्धन होना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीताराम कुरचानिया ने करते हुए कहा कि स्व. पाठक के नेतृत्व में फेडरेशन अनुशासित, रचनात्मक और सकारात्मक भूमिका निभाने वाला दमदार संगठन बना उन्होंने बिजली उघोग और कर्मचारी हित को दृष्टिगत रखकर कार्य किया है जो आज भी स्मरणीय है। कार्यक्रम में आरएस परिहार ने कहा कि वे एकमात्र नेता थे जो दूरदृष्टी को ध्यान में रखकर कमचारियों के सुदृढ़ और सुरक्षित भविष्य की मजबूत नींव रख गये।

फेडरेशन के महामंत्री राकेश डीपी पाठक ने कहा श्रमिकों के मसीहा स्व डी पी पाठक हमेशा कहते थे कि उघोगो की प्रगति से ही कर्मचारियों की उन्नति, समृद्धि और हर सुविधा संभव है। और हर समस्या का समाधान बैठकर चर्चा कर निकाला जा सकता है। इस अवसर संदेश यादव, विनय पाठक, शिवहरि श्रीवास्तव, सतेन्द्र सुहाने, एच एम मसूरी, एस के चौधरी आदि उपस्थित रहे।

राज्य कर्मचारी संघ के कैलेंडर का हुआ विमोचन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। राज्य कर्मचारी संघ सेठ गोविंद दास अस्पताल विभागीय समिति के कैलेंडर का विमोचन जगद्गुरु स्वामी राघव देवाचार्य के द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कर्मचारियों में राष्ट्रिय हित की भावना सर्वोपरि होना चाहिए उसके बाद अपने विभाग व कार्यालय के विकास पर पूर्ण ध्यान देना चाहिए। जिससे कर्मचारियों के परिवार का भरण पोषण आसानी से हो सकता है। इस अवसर पर अतर्राष्ट्रीय भागवताचार्य सुरेन्द्र आनंद महाराज, संघ के अटल उपाध्याय, देवेन्द्र पचौरी आलोक अग्निहोत्री, ब्रजेश मिश्रा, एसपी बाथरे, निशांक तिवारी, अंकित चौरसिया आदि पदाधिकारी मौजूद रहे।

शासकीय महाविद्यालय में वार्षिक स्नेह सम्मेलन का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शासकीय श्याम सुंदर अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सिहोरा में वार्षिक स्नेह-सम्मेलन का आयोजन गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में शैक्षणिक उपलब्धियों, सह-पाठ्यक्रमीय गतिविधियों तथा एनसीसी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उच्च शिक्षा विभाग के अतिरिक्त संचालक प्रो. पंजाबराव चंदेलकर ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में नगरपालिका सिहोरा की अध्यक्ष संध्या दिलीप दुबे तथा जनपद पंचायत सिहोरा की अध्यक्ष रश्मि मनेंद्र अग्निहोत्री उपस्थित रहीं।

जनभागीदारी अध्यक्ष राजा मोर एवं सदस्य विनोद खत्री ने भी कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने अतिथियों का स्वागत शॉल एवम् श्रीफल भेंट कर किया। तत्पश्चात डॉ. सुनु आर. के. मैथ्यू ने संस्थान की वार्षिक प्रगति-रिपोर्ट प्रस्तुत की।

कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. नीता तिवारी ने किया। इस अवसर पर आईक्यूएसी एकेडमिक एक्सीलेंस अवार्ड डॉ. अंकित द्विवेदी, गौरव द्विवेदी एवं डॉ राहुल शर्मा को प्रदान किया गया। शैक्षणिक एवं अकादमिक गतिविधियों में उल्लेखनीय योगदान के लिए हिंदी विभाग एवं रसायन शास्त्र वुभग को संयुक्त रूप से सर्वश्रेष्ठ विभाग का पुरस्कार प्राप्त हुआ।

इंटर रेलवे सेफ्टी ऑडिट दल ने किया बारीकी से निरीक्षण

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जबलपुर मंडल के कटनी-मैहर रेल खंड पर गुरूवार को एक उच्च स्तरीय इंटर रेलवे सेफ्टी ऑडिट का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह निरीक्षण मध्य रेल के प्रमुख मुख्य संरक्षा अधिकारी सीके प्रसाद के नेतृत्व में गठित एक विशेषज्ञ टीम द्वारा किया गया। इस उच्च स्तरीय ऑडिट टीम में संजय कुमार झा, अनिल कुमार पाटके आदि अधिकारी शामिल थे। संरक्षा ऑडिट दल ने स्पेशल ट्रेन के माध्यम से अपना निरीक्षण प्रारंभ किया। निरीक्षण के दौरान टीम ने कटनी और पटवारा के मध्य स्थित 1.37 डिग्री कर्व और एक महत्वपूर्ण बड़े पुल का सघन तकनीकी परीक्षण किया।

पमरे और सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया के बीच साइन हुआ एमओयू

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

पश्चिम मध्य रेलवे और सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया के बीच विगत दिवस मेमोरेण्डम ऑफ अण्डरस्टैंडिंग (एमओयू) समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर किया गया। जिसके तहत रेल्वे अधिकारी एवं कर्मचारियों के वेतन खाता संबंधी विशेष पैकेज सुविधा दी जायेगी। इसमें 1.50 करोड़ रूपए तक का बीमा (एक्सीडेन्टल इंश्योरेन्स), सस्ती ब्याज दरों में होम लोन, व्हीकल लोन, पर्सनल लोन, शिक्षा ऋण इत्यादि लोन उपलब्ध रहेंगे। मृतक कर्मचारी के लिये एम्बुलेंस व्यय इत्यादि के अतिरिक्त उनके बच्चों को शिक्षा हेतु 10 लाख तक राशि एवं पुत्री विवाह हेतु भी 10 लाख की राशि बीमित होगी। इस अवसर पर रेल्वे की ओर से एसडी पाटीदार , प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी, पूर्णिमा जैन, स्वाति अग्रवाल, सुप्रकाश उप मुख्य कार्मिक अधिकारी, रविन्द्र कुमार, किशोर कुमार बोरासी उपस्थित रहे। सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया को बैकिंग इंडस्ट्री का सर्वश्रेष्ठ विशेष वेतन पैकेज बनाये जाने का लाभ भी सभी रेल्वे कर्मचारियों को मिलेगा एवं भविष्य में राष्ट्रीय स्तर पर और भी ऐसे एमओयू हस्ताक्षर किये जायेंगे।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील से भारतीय किसानों के भविष्य पर खतरा

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। भारत और अमेरिका के बीच हुए व्यापार समझौते के खिलाफ किसान संगठनों गुरूवार को सिहोरा में अनुविभागीय अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने बताया कि भारत-अमेरिका डील को भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहलाने वाले कृषि व्यवसाय के भविष्य को खतरा बताते हुए कहा कि उक्त करार भारतीय अर्थव्यवस्था व मुख्य रुप से भारत के किसानो के साथ धोखा है, इससे भारतीय किसान बर्बाद हो जावेंगे इसके खिलाफ आवाज उठाने के लिए किसान सड़कों पर उतरने का तैयार है। करार के अनुसार भारत अपने उत्पादो को अमेरिका को निर्यात करेगा तो उस पर अमेरिका 18 प्रतिशत टैरिफ लगायेगा, वहीं जब अमेरिका अपने उत्पादो को भारत को निर्यात करेगा तो उस पर कोई टैक्स नहीं लगायेगा अर्थात शून्य प्रतिशत टैरिफ होगा। इससे भारतीय किसानों को भारी नुकसान होगा। किसानों का आरोप है कि इस समझौते से अमेरिका के सब्सिडी वाले कृषि उत्पाद भारतीय बाजार में भर जाएंगे और घरेलू खेती पर सीधा असर पड़ेगा। भारतीय किसान युनियन जिला अध्यक्ष एड. रमेश पटेल का कहना है कि उक्त करार भारतीय किसानो के लिये डेथ वारण्ट होगा। केंद्रीय कृषि मंत्री एवं व्यापार मंत्री कहते है की भारत का कृषि क्षेत्र पूर्णत: संरक्षित एवं सुरक्षित रहेगा लेकिन भारत के किसानो के साथ धोखा हुआ। ज्ञापन सौंपते समय अनिल पटेल, विनय पटेल, ब्लाक अध्यक्ष चन्द्रजीत पटेल आदि उपस्थित रहे।

अपनी प्रतिभा प्रस्तुत करने का सर्वोत्तम मंच होता है वार्षिक स्नेह सम्मेलन

शासकीय विज्ञान महाविद्यालय में दो दिवसीय वार्षिक स्नेह सम्मेलन का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

महाविद्यालय का वार्षिक स्नेह सम्मेलन विद्यार्थियों के लिए अपने प्रतिभा प्रस्तुति करने का सर्वोत्तम मंच होता है। विद्यार्थियों को चाहिए कि वे अपनी प्रतिभाओं का विकास करें तथा राष्ट्र हित हेतु सदैव प्रयासरत रहें। माता-पिता तथा गुरुओं को सम्मान करें तथा देश समाज एवं परिवार के समग्र विकास का संकल्प लें। उक्त आशय के विचार विधायक अशोक रोहाणी ने शासकीय विज्ञान महाविद्यालय के दो दिवसीय वार्षिक स्नेह सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर व्यक्त किये। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन वंदन एवं दीप प्रजरान के साथ हुआ। प्राचार्य डॉ शिखा सक्सेना द्वारा आमंत्रित अतिथियों का स्वागत किया गया तथा महाविद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत कर वर्ष भर की उपलब्धियां का लेखा-जोखा दिया गया। मंच पर जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष एड माइकल कपूर तथा सदस्य अंकित फ्रांसिस, कमलेश दहिया, डॉ पीएल अहिरवार एवं डॉ एचबी पालन की उपस्थित रहे।

कला प्रदर्शनी का हुआ उद्घाटन-कार्यक्रम का संचालन डॉ ज्योति श्रीवास्तव तथा आभार प्रदर्शन डॉ सुनीता शर्मा द्वारा किया गया। सर्व प्रथम विज्ञान एवं कला प्रदर्शनी का उद्घाटन अतिथियों द्वारा किया गया। उद्घाटन सत्र के बाद विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी गई। नूरपुर बहरा, द्वारा सरस्वती वंदना एकल नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत की गई। शिवांगी मरावी तथा साथियों द्वारा पारंपरिक आदिवासी नृत्य के कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए, वहीं रेणुका चतुर्वेदी द्वारा बॉलीवुड रीमिक्स के आधार पर साथियों के साथ प्रस्तुति दी। इस अवसर पर शशि जैन, भावना बैन तथा साथियों ने गुजराती तथा राजस्थानी नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी,चिराग झरिया तथा साथियों प्रस्तुत एक मैं में स्टॉप वुमन हरासमेंट द्वारा महिलाओं की सुरक्षा का महत्व बताया। कार्यक्रम का संचालन स्नेह सम्मेलन की समन्वयक डॉ वर्षा। कायक्रम को सफल बनाने हेतु डॉ अजीत सिंह, डॉ मनीष शर्मा, डॉ जया बाजपेई सहित समस्त प्राध्यापकों का योगदान रहा।

बॉक्साइट खनन के विरोध में आदिवासियों ने खोला मोर्चा

दादर बॉक्साइट परियोजना के खिलाफ सैकड़ों आदिवासी लामबंद

बालाघाट

दक्षिण बैहर क्षेत्र के पचामा दादर सहित विभिन्न आदिवासी ग्रामों में प्रस्तावित बॉक्साइट खनन को लेकर विरोध सड़क पर दिखाई दे रहा है। बैहर तहसील के ग्राम उकवा के रेंज ऑफिस चौक में 12 फरवरी की दोपहर में सैकड़ों आदिवासी ग्रामीणों ने जल-जंगल-जमीन को बचाने की मांग को लेकर चक्काजाम आंदोलन किया। जहां कांग्रेस विधायक संजय उईके के नेतृत्व मे आक्रोषित आदिवासियों ने प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और अपनी मांग रखी। आदिवासी ग्रामीणों का कहना है कि बिना विधिवत प्रक्रिया (पीएल) के माइनिंग लीज स्वीकृत किए जाने की कोशिश की जा रही है, जो ग्रामसभा के अधिकारों का उल्लंघन है। बता दें कि, अलग-अलग ग्रामों में बैठकें आयोजित कर आदिवासी समाज ने आंदोलन की रणनीति तैयार की है। फिर 12 फरवरी को उकवा चौक पर व्यापक स्तर पर प्रदर्शन शुरू किया। ग्रामीणों ने स्पष्ट किया है कि जब तक उनकी मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं होती, आंदोलन जारी रहेगा। ग्रामीणों का ये भी कहना है कि वे अपने जल-जंगल-जमीन की रक्षा के लिए एकजुट हैं और किसी भी कीमत पर पर्यावरण व परंपरागत अधिकारों से समझौता नहीं करेंगे। आदिवासियों का सरकार और प्रशासन पर आरोप है कि ग्राम सभाओं की सहमति लिये बिना ही दादर बॉक्साइट ब्लॉक उत्खनन की स्वीकृति प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है, जो संवैधानिक एवं वैधानिक प्रावधानों के विपरीत है। जबकि पेसा एक्ट 1996 तथा नियम 2022 के नियम 27 के तहत ग्राम सभाओं को वन संसाधन (उत्रक्रफ) अधिकार दिये जाने का प्रावधान है। प्रस्तावित खनन क्षेत्र के ग्राम लूद, हिरी, कोंगेवानी, बम्हनी, हर्शनाला, घोंदी, लौगुर, पोला, कंदई सहित 77 ग्रामों को संभावित ग्राम मानते हुए वन अधिकार दिये जाने की बात कही जा रही है।

ऐसे में वनाधिकार मान्यता कानून 2006 की धारा 4(5) के अनुसार अधिकार सुनिश्चित किये बिना खनन स्वीकृति एवं जनसुनवाई की तिथि तय करना विधि संगत नहीं है। आंदोलनकारियों ने मांग की है कि ग्राम सभाओं को प्राकृतिक संसाधनों, निस्तार, धार्मिक मान्यताओं तथा जल-जंगल-जमीन पर संवैधानिक अधिकार पहले सुनिश्चित किये जाएं। इसके बाद ही ग्राम सभाओं की पूर्ण सहमति से प्रस्तावित बॉक्साइट खनन पर लोक/जनसुनवाई कराई जाए। संविधान की पांचवी अनुसूची अनुच्छेद 244(1) के तहत अधिसूचित क्षेत्रों में वनों की कटाई, सागौन वृक्षारोपण व खनिज उत्खनन पर रोक लगाई जाए। उल्लेखनीय है कि मेसर्स कटनी मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड को कोटपहर बॉक्साइट ब्लॉक (ग्राम पचामा, कोटपहर ब्लॉक, तहसील बैहर, जिला बालाघाट) में खनन हेतु पर्यावरण स्वीकृति प्रक्रिया के अंतर्गत लोक सुनवाई के दस्तावेज प्रस्तुत किये गये हैं। प्रस्तावित लीज क्षेत्रफल 35.90 हेक्टेयर है तथा खनन क्षमता 30,139.20 मीट्रिक टन प्रतिवर्ष निर्धारित की गई है।

दिव्यांग के लिए निर्मम बना राजस्व विभाग?

100 बार पेशी आने के बाद भी नहीं हुआ निराकरण

लांजी। बालाघाट जिले के लांजी तहसील अंतर्गत ग्राम दुल्हापुर में एक दिव्यांग युवक और उसके परिवार से जुड़ा राजस्व विवाद अब प्रशासनिक संवेदनशीलता पर सवाल खड़े कर रहा है। पीड़ित की व्यथा सुनने के बाद संयुक्त क्रांति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक किशोर समरिते ने सीधे प्रशासन को निशाने मे लेकर आरोप लगाया है कि न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) लांजी में लंबित प्रकरण में दिव्यांग युवक ईश्वर बरगइया को बार-बार पेशी पर बुलाया जा रहा है, जबकि अब तक मौके का किसी भी राजस्व अधिकारी द्वारा निरीक्षण तक नहीं किया गया। प्रकरण उर्वशी पति सावालाल बरगइया एवं सुखदेव पिता हिरदेलाल बरगइया के मकान के हिस्से को तोड़े जाने से संबंधित बताया गया है, जो वर्तमान में एसडीएम न्यायालय में विचाराधीन है। आरोप है कि दिव्यांग ईश्वर बरगइया को लगभग 100 बार एसडीएम कार्यालय बुलाया गया, जहां वह अपनी वृद्ध मां उर्वशी और छोटी बहन गीता के सहारे पेशी में पहुंचता रहा। समरिते ने यह भी कहा कि एक ही प्रकरण में पटवारी द्वारा अलग-अलग लगभग 20 पंचनामे तैयार किए गए, जो राजस्व प्रक्रिया की पारदर्शिता पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं। उनका आरोप है कि अब तक किसी सक्षम राजस्व अधिकारी ने मौके पर पहुंचकर वस्तुस्थिति का गंभीरता से परीक्षण नहीं किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार गरीबों और कमजोर वर्गों के अधिकारों की बात करती है, किंतु जमीनी स्तर पर स्थिति इसके विपरीत नजर आ रही है। कलेक्टर द्वारा चलाए गए राजस्व अभियान एवं ह्लसंकल्प से समाधानह्व अभियान के बावजूद संबंधित परिवार को राहत नहीं मिल पाना प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है। बताया गया है कि ईश्वर बरगइया शिक्षित होने के बावजूद आर्थिक रूप से कमजोर हैं और रोजगार की आवश्यकता है। ऐसे में लगातार पेशियों से परिवार पर आर्थिक और मानसिक बोझ बढ़ रहा है। पूर्व विधायक समरिते ने मांग की है कि प्रकरण का शीघ्र एवं निष्पक्ष निराकरण कर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाया जाए, ताकि शासन-प्रशासन के प्रति उनका विश्वास पुनः स्थापित हो सके।

समर्थन मूल्य पर गेहूँ खरीदी के लिए 7 मार्च तक होगा किसानों का पंजीयन

बालाघाट

किसानों को उनकी उपज का वाजिब दाम दिलाने एवं उन्हें बिचौलिये एवं दलालों के शोषण से बचाने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा रबी विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर गेहूँ की खरीदी की व्यवस्था की गई है। समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिए किसानों का पंजीयन 07 फरवरी से प्रारंभ कर दिया गया है, यह पंजीयन प्रक्रिया 07 मार्च 2026 तक चलेगी। कलेक्टर मृणाल मीना ने किसानों के पंजीयन के लिए 23 केंद्र निर्धारित कर दिये है। इसके साथ ही ऑनलाईन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेंटर, लोक सेवा केंद्र एवं निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित साइबर कैफे में किसानो के पंजीयन का शुल्क 50 रुपए निर्धारित किया गया है। केन्द्र सरकार द्वारा वर्ष 2026-27 के लिये गेहूँ का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 2585 रुपए प्रति क्विंटल घोषित किया गया है, जो गत वर्ष से 160 रुपए अधिक है। जिला आपूर्ति अधिकारी आरके ठाकुर ने बताया कि रबी विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिए बालाघाट जिले में किसानों के पंजीयन हेतु 23 केंद्र निर्धारित किये गए है।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए समग्र स्वास्थ्य कल्याण शिविर का आयोजन

बालाघाट

आयुष विभाग द्वारा सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 12 फरवरी 2026 को वरिष्ठ नागरिकों के लिए समग्र स्वास्थ्य कल्याण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों के शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करना तथा उनके सामाजिक जुड़ाव को बढ़ाकर जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाना रहा। यह शिविर नया जीवन ज्योति सहारा वृद्धाश्रम, भटेरा (बालाघाट) में आयोजित किया गया। जिला आयुष अधिकारी डॉ. मिलिंद चौधरी ने शिविर में उपस्थित वरिष्ठ नागरिकों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने योग, आयुर्वेद, प्राकृतिक

चिकित्सा एवं संतुलित दिनचर्या के महत्व पर प्रकाश डाला तथा आयु से संबंधित रोगों के प्राकृतिक उपचार एवं नियंत्रण के लिए आयुष पद्धतियों को अपनाने हेतु वरिष्ठ नागरिकों को प्रेरित किया। शिविर की प्रभारी अधिकारी डॉ. दीपाली चौके ने जानकारी दी कि शिविर के दौरान विभागीय चिकित्सकों द्वारा सभी वरिष्ठ नागरिकों का विस्तृत स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा उन्हें निश्शुल्क आयुर्वेदिक औषधियों का वितरण किया गया। स्वास्थ्य परीक्षण के अंतर्गत मधुमेह, हीमोग्लोबिन सहित अन्य आवश्यक रक्त परीक्षण भी किए गए, जिससे वरिष्ठ नागरिकों की स्वास्थ्य स्थिति का समुचित मूल्यांकन किया जा सका। समग्र स्वास्थ्य कल्याण शिविर वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुआ। इस शिविर के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों को एक ही स्थान पर स्वास्थ्य परामर्श, परीक्षण एवं उपचार की सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं, जिससे उन्होंने संतोष एवं प्रसन्नता व्यक्त की।

डिजिटल टूल्स के माध्यम से होगी जनगणना

बालाघाट। वर्ष 2027 में आयोजित होने वाली भारत की जनगणना पूरी तरह डिजिटल माध्यम से संपन्न की जाएगी। यह देश की पहली पूर्णतः डिजिटल जनगणना होगी, जिसमें मोबाइल एप्लिकेशन और वेब पोर्टल के माध्यम से आंकड़ों का संकलन किया जाएगा। आम नागरिक घर बैठे ही स्वगणना पोर्टल पर अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे। बालाघाट जिले में भी जनगणना-2027 के लिए सभी आवश्य क तैयारियां प्रारंभ कर दी गई है। जनगणना प्रक्रिया की संपूर्ण निगरानी सेंसेस मैनेजमेंट एंड मॉनिटरिंग सिस्टम (सीएमएमएस) पोर्टल के माध्यम से की जाएगी। सरकार ने स्पष्ट किया है कि नागरिकों की व्यक्तिगत जानकारी पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी। किसी भी प्रगणक या अधिकारी द्वारा ओटीपी अथवा बैंक से संबंधित जानकारी की मांग नहीं की जाएगी।

जनगणना 2027 दो चरणों में आयोजित की जाएगी। प्रथम चरण 1 मई से 30 मई 2026 तक चलेगा, जिसमें मकानों की गणना और सूचीकरण का कार्य किया जाएगा। द्वितीय चरण फरवरी 2027 में आयोजित होगा, जिसमें जनसंख्या की गणना की जाएगी। जनसंख्या गणना के लिए स्वगणना पोर्टल पर नागरिकों को 33 बिंदुओं से संबंधित जानकारी दर्ज करनी होगी। भारत में जनगणना की परंपरा प्राचीन काल से चली आ रही है। मौर्य काल में कौटिल्य के ह्यअर्थशास्त्रह्न में जनसंख्या और संसाधनों के लेखा-जोखा का उल्लेख मिलता है। मुगल काल में अकबर के शासन में भी भूमि, जनसंख्या और संसाधनों का विवरण संकलित किया जाता था, जिसका उल्लेख अबुल फजल की ह्यआइन-ए-अकबरीह्न में मिलता है। हालांकि, ये आधुनिक वैज्ञानिक जनगणना नहीं थीं। आधुनिक भारत में जनगणना की शुरूआत वर्ष 1872 में ब्रिटिश शासनकाल में लॉर्ड मेयो के समय हुई। पहली नियमित और वैज्ञानिक जनगणना वर्ष 1881 में संपन्न हुई, जिसके बाद प्रत्येक 10 वर्ष में जनगणना कराई जाती रही है। कोविड-19 महामारी के कारण वर्ष 2021 की जनगणना आयोजित नहीं हो सकी थी। वर्ष 2027 में होने वाली जनगणना देश की 16वीं तथा स्वतंत्रता के बाद की 8वीं जनगणना होगी। यह पहली बार होगा जब डेटा संग्रहण पूरी तरह डिजिटल उपकरणों के माध्यम से किया जाएगा।

आईटीआई में विधिक जागरूकता शिविर का हुआ सफल आयोजन

उमरिया (स्वतंत्रमत)

नगर के डबरौहा स्थित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, उमरिया (म.प्र.) में विधिक जागरूकता शिविर का सफल एवं प्रभावी आयोजन किया गया। इस गरिमामयी अवसर पर अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश परम सम्माननीय श्री रामसहारे राज जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में महाविद्यालय के आदरणीय प्रभारी प्राचार्य श्री अमृत लाल जी तथा ट्रेनिंग ऑफिसर आदरणीय श्री प्रभात रंजन वर्मा सर की गरिमामयी उपस्थिति रही।

शिविर के दौरान विद्यार्थियों को मोटर व्हीकल एक्ट एवं पॉक्सो अधिनियम के संबंध में विस्तृत एवं महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।माननीय न्यायाधीश महोदय ने कानूनों की प्रासंगिकता उनके पालन की अनिवार्यता तथा एक सजग एवं जिम्मेदार नागरिक बनने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए उन्हें विधिक अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में विशेष रूप से पैरालीगल वॉलेंटियर श्रीमती सोनम सोनी की सक्रिय एवं सराहनीय सहभागिता रही। श्रीमती सोनम सोनी ने विद्यार्थियों को विधिक साक्षरता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान कीं तथा उन्हें कानून के प्रति जागरूक रहने के लिए

प्रेरित किया। साथ ही महाविद्यालय के शिक्षकगण भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। विद्यार्थियों ने इस विधिक साक्षरता शिविर से अत्यंत उपयोगी जानकारी प्राप्त की, जिससे उनमें कानून के प्रति जागरूकता, आत्मविश्वास एवं सामाजिक जिम्मेदारी की भावना का विकास हुआ। यह शिविर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास तथा विधिक जागरूकता को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं सराहनीय पहल सिद्ध हुआ।

बाल विवाह की सूचना पर की गई कार्यवाही, रूकवाया गया तिलक

उमरिया (स्वतंत्रमत)। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग दिव्या गुप्ता के मार्गदर्शन में ग्राम करौंदा जनपद पंचायत करकेली में 17 फरवरी को होने वाले तिलक की सूचना मिलने पर परियोजना अधिकारी अंजू सिंह पोर्ते व्दारा परिवार को समझाईश दी गई, जिसके बाद तिलक कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया। परियोजना अधिकारी अंजू सिंह पोर्ते को ग्राम करौंदा में 17 फरवरी को बाल विवाह के तहत तिलक होने की जानकारी प्राप्त हुई, जिसके बाद उन्होने दल बल के साथ परिवार जनो से मुलाकात की और उन्हें बाल विवाह नही करने की समझाईश दी। परिवार जनो से कहा गया कि निर्धारित उम्र के बाद ही बच्चे का विवाह करे, जिस पर उन्होने सहमति व्यक्त की।

बीआरसी करकेली में दिव्यांग बच्चों को बांटी गई सामग्री

उमरिया (स्वतंत्रमत)

मग्र शिक्षा अभियान जिला शिक्षा केंद्र उमरिया के माध्यम से जनपद शिक्षा केंद्र करकेली अंतर्गत सीडब्ल्यूएसएन उपकरण वितरण शिविर का आयोजन गुरुवार 12 फरवरी को जनपद शिक्षा केंद्र करकेली में किया गया, जिसमें 65 बच्चो के लिए एलिम्को जबलपुर द्वारा उपकरण का चयन किया गया था, इन सभी बच्चों को बीआरसी भवन करकेली में विभिन्न उपकरण जैसे ट्राई साइकिल,बैसाखी, व्हीलचेयर ,रोलेटर,ब्रेल किट, सुगम्य केन,तथा मानसिक बच्चों को पढ़ने हेतु टीएलएम किट, कान की मशीन, कैलिपर्स आदि का वितरण,डायट आईईडी प्रभारी बृजेश शर्मा, जूनियर रेडक्रॉस सोसायटी मध्य प्रदेश के अध्यक्ष मान सिंह के मुख्य अतिथ्य एवं सहायक जिला परियोजना समन्वय समावेशी शिक्षा कमलेश पांडेय, दीपक कुमार पुनर्वास अधिकारी भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम जबलपुर, विकासखंड शिक्षा अधिकारी करकेली जे.आर. मिथलेश, बीआरसी करकेली विनय चतुर्वेदी की उपस्थिति में उपकरण का वितरण किया गया। इस दौरान बीएसी लल्लू प्रसाद महोबिया तथा एमआरसी विनोद मिश्र एवं समस्त बीआरसी स्टाफ उपस्थित रहे। दिव्यांग बच्चे एवं उनके अभिभावक विशेष उपकरण पाकर बहुत प्रसन्न दिखाई दिए। एपीसी आईईडी, एमआरसी विनोद मिश्रा तथा एलिम्को के पुनर्वास अधिकारी दीपक कुमार द्वारा बच्चों के उपकरण उपयोग पर भी अभिभावकों को विस्तृत जानकारी दी गई।

फुटबॉल फॉर स्कूल के तहत नवोदय विद्यालय में विधायक ने वितरित किये फुटबॉल

उमरिया (स्वतंत्रमत)

खेल और शिक्षा के क्षेत्र में उमरिया जिले के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि सामने आई है। भारत सरकार के शिक्षा विभाग और विश्व की सबसे बड़ी फुटबॉल संस्था फीफा के संयुक्त अभियान च्फुटबॉल फॉर स्कूलज्ज के तहत पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय उमरिया को जिले का मुख्य नोडल सेंटर बनाया। इस अभियान के अंतर्गत गुरुवार 12 फरवरी को जिले के विद्यालयों में फुटबॉल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बांधवगढ़ विधायक शिवनारायण सिंह के मुख्य आतिथ्य में बड़ी संख्या में फुटबॉल का वितरण किया गया। प्रभारी प्राचार्य भूपेंद्र सिंह परिहार ने बताया कि फीफा द्वारा प्राप्त कुल 832 फुटबॉल जेएनवी उमरिया को मिल चुकी हैं, जिनका वितरण पूरे उमरिया जिले में किया जाएगा। वही विधायक जी के हाथों से जिले के 25 विद्यालयों में 5-5 फुटबॉल के सेट का वितरण किया गया और लगभग 143 स्कूलों में ये फुटबॉल का वितरण किया जाना है। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि विधायक बांधवगढ़ शिवनारायण सिंह और सरपंच लालू यादव और प्राचार्य द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण के नवोदय के बच्चों द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया और उसके उपरांत प्राचार्य द्वारा मुख्य अतिथि का शाल श्रीफल से स्वागत किया गया। खचाखच भरे ऑडिटोरियम में नवोदय विद्यालय की छात्राओं की नृत्य प्रस्तुति ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। वही प्राचार्य ने अपने उदबोधन में कहा कि विद्यालय प्रशासन ने इसे जिले में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताते हुए कहा कि इससे विद्यार्थियों में खेल भावना, अनुशासन और फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। कार्यक्रम को लेकर विद्यार्थियों, शिक्षकों और खेल प्रेमियों में उत्साह का माहौल है। और अतिथियों आभार जताया।विधायक ने भी अपने उदबोधन में बच्चो के मनोबल बढ़ाने वाले बात कही।उसके उपरांत प्रर्दशनी फुटबॉल मैच का शुभारंभ किया।

भरौला बस स्टैंड पर होगा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी का भव्य स्वागत : मिथलेश राय

उमरिया (स्वतंत्रमत)

आज शुक्रवार 13 फरवरी को मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी जी के शहडोल आगमन के अवसर पर भरौला बस स्टैंड, उमरिया में उनका भव्य स्वागत किया जाएगा। यह स्वागत कार्यक्रम सुबह 11रू30 बजे आयोजित किया जाएगा। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी उमरिया के अध्यक्ष मिथलेश राय के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में कांग्रेसजनों द्वारा प्रदेश अध्यक्ष का आत्मीय अभिनंदन किया जाएगा। ब्लॉक अध्यक्ष श्री मिथलेश राय ने ब्लॉक कांग्रेस के समस्त पदाधिकारियों, मंडलम एवं सेक्टर पदाधिकारियों, विभिन्न मोर्चा एवं प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों तथा पार्टी समर्थित जनप्रतिनिधियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आग्रह किया है। कांग्रेसजनों में प्रदेश अध्यक्ष के आगमन को लेकर भारी उत्साह का माहौल है।

आदर्श कालेज में विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर हुई कार्यशाला

उमरिया (स्वतंत्रमत)

मध्य प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग के अनुसार माननीय न्यायालय के निर्देशों के परिपालन में शासकीय आदर्श महाविद्यालय उमरिया में विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण के संबंध में राष्ट्रीय कार्यबल एनटीएफ का गठन किया गया। कार्यशाला में छात्र-छात्राओं की मानसिक स्वास्थ्य संबंधी एवं आत्महत्याओं को रोकने के लिए कार्यशाला का आयोजन व्यक्तित्व विकास प्रकोष्ठ एवं एन.एस.एस. इकाई द्वारा 12 फरवरी को किया गया।कार्यक्रम में शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय से माइंडफूलनेस कार्यक्रम की जिला संयोजक गरिमा शर्मा व्याख्याता विशेष वक्ता के रूप में उपस्थित रही। कार्यशाला में श्रीमती शर्मा द्वारा छात्र-छात्राओं को मानसिक स्वास्थ्य एवं स्ट्रेस मैनेजमेंट सहित अपनी योग्यताओं को पहचान करते हुए समाज के लिए अपने दायित्व को निभाने की बात कही। कार्यक्रम संयोजक डॉ नियाज अहमद अंसारी ने मनुष्य अपने वास्तविक रूप को किस तरीके से मानसिक स्वास्थ्य एवं जीवन की अच्छाइयों को अपनाते हुए अपने होने का उद्देश्य पूर्ण कर सकता है की बात कही गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सी.बी. सोदिया ने जीवन जीने के लिए अच्छी बातों को आत्मसात करना एवं कुरीतियां बुराइयों को अपने ह्रदय से बाहर रखना रखते हुए डेली लाइफ के चौलेंजों का सामना करने के लिए छात्र-छात्राओं को आह्वान किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी रेम सिंह हटीला द्वारा सेवा के माध्यम से तनावमुक्त रहने का सुझाव दिया।

गौ हत्या के विरोध में नैनपुर रहा बंद, अवशेष मिलने से फैला तनाव
विश्व हिन्दू परिषद-बजरंग दल ने सौंपा एसडीएम को ज्ञापन

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल प्रखंड नैनपुर के द्वारा गुरूवार को नैनपुर बंद का आव्हान किया गया था। जिसका व्यापक असर दिखाई दिया सुबह से ही पूरा बाजार बंद नजर आया। व्यापारियों ने स्वेच्छा से दुकानें बंद कर समर्थन दिया। बीते दिनों नैनपुर नगर के वार्ड क्र. 10 में किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा गौ हत्या कर अवशेष फेंके गये थे जिससे नगर में रोष व्याप्त हो गया था और इस मामले की गहन जांच कराते हुए दोषियों पर कठोर कार्यवाही को लेकर आवाज उठाई जा रही थी। विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल के पदाधिकारी कार्यकर्ताओं ने अनुविभागीय दण्डाधिकारी के नाम ज्ञापन सौंपा है। जिसमें कहा गया है कि 11 फरवरी को नैनपुर नगर के वार्ड क्रमांक 10 में गौहत्या की अत्यंत निंदनीय एवं दुर्भाग्यपूर्ण घटना सामने आई है।

यह कृत्य न केवल कानून का खुला उल्लंघन है बल्कि क्षेत्र की धार्मिक भावनाओं को भी गहरी ठेस पहुंचाने वाला है। गौ माता भारतीय संस्कृति परंपरा एवं आस्था का महत्वपूर्ण आधार है। इस प्रकार की घटनाएं समाज में आक्रोश असंतोष एवं तनाव की स्थिति उत्पन्न करती हैं। नैनपुर नगर में इस घटना के विरोध में आज शांतिपूर्ण रूप से बंद रखा गया है जो जनभावनाओं की गंभीरता को दर्शाता है। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल ने मांग की है कि गौहत्या की घटना में संलिप्त सभी दोषियों की तत्काल पहचान कर शीघ्र गिरफ्तारी की जाए। संबंधित आरोपियों पर कठोर धाराओं में प्रकरण दर्ज कर त्वरित न्यायिक प्रक्रिया सुनिश्चित की जाए। क्षेत्र में

भविष्य में ऐसी घटनाएं न हो इसके लिए सख्त निगरानी एवं विशेष अभियान चलाया जाए। गौवंश संरक्षण के लिए स्थायी एवं प्रभावी व्यवस्था बनाई जाए। नगर में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने में अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था की जाए। हम स्पष्ट करना चाहते हैं कि हमारा आंदोलन पूर्णतः शांतिपूर्ण एवं संवैधानिक दायरे में है। यदि समय रहते कठोर कार्यवाही नहीं की गई तो जनआक्रोश और बढ़ सकता है जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

बता दें कि नैनपुर तहसील क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 10 शांति नगर रियासी इलाके में गुरुवार दोपहर उस समय सनसनी फैल गई जब बीच चौराहे पर एक गौवंश के बछड़े का कटा हुआ सिर पड़ा मिला। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार यह घटना लगभग दोपहर 1 बजे की है। चौराहे से गुजर रहे स्थानीय नागरिकों ने जब सड़क के बीचों बीच गौवंश के बछड़े का सिर देखा तो क्षेत्र में हड़कंप मच गया सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्रित हो गए और देखते ही देखते माहौल तनावपूर्ण हो गया घटना की जानकारी फैलते ही सकल हिंदू समाज और विभिन्न हिंदू संगठनों से जुड़े कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए उन्होंने इसे धार्मिक आस्था से जुड़ा गंभीर मामला बताते हुए कड़ी आपत्ति जताई स्थानीय लोगों का कहना है कि यह कृत्य सुनियोजित साजिश के तहत किया गया प्रतीत होता है क्योंकि सिर को जानबूझकर व्यस्त मार्ग के बीचों बीच रखा गया था लोगों का मानना है कि यदि यह किसी जंगली जानवर का काम होता तो अवशेष इस तरह व्यवस्थित रूप से चौराहे पर नहीं पाए जाते घटना के बाद शांति नगर सहित आसपास के इलाकों में दहशत और आक्रोश का माहौल बन गया। व्यापारियों ने कुछ समय के लिए अपने प्रतिष्ठान बंद कर दिए। महिलाओं और बच्चों में भय का वातावरण देखा गया। स्थानीय निवासियों का कहना है कि इस तरह की घटना से सामाजिक सौहार्द पर असर पड़ सकता है और प्रशासन को तुरंत और सख्त कदम उठाने चाहिए सकल हिंदू समाज के प्रतिनिधियों ने मौके पर एकत्र होकर प्रशासन के खिलाफ नाराजगी व्यक्त की। उनका कहना था कि गौवंश हिंदू समाज की आस्था का प्रतीक है और इस प्रकार की घटना को किसी भी स्थिति में सहन नहीं किया जाएगा।

स्थिति को देखते हुए नैनपुर थाना पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस अधिकारियों ने भीड़ को समझाने का प्रयास किया और उन्हें आश्वस्त किया कि मामले की निष्पक्ष और गंभीर जांच की जाएगी पुलिस अधिकारियों ने लोगों से शांति बनाए रखने अपील की काफी समझाइश और बातचीत के बाद सड़क जाम समाप्त कराया गया और यातायात सामान्य हो सका सकल हिंदू समाज ने प्रशासन से क्षेत्र के सभी सीसीटीवी कैमरों की फुटेज तत्काल खंगालने की मांग की है। प्रतिनिधियों का कहना है कि वार्ड क्रमांक 10 और आसपास के क्षेत्रों में कई निजी एवं सार्वजनिक स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं जिनकी जांच से आरोपियों तक पहुंचने में मदद मिल सकती है फॉरेंसिक जांच के लिए अवशेषों को सुरक्षित कर परीक्षण हेतु भेजा गया है ताकि यह स्पष्ट हो सके कि बछड़े की मृत्यु किन परिस्थितियों में हुई और क्या यह हत्या का मामला है या अन्य कोई कारण घटना स्थल पर मौजूद सकल हिंदू समाज के सदस्यों ने बछड़े के सिर और धड़ को सम्मानपूर्वक भगवा गमछे से ढककर श्रद्धांजलि अर्पित की इसके बाद उन्होंने अवशेषों को प्रशासन के सुपुर्द कर दिया इस दौरान धार्मिक मंत्रोच्चार भी किया गया और शांति की प्रार्थना की गई प्रशासनिक अधिकारियों ने भी मौके पर उपस्थित होकर घटना की निंदा की और कहा कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि जांच में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाएगी नैनपुर पुलिस प्रशासन ने प्रेस को जानकारी देते हुए बताया कि घटना की गंभीरता को देखते हुए विशेष टीम गठित की गई है। टीम आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और संदिग्ध गतिविधियों की जांच कर रही है।

टीकाकरण सेवाओं में आएगी पारदर्शिता

मण्डला (स्वतंत्र मत)। पशुपालन और डेयरी विभाग ने पशुपालकों को दी जाने वाली बुनियादी सेवाओं जैसे टीकाकरण और कृत्रिम गर्भाधान को डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़कर और अधिक पारदर्शी बनाने का निर्णय लिया है। इस नई व्यवस्था का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे और सही समय पर पशुपालकों तक पहुँचे अब जब भी पशुपालन विभाग के फील्ड कर्मचारी आपके द्वार पर टीकाकरण या कृत्रिम गर्भाधान सेवाओं के लिए आएंगे, तो वे आपसे आपका आधार कार्ड और मोबाइल नंबर मांग सकते हैं। यह जानकारी डेटाबेस को अपडेट रखने और सेवाओं की ट्रैकिंग के लिए अनिवार्य की गई है इस व्यवस्था से हर पशु का स्वास्थ्य रिकॉर्ड डिजिटल रूप में सुरक्षित रहेगा जिससे समय पर अगले टीके या जांच की जानकारी विभाग और पशुपालक दोनों के पास उपलब्ध होगी सरकार ने पशुपालकों की सुविधा के लिए 1962 मोबाइल ऐप को और अधिक सशक्त बनाया है। किसान इस ऐप के माध्यम अपने पशुओं के टीकाकरण और एआई सेवाओं का विवरण देखना, पशुपालन से जुड़ी नई योजनाओं की जानकारी प्राप्त करना, किसी भी समस्या या बीमारी की स्थिति में विभाग से संपर्क कर सकते हैं।

आरोग्यम शिविर का लिया जायजा

मण्डला (स्वतंत्रमत)। कलेक्टर के निर्देशन में जिलेभर में आयोजित किए जा रहे आरोग्यम जन स्वास्थ्य शिविर की कड़ी में ग्राम पंचायत पायली बाहुर जनपद पंचायत निवास में शिविर का आयोजन किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती शालिनी तिवारी ने इस शिविर का निरीक्षण किया और वहां उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं व व्यवस्थाओं का जायजा लिया। श्रीमती तिवारी ने शिविर में पंजीयन काउंटर, जांच कक्ष और दवा वितरण केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया कि शिविर में आने वाले बच्चों के पोषण स्तर की सूक्ष्मता से जाँच की जाए। चिन्हित कम वजन और कुपोषित बच्चों को तत्काल एनआरसी भेजने या आवश्यक पोषण परामर्श देने के निर्देश दिए गए।

रेल विकास पर 17 को धरना प्रदर्शन

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

रेल सुविधाओं के विस्तार की मांग को लेकर राष्ट्रीय रेल संघर्ष समिति ने एक बार फिर आंदोलन का रास्ता अख्तियार किया है। आगामी 17 फरवरी को प्रस्तावित विशाल धरना प्रदर्शन को सफल बनाने के लिए पूर्व विधायक डॉ. अशोक मर्सकोले ने सभी वर्गों से एकजुट होने का आह्वान किया है। सर्वदलीय और सर्वसामाजिक समर्थन से अपील डॉ. अशोक मर्सकोले ने अपील करते हुए कहा कि रेल विकास किसी एक व्यक्ति या दल का मुद्दा नहीं बल्कि हम सबकी साझा जरूरत है। उन्होंने जिले के सभी राजनैतिक, सामाजिक, व्यापारिक, शैक्षणिक संगठनों के पदाधिकारियों और अधिकारी-कर्मचारी संगठनों से निवेदन किया है कि वे इस आंदोलन में सहभागी बनें।

आंदोलन को व्यवस्थित और प्रभावी बनाने के लिए डॉ. मर्सकोले ने संघर्ष समिति के सदस्यों को विशेष दिशा-निर्देश देते हुए कहां कि प्रतिदिन शाम को प्रतिदिन बैठक आयोजित कर रणनीति तैयार की जाए। सभी समाज प्रमुखों और व्यापारिक बंधुओं से व्यक्तिगत रूप से मिलकर उनका लिखित व नैतिक समर्थन लिया जाए। सोशल मीडिया पर सूचना को व्यापक रूप से प्रसारित किया जाए जिससे जिले का हर नागरिक इस मुहिम से जुड़ सके।

आगामी 17 फरवरी को होने वाला यह प्रदर्शन रेल मंत्रालय का ध्यान मंडला की उपेक्षित रेल परियोजनाओं की ओर खींचने के लिए निर्णायक माना जा रहा है।

खनिज विभाग ने की कार्यवाही

मण्डला (स्वतंत्र मत)। खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भण्डारण पर प्रभावी रोकथाम के लिए कलेक्टर के निर्देशानुसार खनिज विभाग मण्डला द्वारा खनिजों के अवैध उत्खनन, अवैध परिवहन तथा अवैध भण्डारण के विरूद्ध सतत् रूप से कार्यवाहियां की जा रही है। इसी तारतम्य में प्राप्त शिकायतों के आधार पर अंजनिया क्षेत्र में खनिज गिट्टी के अवैध परिवहन में संलिप्त वाहन ट्रेक्टर क्रमांक एमपी 51 एए 8918 को खनिज विभाग द्वारा जप्त किया गया। इस वाहन को शासकीय अभिरक्षा में संबंधित चौकी अंजनिया की सुपुर्दगी में दिया गया। वाहन के विरूद्ध मप्र खनिज अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के प्रावधानों के तहत् प्रकरण दर्ज कर कलेक्टर न्यायालय प्रेषित किया जा रहा है।

छात्रों ने नेट परीक्षा में मारी बाजी मिली बधाईयां

मण्डला (स्वतंत्रमत)।

परीक्षा नेट मे ग्रामीण क्षेत्र के छात्रों ने विषम परिस्थिति से लड़ते हुए अपनी कठिन मेहनत से गुरुजनों का मार्गदर्शन और माता-पिता के आशीर्वाद से विद्यार्थियों ने अच्छे अंकों से उत्तीर्ण किया जिसमें एक होनहार विद्यार्थी ने जेआरएफ फैलोशिप प्राप्त किया और पांच विद्यार्थी ने राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) पासकर लेक्चर के परीक्षा के लिए योग्य हुए राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा एक प्रकार व्यापक और एक कठिन पेपर होता है लाखों विद्यार्थियों परीक्षा में बैठते हैं लेकिन दृढ़ संकल्प लेकर जो कठिन मेहनत और सही दिशा में प्रयास करता है उसे ही सफलता मिलती है पहली बार मंडला के इतिहास में ऐसा देखने को मिला कि एक ही विभाग भूगोल से छः विद्यार्थियों ने यह परीक्षा उत्तीर्ण

किया है छात्रों से उनके सफलता के बारे में मीडिया ने बातचीत की तो यशवंत कोरचे मैने परीक्षा उत्तीर्ण कर जेआरएफ फैलोशिप प्राप्त किया किया है इस सफलता का श्रेय भूगोल विभाग सर डॉक्टर भुनेश्वर टेम्भरे और शिवम सर का मार्गदर्शन मिला कॉलेज प्रशासन पूरा सहयोग मिला अवध मार्को वैसे बहुत विपरीत परिस्थिति तैयारी के बीच आई जुनून हो तो हम कठिन परिस्थितियों में भी सफलता हासिल कर सकते हैं राहुल वरकड़े मैं अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता गुरुजनों को देना चाहता हूं शिवम तराम ने कहा कि प्रारंभ मेरे को लग रहा था कि परीक्षा पास करने के लिए बड़ी-बड़ी कोचिंग का सहारा लेना पड़ेगा नहीं लेकिन आप पूरी मेहनत के साथ पढ़ते हो और शिक्षकों का आशीर्वाद है पेपर अवश्य निकलेगा यशवंत परस्ते मैंने प्रारंभ से ही छोटे से छोटी कॉन्सेप्ट पर ध्यान दिया था और मैने रिवीजन पर विशेष फोकस के साथ बहुत बार टेस्ट लगाया है रेखचंद सठोने मैं ऑनलाइन क्लास से प्रारंभ किया तैयारी लेकिन जब सर लोगों से मार्गदर्शन मिला पढ़ने को मिला मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला और विषय की बारीकी से समाज विकसित हुई।

14 को होगा टीम का ट्रायल

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिला क्रिकेट एसोसिएशन के प्रवक्ता निशांत झा ने बताया कि जिला क्रिकेट एसोसिएशन मंडला ने वर्ष 2025-26 के लिए जबलपुर में होने वाले अंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए सभी आयु वर्ग के पंजीयन प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है साथ ही आने वाले 14 फरवरी को सीनियर बालक वर्ग टी 20 एवं एक दिवसीय बॉयज टीम की चयन प्रक्रिया होनी है। सभी पात्र खिलाड़ी 14 फरवरी तक अपने दस्तावेज समेत कोच बसंत ठाकुर मेकल क्रिकेट अकादमी से संपर्क कर अपनी दस्तावेज जो की डिजिटल जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड व पासपोर्ट साइज फोटो के साथ औपचारिकता पूर्ण कर 14 फरवरी को ट्रायल में उपस्थित हों। ट्रायल स्टेडियम ग्राउंड में सुबह 10 बजे से शुरू होगी। जो खिलाड़ी पहले हुई ट्रायल में उपस्थित हो चुके हैं उनका भी 14 फरवरी को उपस्थित होना अनिवार्य है उनकी अनुपस्थिति उनकीअसहमति मानी जाएगी चयनकर्ता अनिल सोनी, पंकज दुबे, अर्जुन भांडे, फैजान खान, इम्तियाज अली, निशांत झा, ललित जोशी अक्षय चंद्रोल उपस्थित रहेंगे।

सांदीपनि विद्यालय के दो विद्यार्थी चयनित

मण्डला (स्वतंत्र मत)। राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल द्वारा विज्ञान गणित सामाजिक विज्ञान एवं पर्यावरण विषयों के अंतर्गत विभिन्न विधाओं की प्रतियोगिताएं जनशिक्षा केंद्र, ब्लॉक स्तर जिला स्तर तथा संभाग जोन स्तर पर आयोजित की गई। इन प्रतियोगिताओं में विकासखंड मोहगांव अंतर्गत सांदीपनि विद्यालय चाबी के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय एवं जिले का नाम गौरवान्वित किया है विद्यालय की कक्षा सातवीं के छात्रा निधिश शुक्ला ने सेमिनार विषय प्लास्टिक प्रदूषण कम करना एवं

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भाग लेते हुए सेमिनार में प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन ने जिले को द्वितीय स्थान प्राप्त करने में महत्वपूर्ण योगदान मिला इसी प्रकार छात्रा आयुषी प्रजापति कक्षा आठवी ने इतिहास विषय के अंतर्गत सिंधु घाटी सभ्यता पर आकर्षक एवं शोधपरक मॉडल तैयार कर संभाग जोन स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। उनके मॉडल की प्रस्तुति एवं विषय की गहन समझ की सराहना निर्णायकों द्वारा की गई उल्लेखनीय है कि दोनों विद्यार्थियों ने यह उपलब्धि कविंद्र शाह कोकड़े माध्यमिक शिक्षक के मार्गदर्शन में प्राप्त की। प्राचार्य जोधसिंह धुर्वे ने बताया कि इन दोनों प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का चयन राज्य स्तर भोपाल प्रतियोगिता में किया गया है तथा राज्य स्तर की तैयारी प्रारंभ कर दी गई है।

पिट्ठू में आरडीपीजी कॉलेज बना चैंपियन

मण्डला (स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संचालित प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस रानी दुर्गावती शासकीय स्नातकोत्तर महा विद्यालय द्वारा आयोजित जिला स्तरीय पिट्ठू महिला एवं पुरुष प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें महिला एवं पुरुष दोनों वर्गों में रानी दुर्गावती शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय की टीम ने विजेता होने का गौरव हासिल किया। प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि सलमान खान रहे तथा अध्यक्ष के तौर पर महाविद्यालय प्राचार्य डॉक्टर अनिल गुप्ता की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ अध्यापक डॉ. टीपी मिश्रा, डॉ. बी टेमरे, डॉक्टर एस एस ज्योतिषी, डॉ. अनीता झरिया, डॉ. सीमा धुर्वे, डॉ. मुकेश आर्मो, डॉ केल धुर्वे, डॉ. अंकिता बिसेन तथा जिले के वरिष्ठ क्रीड़ा अधिकारी डॉ. विवेक जायसवाल, डॉ. प्रशांत यादव, डॉ. आशीष चतुर्वेदी, डॉ. अनूप परिहार डॉक्टर रवि यादव, डॉ. देवेंद्र बघेल उपस्थित रहे। महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी एवं अंतर्राष्ट्रीय कोच डॉक्टर गुलबहार खान ने दोनों टीमों को अच्छे खेल प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता के समापन के अवसर आयोजन सचिव डॉ गुलबहार खान ने प्रतियोगिता में आए सभी टीमों के खिलाड़ी कोच तथा ऑफिशियल्स का आभार व्यक्त किया।

श्रीमती प्रेमलता नामदेव का निधन

नैनपुर। वार्ड क्रमांक 1 निवासी सुधीर नामदेव, प्रकाश नामदेव, विजय नामदेव एवं बसंत नामदेव के भाई सुशील नामदेव की पत्नी श्रीमती प्रेमलता नामदेव का बुधवार को निधन हो गया। आपकी अंतिम यात्रा मे सामाजिक बन्धुओ , नाते रिश्तेदारो शुभचिंतकों की उपस्थित रही । सभी ने दो मिनट का मोन रख अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित किया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे नागपुर मंडल के नैनपुर रेलवे स्टेशन यार्ड पर आपदा प्रबंधन की तैयारियों के मद्देनजर संयुक्त मॉक अभ्यास सम्पन्न

रेलवे एवं 11वीं राष्ट्रीय आपदा मोचन/ प्रतिक्रिया बल वाराणसी शामिल हुआ

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। रेलवे प्रशासन द्वारा आपदा प्रबंधन की तैयारियों को और अधिक सुदृढ़, संगठित एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से नैनपुर में संयुक्त मॉक अभ्यास किया गया। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मंडल के नैनपुर रेलवे स्टेशन यार्ड में रेलवे एवं 11वीं राष्ट्रीय आपदा मोचन बल एन डी आर एफ, वाराणसी के साथ एक संयुक्त मॉक अभ्यास आपदा प्रबंधन ड्रिल का सफल आयोजन किया गया।

यह मॉक अभ्यास नागपुर मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार गुप्ता की उपस्थिति, मार्गदर्शन एवं निर्देशन में संपन्न हुआ। इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य संभावित रेल दुर्घटना अथवा अन्य आपातकालीन परिस्थितियों के दौरान त्वरित प्रतिक्रिया, राहत एवं बचाव कार्यों की प्रभावशीलता तथा विभिन्न विभागों एवं बाहरी एजेंसियों के मध्य समन्वय का परीक्षण एवं मूल्यांकन करना था।

अभ्यास के अंतर्गत एक काल्पनिक रेल दुर्घटना की स्थिति निर्मित की गई । जिसमें दुर्घटनाग्रस्त रेलगाड़ी से यात्रियों को सुरक्षित निकालने, घायलों को प्राथमिक उपचार प्रदान करने, स्ट्रेचर के माध्यम से उन्हें सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने तथा निकटवर्ती अस्पताल भेजने की संपूर्ण कार्यप्रणाली का वास्तविक परिस्थितियों के अनुरूप अभ्यास किया गया। इसके अतिरिक्त आग लगने की स्थिति, धुएं से बचाव, भीड़ नियंत्रण, सुरक्षा घेरा स्थापित करने एवं राहत दलों के बीच समन्वित संचार व्यवस्था का भी प्रभावी प्रदर्शन किया गया।

इस संयुक्त मॉक अभ्यास में रेलवे के परिचालन, इंजीनियरिंग, यांत्रिक, विद्युत, सिग्नल एवं दूरसंचार, चिकित्सा, वाणिज्य विभाग तथा रेलवे नागरिक सुरक्षा बल (सिविल डिफेंस) और रेलवे सुरक्षा बल इत्यादि विभागो के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। साथ ही 11वीं राष्ट्रीय आपदा मोचन/प्रतिक्रिया बल , वाराणसी की प्रशिक्षित टीम द्वारा आधुनिक उपकरणों एवं तकनीकों के माध्यम से बचाव कार्यों का सफल संचालन किया गया।

मॉक अभ्यास के उपरांत नागपुर मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार गुप्ता ने घटना स्थल का निरीक्षण कर समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों के कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर उन्होंने मीडिया प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि -

रेलवे यात्रियों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। आपदा की स्थिति में त्वरित एवं समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए इस प्रकार के संयुक्त अभ्यास अत्यंत आवश्यक हैं। आज के अभ्यास में रेलवे एवं राष्ट्रीय आपदा मोचन/प्रतिक्रिया बल के बीच उत्कृष्ट तालमेल एवं तत्परता का प्रदर्शन हुआ है। ऐसे अभ्यास हमारी तैयारियों को परखने के साथ-साथ संभावित कमियों की पहचान कर उन्हें दूर करने का अवसर प्रदान करते हैं। नागपुर मंडल भविष्य में भी इस प्रकार के नियमित अभ्यास आयोजित करता रहेगा, ताकि किसी भी आपात स्थिति में यात्रियों को त्वरित एवं सुरक्षित राहत उपलब्ध कराई जा सके। इस अवसर पर नागपुर मंडल के सभी विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी, मीडियाकर्मी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे, जिन्होंने इस मॉक अभ्यास की सराहना की।

रेलवे प्रशासन द्वारा पुनः यह प्रतिबद्धता दोहराई गई कि यात्रियों की सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन की सुदृढ़ व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु इस प्रकार के संयुक्त अभ्यास समय-समय पर आयोजित किए जाते रहेंगे।

कार्यालय ग्राम पंचायत बोरिया जनपद पंचायत मण्डला

क्रमांक/ग्रा.पंचा/201/2026 दिनांक-12-02-2026

// निविदा सूचना //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत बोरिया अंतर्गत सामुदायिक भवन निर्माण कार्य हेतु निम्न सामग्री ईंट, रेत, गिट्टी 20एमएम एवं 40एमएम, मुर्रम, सीमेंट, लोहा 8 एमएम 10 एमएम 12 एमएम, दरवाजा खिड़की, मिक्सर मशीन, टीन शेड, सेंटिंग, पानी टेंकर सहित अन्य सामग्री की आवश्यकता है। अतः इच्छुक सामग्री सप्लायर अपना निविदा पत्र बंद लिफाफा में समय सीमा के अंदर कार्यालय ग्राम पंचायत में स्वयं उपस्थिति होकर या डाक से जमा कर सकते है। शर्ते निविदा अवधि 06 माह के लिये मान्य होगी। सामग्री निर्माण स्थल पर प्रदान करना होगा। सामग्री की गुणवत्ता निरीक्षण के पश्चात् सामग्री क्रय कि जावेगी। जिस सामग्री में रॉयल्टी की आवश्यकता होगी रायल्टी देना अनिवार्य होगा सामग्री का भुगतान जीएसटी बिलो पर देय होगा। निविदा जमा करने की तिथि 14/02/2026 से 16/02/2026 तक लिया जावेगा। निविदा समय सीमा के पश्चात प्राप्त होने पर मान्य नहीं होगी। निविदा पत्र दिनांक 16/02/2026 को पंचायत समिति के समक्ष खोला जावेगा एवं निविदा स्वीकृत एवं आमान्य करने का अधिकार ग्राम पंचायत समिति का निर्णय अन्तिम होगा।

सरपंच
ग्राम पंचायत बोरिया
जनपद पंचायत मण्डला

सचिव
ग्राम पंचायत बोरिया
जनपद पंचायत मण्डला

संपादकीय

भारत का ब्रह्मास्त्र

जब भी भारत के मुक्त व्यापार समझौतों या द्विपक्षीय व्यापार समझौतों की बात होती है, तो सुर्खियों में अक्सर अमेरिका, ब्रिटेन या यूरोपीय यूनियन ही रहते हैं। लेकिन इन बड़े समझौतों के शोर-शराबे से दूर, भारत बहुत ही खामोशी से दक्षिण अमेरिका में एक ऐसी डील को अमलीजामा पहनाने की तैयारी कर रहा है, जो रणनीतिक तौर पर पश्चिमी देशों के साथ होने वाली किसी भी डील से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। यह समझौता है भारत और चिली के बीच। आर्थिक जानकारों के मुताबिक, यह महज एक व्यापारिक सौदा नहीं, बल्कि भविष्य की रिसोर्स वॉर में भारत को सुरक्षित करने की एक बड़ी बिसात है।

अहम सवाल यह है कि आखिर चिली के साथ यह समझौता अमेरिका या यूरोप की डील से अलग और खास क्यों है? दरअसल, यह समझौता बाजार से ज्यादा भविष्य के ईंधन के बारे में है। आज की दुनिया में लिथियम, तांबा, कोबाल्ट और मोलिब्डेनम जैसे क्रिटिकल मिनरल्स (महत्वपूर्ण खनिज) वही हैसियत रखते हैं, जो कभी कच्चे तेल की थी। चिली इन खनिजों का गढ़ है। उसके पास दुनिया के सबसे बड़े लिथियम और तांबे के भंडार हैं। चूंकि भारत इलेक्ट्रिक वाहनों, रिन्यूएबल एनर्जी और इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग में ग्लोबल हब बनना चाहता है, इसलिए इन खनिजों की सप्लाई चेन पर देश की पकड़ होना जरूरी है। यह समझौता भारत को न केवल चिली का एक कमर्शियल पार्टनर बनाएगा, बल्कि एक रणनीतिक पार्टनर भी बनाएगा, जिससे हमारी इंडस्ट्री को कच्चे माल के लिए चीन पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। हालांकि, बातचीत एडवांस्ड स्टेज में है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने हाल ही में पुष्टि की है कि यह समझौता जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा। दोनों देश शून्य से शुरुआत नहीं कर रहे हैं; 2006 से ही हमारे बीच एक तरजीही व्यापार समझौता है। लेकिन, अब जिस व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते पर बात हो रही है, उसका दायरा बहुत बड़ा है। इसमें सिर्फ सामानों का आयात-निर्यात नहीं, बल्कि डिजिटल सेवाएं, निवेश और सबसे महत्वपूर्ण- क्रिटिकल मिनरल्स सेक्टर को खोला जाना शामिल है। दोनों देशों के व्यापार के आंकड़े इस बात का साफ इशारा कर रहे हैं कि भारत को चिली के संसाधनों बहुत अधिक जरूरत है। वित्त वर्ष 2024-25 में चिली से भारत का आयात 72 प्रतिशत बढ़कर 2.60 अरब डॉलर हो गया, जबकि वहां हमारा निर्यात घटकर 1.15 अरब डॉलर रह गया। यह भारी उछाल बताता है कि भारतीय उद्योगों वहां के कच्चे माल की सख्त जरूरत है। मुक्त व्यापार समझौता होने से भारत चिली से केवल कच्चा माल ही नहीं लाएगा, बल्कि वहां अपनी मूल्य वर्धित सेवाओं और वस्तुओं का निर्यात बढ़ाकर इस व्यापार घाटे को कम भी कर सकेगा। चूंकि आज सप्लाई चेन एक हथियार बन चुकी है। वैश्विक राजनीति में जिस तरह सप्लाई चेन को वेपनाइज किया जा रहा है, उसे देखते हुए भारत के लिए रणनीतिक स्वायत्तता बहुत जरूरी है। चिली के साथ यह समझौता भारत को एक डाइवर्सिफाइड और भरोसेमंद सप्लाई बेस देगा। जब बाकी दुनिया लिथियम के लिए संघर्ष कर रही होगी, तब भारत के पास एक सुरक्षित कॉरिडोर होगा। यही वह रणनीति बढ़त है जो साधारण आंखों से छिप जाती है। चिली के साथ होने वाला यह समझौता भले ही टीवी डिबेट्स का हिस्सा न बने, लेकिन यह भारत की मेक इन इंडिया और ग्रीन ट्रांजिशन की रीढ़ साबित हो सकता है।

डिजिटल क्रांति पर साइबर प्रहार गंभीर चुनौती

ललित गर्ग
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

डिजिटल युग ने भारत की अर्थव्यवस्था और सामाजिक जीवन को अभूतपूर्व गति प्रदान की है। मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई, ई-कॉमर्स और ऑनलाइन सेवाओं ने लेन-देन को सरल, त्वरित और पारदर्शी बनाया है। आज एक सामान्य नागरिक भी कुछ सेकंड में देश के किसी भी कोने में धन भेज सकता है, बिल जमा कर सकता है या निवेश कर सकता है। यही डिजिटल क्रांति 'नए भारत' और 'विकसित भारत' की आधारशिला मानी जा रही है। किंतु इसी क्रांति के साथ एक गहरी विडंबना भी उभरकर सामने आई है-डिजिटल धोखाधड़ी और साइबर लूट की भयावह बढ़ोतरी। हजारों करोड़ रुपये की ऑनलाइन ठगी की घटनाएँ न केवल आमजन को आर्थिक रूप से आहत कर रही हैं, बल्कि देश की आर्थिक सुरक्षा और वित्तीय प्रणाली की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगा रही हैं। डिजिटल व्यवस्था की मूल आत्मा 'विश्वास' है। जब कोई व्यक्ति मोबाइल स्क्रीन पर उभरे एक क्यूआर कोड को स्कैन करता है या किसी लिंक पर क्लिक करता है, तो वह केवल तकनीक पर ही नहीं, बल्कि उस संपूर्ण तंत्र पर भरोसा करता है जो उसे सुरक्षित लेन-देन का आश्वासन देता है। किंतु जब यही विश्वास ठगी, फर्जी कॉल, फिशिंग, निवेश घोटालों और पहचान चोरी के कारण टूटने लगता है, तब डिजिटल विकास की पूरी अवधारणा कमजोर पड़ने लगती है। यदि बैंकिंग व्यवस्था में नकली नोटों की भरमार हो जाए तो मुद्रा पर विश्वास डगमगा जाता है, उसी प्रकार यदि डिजिटल लेन-देन में ठगी सामान्य अनुभव बन जाए, तो नागरिक डिजिटल माध्यमों से दूरी बनाने लगते हैं। यह स्थिति केवल व्यक्तिगत हानि का प्रश्न नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आर्थिक ढांचे के लिए भी खतरे की घंटी है। परंपरागत अपराधों और डिजिटल अपराधों की तुलना करें तो दोनों के स्वरूप और प्रभाव में महत्वपूर्ण अंतर दिखाई देता है। पहले चोरी या डकैती किसी सीमित भौगोलिक क्षेत्र तक सीमित होती थी, अपराधी की पहचान अपेक्षाकृत स्पष्ट होती थी और जांच प्रक्रिया स्थानीय स्तर पर संचालित होती थी। डिजिटल अपराधों में अपराधी अदृश्य है, वह किसी दूसरे राज्य या देश में बैठकर वारदात कर सकता है, और कुछ मिनटों में सैकड़ों लोगों को निशाना बना सकता है। पारंपरिक अपराध में जोखिम अपराधी के लिए अधिक था, डिजिटल अपराध में जोखिम कम और लाभ अधिक है। यही असंतुलन इसे अत्यंत खतरनाक बनाता है।

एक अन्य तुलनात्मक पक्ष यह है कि डिजिटल अपराधों में पीड़ित की मनोवैज्ञानिक स्थिति भी अलग होती है। ठगी का शिकार व्यक्ति स्वयं को अपराधी के सामने असहाय पाता है। पुलिस और साइबर क्राइम कार्यालयों के चक्कर लगाने के बाद भी जब उसे तकनीकी कारणों का हवाला देकर लौटा दिया जाता है, तो उसके भीतर व्यवस्था के प्रति गहरा अविश्वास जन्म लेता है। कई मामलों में यह देखा गया है कि शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया जटिल है, समुचित मार्गदर्शन नहीं मिलता, और समय पर कार्रवाई न होने से धन की रिकवरी असंभव हो जाती है। इससे यह धारणा बनती है कि डिजिटल अपराध का कोई वास्तविक दंड नहीं है। सरकार और न्यायपालिका ने समय-समय पर इस समस्या की गंभीरता को स्वीकार किया है। शीर्ष अदालत द्वारा ऑनलाइन धोखाधड़ी को आर्थिक सुरक्षा से जोड़कर देखना इस बात का संकेत है कि यह केवल व्यक्तिगत अपराध नहीं, बल्कि संगठित आर्थिक आक्रमण भी हो सकता है। किंतु नीति-निर्माण और क्रियान्वयन के बीच की दूरी अभी भी बनी हुई है। अनेक प्लेटफार्म और हेल्पलाइन स्थापित किए गए हैं, परंतु उनकी कार्यप्रणाली में त्वरित प्रतिक्रिया, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व की कमी स्पष्ट दिखती है। यदि शिकायत के बाद प्रारंभिक गोल्डन ऑवर्स में ही बैंक खाते फ्रीज करने और ट्रांजैक्शन ट्रैक करने की प्रभावी व्यवस्था न हो, तो बाद की प्रक्रिया औपचारिकता बनकर रह जाती है।

वित्तीय प्रणाली की दृष्टि से देखें तो डिजिटल धोखाधड़ी का बढ़ना निवेश, उपभोग और बैंकिंग व्यवहार पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। यदि आमजन को यह आशंका सताने लगे कि ऑनलाइन निवेश योजनाएँ या भुगतान सुरक्षित नहीं हैं, तो वह नकद लेन-देन की ओर लौट सकता है। यह प्रवृत्ति सरकार की कैशलेस अर्थव्यवस्था की नीति को कमजोर करेगी। इसके अतिरिक्त, विदेशी निवेशकों के लिए भी यह संकेत नकारात्मक हो सकता है कि साइबर सुरक्षा का ढांचा पर्याप्त सुदृढ़ नहीं है। अतः यह केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि आर्थिक नीति का भी केंद्रीय प्रश्न है। समाधान के स्तर पर तुलनात्मक रूप से देखें तो विकसित देशों ने साइबर सुरक्षा को राष्ट्रीय सुरक्षा के दायरे में रखा है। वहाँ विशेषीकृत एजेंसियाँ, उच्च प्रशिक्षित तकनीकी विशेषज्ञ, त्वरित डेटा साझा करने की प्रणाली और सख्त दंडात्मक प्रावधान हैं। भारत में भी साइबर क्राइम ब्यूरो और डिजिटल सुरक्षा तंत्र मौजूद हैं, परंतु उनकी क्षमता, संसाधन और प्रशिक्षण को और अधिक सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता है। स्थानीय पुलिस बल को केवल पारंपरिक अपराधों की नहीं, बल्कि डिजिटल फॉरेंसिक, ब्लॉकचेन ट्रैकिंग और डेटा विश्लेषण की भी विशेषज्ञता दी जानी चाहिए। जब तक जांच एजेंसियाँ तकनीकी रूप से अपराधियों से एक कदम आगे नहीं होंगी, तब तक रोकथाम कठिन रहेगी।

एक महत्वपूर्ण पक्ष नागरिक जागरूकता का भी है। तकनीक जितनी उन्नत होती है, अपराधी भी उतने ही नए तरीके अपनाते हैं। अतः केवल सरकारी तंत्र पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। विद्यालयों, महाविद्यालयों और सामाजिक संगठनों के माध्यम से डिजिटल साक्षरता अभियान चलाना आवश्यक है, ताकि लोग संदिग्ध लिंक, कॉल और निवेश प्रस्तावों से सावधान रहें। किंतु यह भी ध्यान रखना होगा कि जागरूकता का दायित्व पीड़ित पर डालकर व्यवस्था अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकती। सुरक्षा का मूल दायित्व तंत्र का है, नागरिक का नहीं। भ्रष्टाचार और लापरवाही भी इस समस्या को जटिल बनाते हैं। यदि बैंक या भुगतान प्लेटफार्म समय पर कार्रवाई नहीं करते, या आंतरिक मिलीभगत से फर्जी खाते संचालित होते हैं, तो यह केवल तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि संस्थागत विफलता है। इसलिए पारदर्शी ऑडिट प्रणाली, जवाबदेही और कठोर दंड अनिवार्य हैं। डिजिटल प्लेटफार्मों की केवाईसी प्रक्रिया को अधिक कठोर और वास्तविक बनाना होगा, ताकि फर्जी पहचान के माध्यम से खाते खोलना कठिन हो।

अंततः डिजिटल क्रांति का उद्देश्य सुविधा, पारदर्शिता और समृद्धि है। यदि यही क्रांति भय, असुरक्षा और अविश्वास का कारण बनने लगे, तो उसका नैतिक औचित्य कमजोर पड़ जाएगा। भारत जैसे विशाल देश में डिजिटल परिवर्तन को रोकना संभव नहीं, और न ही यह वांछनीय है। किंतु इसे सुरक्षित और विश्वसनीय बनाना अनिवार्य है। सरकार को नीति, तकनीक और प्रशासन-तीनों स्तरों पर समन्वित रणनीति अपनानी होगी। साइबर अपराध के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई, पीड़ितों को समयबद्ध राहत, जांच एजेंसियों का सशक्तीकरण और वित्तीय संस्थानों की जवाबदेही-ये सब मिलकर ही धोखाधड़ी मुक्त डिजिटल परिवेश का निर्माण कर सकते हैं। डिजिटल भारत की सफलता केवल ऐप्स और आंकड़ों से नहीं, बल्कि उस विश्वास से मापी जाएगी जो नागरिक अपने मोबाइल स्क्रीन पर उभरते हर ट्रांजैक्शन संदेश के साथ महसूस करता है। यदि यह विश्वास सुरक्षित रहा, तो डिजिटल क्रांति राष्ट्र को नई ऊँचाइयों पर ले जाएगीय यदि यह टूट गया, तो समृद्धि का सपना भी अधूरा रह जाएगा। अतः समय की मांग है कि डिजिटल धोखाधड़ी को एक राष्ट्रीय चुनौती मानकर उसके समाधान की दिशा में ठोस, निर्णायक और पारदर्शी कदम उठाए जाएँ, ताकि विकसित भारत की आधारशिला मजबूत और अडिग रह सके।

जीवन धाराः सच्चा साधक कभी हार नहीं मानता, कमियों को स्वीकार करना ही सुधार की प्रथम सीढ़ी

देवेश त्रिपाठी

महान कलाकार माइकल एंजेलो के विषय में कहा जाता है कि उन्हें पत्थर की हर अनगढ़ और खुरदरी शिला में भी एक दिव्य प्रतिमा के सजीव दर्शन होते थे। वह मानते थे कि सुंदर स्वरूप पहले से ही पत्थर के भीतर विद्यमान है, कलाकार का कार्य केवल इतना है कि वह अपनी साधना, कुशलता और धैर्य से अनावश्यक अंशों को हटाकर उस छिपी हुई सुंदरता को संसार के सामने प्रकट कर दे। ठीक इसी प्रकार, प्रत्येक मनुष्य के अंतरतम में भी एक अलौकिक मूर्ति विराजमान है। वह पूर्ण है, प्रकाशमय है, किंतु उसे प्रकट करने के लिए अटूट विश्वास, असीम धैर्य और निरंतर आत्मसाधना की आवश्यकता होती है। दोष, दुर्बलता, स्वार्थ-ये सब उसी पत्थर के अनावश्यक टुकड़े हैं, जिन्हें तराशना अनिवार्य है। जब इन्सान के भीतर का प्रेम निष्कलंक, निर्मल तथा निःस्वार्थ हो जाता है, तभी उस दिव्य स्वरूप की झलक मिलती है। मानव हृदय अनेक विकारों, वासनाओं और सांसारिक मोहमाया से घिरा रहता है, परंतु उसमें ईश्वर का अमर प्रेम शाश्वत रूप से निवास करता है। इसका अनुभव करने तथा उसे जीवन में उतारने के लिए मनुष्य को अपने मन व बुद्धि पर नियंत्रण स्थापित करना जरूरी है। जो साधक इस ईश्वरीय प्रेम को पाने का निश्चय करता है, उसे कठिन परीक्षाओं से गुजरना ही पड़ता है। ये परीक्षाएं बाधा नहीं, बल्कि पात्रता की कसौटी होती हैं।

कई बार हमें ऐसा लगता है कि हमारे प्रयास व्यर्थ हो रहे हैं। कभी अधीरता हमें विचलित कर देती है, तो कभी लक्ष्य समीप प्रतीत होते ही सब कुछ बिखरता हुआ प्रतीत होने लगता है। लेकिन सच्चा साधक हार नहीं मानता। वह जानता है कि हर विफलता केवल बाहरी रूप से ही होती है, जो वास्तव में प्रगति की एक मजबूत सीढ़ी है। अपनी कमियों को स्वीकार करना ही सुधार की प्रथम सीढ़ी है। आत्मनिरीक्षण के माध्यम से हम पहचान पाते हैं कि किन दोषों को त्यागकर हमें अपने भीतर की दिव्यता के और निकट पहुंचना है। जैसे-जैसे स्वार्थ का अंधकार कम होता है, वैसे-वैसे निःस्वार्थ प्रेम का प्रकाश अपने आप फैलने लगता है। जब आप अनुभव करें कि आपके भीतर धैर्य गहरा हो रहा है, शांति स्थिर हो रही है, चिड़चिड़ापन और कटुता का अंत हो रहा है, तथा पूर्वाग्रह और अनियंत्रित इच्छाएं धीरे-धीरे समाप्त हो रही हैं, तब समझिए कि आपकी साधना एक सही दिशा में अग्रसर है। अंततः यही आत्मसाधना मनुष्य को तुच्छ सीमाओं से उठाकर पूर्णता के शिखर तक पहुंचाती है। तब वह स्वयं उस दिव्य प्रतिमा के समान तेजस्वी, संतुलित और प्रकाशमान हो उठता है, जिसे वह जीवनभर तराशता रहा था।

वाह प्रभु : मौन आत्मा अंतरयात्रा की वाणी

पुस्तक समीक्षा/सुबोध दुबे

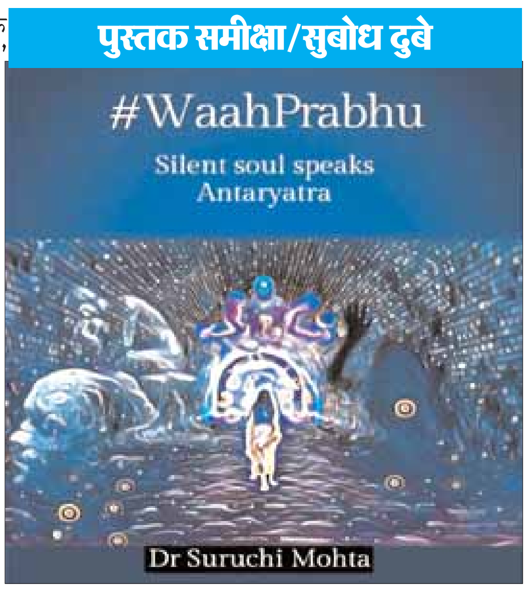

डॉ. सुरुचि मोहता की पुस्तक 'वाह प्रभु: मौन आत्मा अंतरयात्रा' एक आध्यात्मिक और दार्शनिक रचना है जो सरल और सुलभ शैली में ज्ञान और अंतर्दृष्टि प्रदान करती है। इसे आश्चर्य और विस्मय का मिश्रण बताया गया है, जिसका उद्देश्य पाठक के लिए आध्यात्मिक ज्ञान तक पहुंच को आसान बनाना है। अध्यात्म का अर्थ समझने व जीवन में उतारने के लिए यह पुस्तक अवश्य पढ़ें। किस तरह से अध्यात्म धर्म, कर्म, योग, साधना से जुड़ा हुआ है। हमें यह समझने की जरूरत है कि अध्यात्म का हमारे जीवन में कितनी अहम भूमिका निभाता है। हमारे पूर्वजों और ऋषि मुनियों व वेद पुराणों, उपनिषद ने यह हमारे एक अनमोल विरासत छोड़ी है, जिसके बिना एक सफलतापूर्वक और सुखद जीवन जीने की कल्पना भी नहीं कर सकते हैं। अध्यात्म ईश्वर की समीपता का आभास है जब हमारा मन इधर-उधर भटकने लगता है तब अध्यात्म ही उसे एकाग्रचित कर सन्मार्ग की ओर ले जाता है और तब मनुष्य को शील, शांति की प्राप्ति होती है। लेकिन धर्म और अध्यात्म का अर्थ अलग है। अध्यात्म तो आन्तिरिक ज्ञान से होता है और धर्म का संबंध बाहरी जगत से होता है। मनुष्य जब अध्यात्म को अपना लेता है तो वह अध्यात्मिक हो जाता है।

'वाह प्रभु' पुस्तक का केंद्र बिंदु आत्मनिरीक्षण और आंतरिक यात्रा है, जो आध्यात्मिकता और आत्म-खोज पर एक व्यक्तिगत और सरल दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है। लेखिका की लेखन शैली की सहजता और प्रवाह के लिए प्रशंसा की जाती है, जो उनके व्यक्तित्व को प्रतिबिंबित करती है और जटिल विचारों को सहजता से समझने योग्य बनाती है।

अपनी तरह की यह अनूठी रचना छोटी-छोटी प्रेम कहानियों का संग्रह है। इन काव्यात्मक रचनाओं के दो पात्र हमारे भीतर विद्यमान दो ऊर्जाओं का प्रतीक हैं। यह प्रेमपूर्ण संवाद 'प्रेरित' और 'प्रेरणा' के बीच घटित हो रहा है। ये छोटी-छोटी कहानियाँ व्यावसायिक रणनीतियों के साथ-साथ संगीत अवधारणाओं, आधुनिक भाषा के साथ-साथ संत कविताओं, अवसाद के साथ-साथ प्रेरणा के बारे में भी बात करती हैं। विभिन्न आयामों और अनुभवजन्य समझ के स्तरों में विद्यमान, ये रोजमर्रा के विचार और अवलोकन हैं जो कभी-कभी आलस्यपूर्वक हमारे जीवन के सामान्य रास्तों में घूमते हैं, या हमारी नश्वर, फिर भी अमर अस्तित्व की समझ में एक पल के लिए हमारे सामने आ जाते हैं। सभी बुक लवर्स को यह ज़रूर पढ़नी चाहिए। डॉ. सुरुचि मेहता का टैलेंट और रचनाशीलता इस किताब में बहुत अच्छे से सामने आई है। काव्यनुमा भाषा, साहित्य, स्पिरिचुअलिटी, सब कुछ छोटी कहानियों के रूप में एक शानदार किताब है और एक बार पढ़ने के बजाय 'वाह प्रभु' हमेशा के लिए याद रखने लायक है।

डॉ. सुरुचि मोहता

डॉ. मोहता एक म्यूजिशियन, उद्यमी और स्कॉलर हैं, जिन्हें शुरू से ही म्यूजिक और कल्चर का शौक रहा है। पद्मा बिनानी फाउंडेशन की क्रिएटिव डायरेक्टर के तौर पर उन्होंने म्यूजिक एल्बम के लिए कंपोज किया, डायरेक्ट किया और गाया, जिन्हें बहुत तारीफ मिली। अपने वेंचर सप्तम स्वर के साथ, उन्होंने दुनिया भर में इवेंट्स और शादियों को प्रोड्यूस किया है। उन्हें अष्टनायिका में उनकी रिसर्च के लिए श्रीमती नाथीबाई दामोदर ठाकरसी महिला विश्वविद्यालय मुंबई से डॉक्टरेट की डिग्री मिली है, जो भारतीय क्लासिकल म्यूजिक और साहित्यिक परंपरा में दिखाई देने वाले मूल प्रतिरूप हैं।

एआई के खतरों से सावधान रहें

अजय कुमार

पिछले एक दशक के दौरान दुनिया जितनी तेजी से बदली है, उसे देखते हुए अगले दस-बीस वर्षों के संभावित परिवर्तनों की थाह लेना आवश्यक हो गया है। मानव इतिहास के अधिकांश दौर में अभाव जैसे पहलू ने ही सभ्यताओं का तानाबाना रचा है। फिर चाहे यह खानपान का अभाव हो, जमीन, श्रम, पूंजी या कालांतर में ज्ञान का। हमारे आर्थिक सिद्धांतों का उद्भव एवं राजनीतिक संस्थानों का विकास भी अभाव प्रबंधन पर केंद्रित रहा। मशीनी कौशल यानी एआइ में इस पारंपरिक परिदृश्य को पलटने की क्षमता है। यदि बीसवीं सदी अभावों से पार पाने से जुड़ी थी तो आने वाला दशक अधिशेष के साथ संतुलन की चुनौती के नाम हो सकता है। नए परिदृश्य में तकनीक जितनी तेजी से आगे बढ़ रही है, उस लिहाज से हमारी संस्थाएं पिछड़ती जा रही हैं। ऐसे में यह आवश्यक हो जाता है कि उन नीतिगत उपायों पर विचार किया जाए जो एआइ से उत्पन्न उथल-पुथल से निपटने में कारगर साबित हो सकें। पारंपरिक अर्थशास्त्र में उत्पादन के चार प्रमुख कारक-श्रम, पूंजी, भूमि और तकनीक माने गए हैं। तकनीक ने हमेशा श्रम को सहयोग प्रदान किया है। प्रत्येक तकनीकी संक्रमण उत्पादकता एवं पारिश्रमिक बढ़ाने के साथ ही मांग के विस्तार और नई नौकरियों का माध्यम बना है। इससे कुछ असुविधा होती भी थी तो बस तात्कालिक ही न कि स्थायी, मगर एआइ से यह रुझान पलट सकता है। पहली बार तकनीक सीधे तौर पर श्रम को प्रतिस्थापित करती दिख रही है।

प्रकृति और स्वरूप में भी एआइ पिछली तकनीकों की तुलना में अलग है। इसका कोई प्रतिरूप एक बार आकार लेने पर यह सीमांत लागत को शून्य तक करने में सक्षम है। यह स्वाभाविक रूप से एकाधिकार की स्थिति निर्मित करता है। कुछ देशों की चुनिंदा कंपनियों द्वारा विशेष प्रतिरूपों में महारत हासिल करने से यह झलकता भी है। तमाम विश्लेषकों को आशंका सता रही है कि एआइ बड़े स्तर पर हलचल मचा सकती है। यह मानव समाज के संतुलन को भी प्रभावित करने में सक्षम है। आज उत्पादकता और क्षमताएं निरंतर बढ़ रही हैं। वस्तुएं सस्ती हो रही हैं। सेवाओं का स्तर सुधरा है। भौतिक जीवन की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। एआइ को सफलतापूर्वक अपनाने वाले देश तेज आर्थिक वृद्धि कर रहे हैं। स्वास्थ्य सेवाओं में जबरदस्त सुधार हुआ है। जीवन प्रत्याशा बढ़ी है और बीमारियों पर बोझ घट रहा है। जीवन के विस्तार और काम का दायरा सिकुड़ने पर जननांकीय लाभांश अपने अर्थ खो देता है। इस परिदृश्य में विदेश से भेजी जाने वाली धनराशि पर निर्भर राष्ट्र-समाज समस्याओं का सामना करते हैं। तब गरिमा और आजीविका के आधार के रूप में रोजगार का विचार संकट का शिकार होने लगता है।

एआइ की वजह से फर्जी सूचनाओं और तमाम संदिग्ध सामग्री का सैलाब भी संकट बढ़ा रहा है। इससे भरोसे की भावना पर आघात पहुंचा है। सत्य और मिथ्या को लेकर ऐसा जाल बुना जा रहा है कि लोग भ्रमित हो रहे हैं। एआइ पर पकड़ रखने वाले और ताकतवर बनने की राह पर हैं। इसके दम पर नव-धनकुबेरों का उभार हो रहा है। भू-राजनीतिक संदर्भ में भी एआइ विषमता बढ़ा रही है, क्योंकि आधुनिक तकनीक से वंचित देश स्वतः पिछड़ते जाएंगे। किसी देश की संप्रभुता पर किसी अन्य देश से संचालित हो रहे एलगोरिदम से ग्रहण लग सकता है। इस सबके बावजूद अगर सही नीतिगत उपाय किए जाएं तो एआइ बहुत सकारात्मक परिवर्तन भी कर सकती है। इसके लिए एआइ को तकनीकी उपकरण से अधिक सभ्यतागत शक्ति के रूप में देखना होगा। एआइ का उपयोग मानव की जगह लेने के बजाय उसकी क्षमताओं को बढ़ाने पर केंद्रित होना चाहिए।

एआइ उन तमाम समस्याओं का समाधान करने में सक्षम है, जिसके लिए असाधारण मानवीय प्रयासों की आवश्यकता पड़ती है। जैसे कि बाहरी-अंतरिक्ष में कोई नया मोर्चा खोलना, गहरे समुद्र या पृथ्वी की जटिल परतों के रहस्यों को सुलझाना। इससे कई ग्रहों पर मानवीय जीवन को संभव बनाया जा सकता है। हम प्रकृति को बेहतर तरीके से समझकर उसके कुशल प्रबंधन के मंत्र समझ सकते हैं। तथ्यों एवं सूचनाओं के सत्यापन के लिए भी इसकी सेवा कारगर होगी। यह स्वीकारने में कोई संदेह नहीं कि एआइ कितनी भी क्षमताएं अर्जित कर ले, लेकिन उसका प्यार, देखभाल, समानुभूति और नैतिक दायित्वों जैसी मानवीय भावनाओं से युक्त होना संभव नहीं है। एआइ से मरीज का उपचार भले ही बेहतर हो जाए, लेकिन प्यार-दुलार और देखभाल प्रियजनों से ही संभव है। हमें समझना होगा कि एआइ कोई प्रतिस्पर्धी लाभ नहीं, बल्कि एक साझा दायित्व है। वसुधैव कुटुंबकम् का भारतीय विचार अब दर्शन के दायरे से निकलकर अस्तित्व की रणनीति का हिस्सा बन चुका है। ऐसे में, भारत अपनी सभ्यतागत गहराई और विश्वसनीयता के माध्यम से नए शासकीय ढांचों के लिए वैश्विक एआइ मानदंडों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

अध्यक्ष और लोकसभा सांसद

आदित्य कुमार चौपड़ा
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

लोकसभा में इसके अध्यक्ष श्री ओम बिरला के विरुद्ध विपक्षी सांसदों ने उन्हें पद से हटाये जाने की अनुरोध सूचना सदन के महासचिव को सौंप दी है जिस पर 118 सांसदों के हस्ताक्षर हैं अतः अब आगे की कार्रवाई के लिए सदन के नियमानुसार प्रक्रिया चलेगी और इस अविश्वास प्रस्ताव पर सदन के भीतर चर्चा कराई जायेगी । अभी तक जो सूचना मिल रही है उसके अनुसार चालू बजट सत्र के दूसरे चरण के शुरू होने पर इस प्रस्ताव पर 9 मार्च को सदन में बहस कराई जायेगी जिसके बाद मतदान होगा, जिसमें प्रस्ताव के स्वीकृत या होने का फैसला हो जायेगा। मगर एक समस्या यह खड़ी हो सकती है कि सदन में फिलहाल कोई भी उपाध्यक्ष नहीं है। लोकसभा में उपाध्यक्ष पद पिछली लोकसभा से ही खाली पड़ा हुआ है। इस पद को पिछली लोकसभा में भी भरने की आवश्यकता महसूस नहीं की गई थी और 2024 में नई लोकसभा के गठन के बाद भी इसे अभी तक नहीं भरा गया है जबकि उपाध्यक्ष का पद भी पूरी तरह संवैधानिक पद होता है और इसके पास भी अध्यक्ष के समान ही सदन को चलाने के लिए पूरे अख्तियार होते हैं मगर इस पद को भरे जाने की जिम्मेदारी अध्यक्ष पर ही होती है क्योंकि संविधान के अनुसार वह ही इस पद के चुनाव की घोषणा व अधिसूचना जारी करते हैं।

सदन की यह भी परंपरा रही है कि उपाध्यक्ष पद विपक्षी सदस्यों में से किसी एक को दिया जाता है जिससे सदन की कार्यवाही पूरी तरह निष्पक्ष होकर चलती दिखे व आसन पर सत्ता व विपक्ष दोनों की तरफ के सदस्यों का विश्वास अडिग रहे। इसकी मूल वजह यह है चूंकि अध्यक्ष पारंपरिक रूप से सत्ता पक्ष के ही बनते हैं अतः उपाध्यक्ष पद विपक्ष को देकर सदन में सन्तुलन बनाकर रखा जाये जिससे अध्यक्ष का आसन सही मायनों में विक्रमादित्य का आसन समझा जा सके। परन्तु हम जानते हैं कि वर्तमान समय की कर्कश राजनीति में परम्पराएं टूट रही हैं। संसद में सत्ता पक्ष व विपक्ष दोनों दुश्मनों जैसा व्यवहार कर रहे हैं। यह स्थिति संसदीय लोकतन्त्र के लिए बहुत अप्रिय है मगर राजनीतिक तौर पर इसका औचित्य दोनों ही तरफ से ढूंढा जा रहा है। अब सवाल यह है कि सदन में उपाध्यक्ष के न होने से श्री बिरला को पद से हटाये जाने की बहस के दौरान बैठकों की सदारत कौन करेगा। वैसे तो सदन में अध्यक्ष की अनुपस्थिति में सभा की अध्यक्षता करने के लिए सभापतियों का एक पूरा पैनल है। जाहिर है कि प्रस्ताव की सुनवाई के दौरान इन्हीं में से किसी वरिष्ठतम सदस्य का चुनाव होगा। मगर सदन में इससे पूर्व ऐसा कोई उदाहरण नहीं है अतः सदन की संवैधानिक नियमावली के अनुसार ही कोई न कोई रास्ता निकाला जायेगा। वैसे इस अवसर पर लोकसभा के प्रथम अध्यक्ष स्व. जी.वी. मावलंकर के उस कथन की तरफ ध्यान दिये जाने की जरूरत है जिसमें उन्होंने कहा था कि हमारी संसद में एक दिन वह भी आ सकता है जब इसके अध्यक्ष पर सदन से बाहर के किसी निष्पक्ष व्यक्ति को बैठाने की मांग होने लगे। स्व. मावलंकर ने ये शब्द एक संसदीय प्रणाली पर आयोजित समारोह में ही व्यक्त किया थे। स्वयं उनके विरुद्ध ही 1954 में लोकसभा में उन्हें पद से हटाने का प्रस्ताव लाया गया था क्योंकि विपक्ष के कुछ सांसदों का आरोप था कि अध्यक्ष उनके साथ न्याय नहीं कर रहे हैं। बेशक वह प्रस्ताव भारी मतों से गिर गया था मगर उस पर सदन में खुलकर बहस हुई थी और विपक्षी सांसदों ने अपनी बातें बेबाक होकर कहीं थीं। जबकि स्व. मावलंकर लोकसभा अध्यक्ष के पद को पूरी तरह सरकार से निरपेक्ष बनाये रखने के उत्प्रेरक थे और उन्हीं के प्रयासों से अध्यक्ष का पृथक सचिवालय स्थापित हुआ था जिससे अध्यक्ष को किसी भी बात पर सरकार पर निर्भर न रहना पड़े और वह सदन के भीतर सभी पक्षों के सदस्यों के साथ पूर्ण न्याय कर सकें और सदन के भीतर प्रत्येक सदस्य के अधिकारों का संरक्षण निर्भय होकर बिना किसी राग-द्वेष के कर सकें।

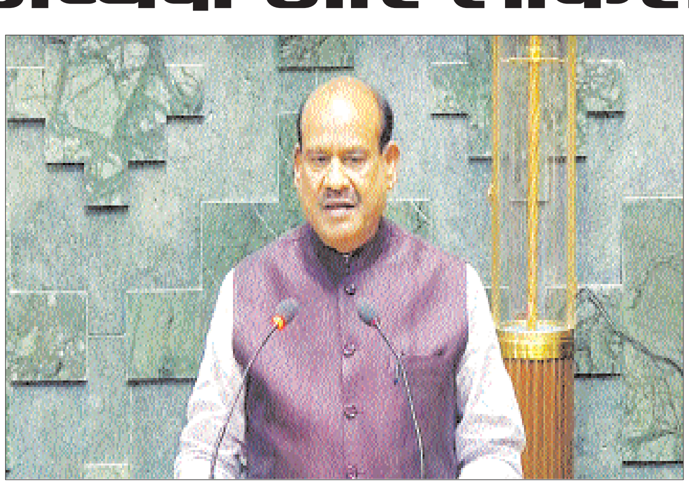

अध्यक्ष के खिलाफ जब उन्हें पद से हटाये जाने का प्रस्ताव सदन में स्वीकृत हो जाता है और उस पर बहस शुरू हो जाती है तो अध्यक्ष अपने आसन पर नहीं बैठ सकते और उन्हें सामान्य सांसदों के साथ ही बैठना पड़ता है। वह प्रस्ताव पर होने वाली बहस में भी हिस्सा नहीं ले सकते क्योंकि बहस का विषय उन्हीं का आचरण होता है और न ही मतदान में भाग ले सकते हैं। अतः श्री बिरला का यह निर्णय समायोचित है कि उन्होंने प्रस्ताव पर फैसला हो जाने तक सदन में न आने की मंशा जाहिर की है लेकिन विपक्ष को भी यह विचार करना चाहिए कि जब अध्यक्ष के विरुद्ध वह प्रस्ताव लाता है तो लोकतन्त्र के लिए उसके मायने बहुत गंभीर होते हैं। बेशक हमने अध्यक्ष के चुनाव की सर्वसम्मत परम्परा को तिलांजिली दे दी है मगर उस पद की मर्यादा को कायम रखने का दायित्व सभी पक्षों का बनता है। मर्यादा तो यह भी कहती थी कि जब अध्यक्ष श्री बिरला ने विपक्ष के नेता श्री राहुल गांधी को अवकाश प्राप्त जनरल नरवणे की पुस्तक का हवाला न दिये जाने पर अपना अन्तिम फैसला दे दिया था तो वह इसका जिक्र अपने भाषण में न करते और राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर अपनी बात को दूसरी तरह से कहते। मगर उन्होंने ऐसा करने का कोई प्रयास नहीं किया और अपनी जिद पर अड़े रहे। लोकतन्त्र कभी भी 'जिद' से नहीं चलता है, बल्कि यह 'जहन' से चलता है। वक्त का तकाजा था कि विपक्ष के नेता कोई ऐसा बीच का रास्ता निकालते जिससे राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर वह अपनी बात बिना किताब का सन्दर्भ दिये ही कह पाते लेकिन दुर्भाग्य से ऐसा संभव नहीं हो सका और सत्ता पक्ष भी जिद पर अड़ गया, जिसकी वजह से आज ये हालात बने। अब लोकसभा से यही उम्मीद की जानी चाहिए कि अविश्वास प्रस्ताव पर जब आगामी 9 मार्च को सदन में बहस हो तो पूरी तरह शान्त और गरिमामयी वातावरण में हो।

मगर इसमें अभी बहुत समय बाकी है और इस दौरान राजनीति क्या-क्या रंग लायेगी, कोई कुछ नहीं कह सकता क्योंकि देश के पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों की घोषणा भी होनी है।

पांडवों के वनवास और द्रोणाचार्य की तपोस्थली से जुड़ा आस्था का केंद्र है पातालेश्वर मंदिर

कालपी, (वार्ता)

उत्तर प्रदेश के जालौन जिले मं स्थित कालपी नगर अपनी ऐतिहासिक, पौराणिक और सांस्कृतिक विरासत के लिए प्राचीन काल से प्रसिद्ध रहा है। यमुना नदी के दक्षिणी तट पर बसा यह नगर विशाल किले के साथ-साथ धार्मिक स्थलों के कारण भी विशेष पहचान रखता है। इन्हीं स्थलों में कालपी किले के पश्चिमी भाग में स्थित पातालेश्वर मंदिर एक महत्वपूर्ण शिवालय है, जिसकी मान्यता महाभारत काल से जुड़ी बताई जाती है।

वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. हरी मोहन पुरवार के अनुसार पांडवों ने वनवास काल के दौरान कालपी क्षेत्र में कुछ समय व्यतीत किया था। क्षेत्र में महाभारत काल से जुड़े कई स्थलों की उपस्थिति इसे ऐतिहासिक एवं पौराणिक दृष्टि से महत्वपूर्ण बनाती है। पातालेश्वर मंदिर को भी उसी कालखंड से जोड़कर देखा जाता है। नगर के गिरि (हरिगंज) मोहल्ले में कालपी किले के समीप स्थित यह प्राचीन शिवालय शांत एवं शीतल वातावरण के लिए जाना जाता है। किले के आसपास निर्मित यह एकमात्र शिव मंदिर माना जाता है। मंदिर परिसर का वातावरण अत्यंत शांतिपूर्ण है, जिससे श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक अनुभूति होती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार यह मंदिर पांच हजार वर्ष से अधिक प्राचीन बताया जाता है। द्वापर युग में इस शिवलिंग को 'मणिकेश्वर महादेव' के नाम से जाना जाता था। मंदिर परिसर में लगे सूचना पट्ट पर भी इसका प्राचीन नाम मणिकेश्वर अंकित है। शिव पुराण में 'मणिकेश्वर' नाम भगवान शिव के सहस्त्र नामों में उल्लिखित होने की बात कही जाती है।

स्थानीय मान्यता है कि किले के निर्माण के समय शिवलिंग की गहराई और धरातल से नीचे की ओर जाते स्वरूप के कारण इसका नाम पातालेश्वर पड़ गया। लोगों का विश्वास है कि यह स्वयंभू शिवलिंग है और इसकी गहराई का आज तक सही अनुमान नहीं लगाया जा सका है। एक अन्य कथा के अनुसार कौरवों और पांडवों के गुरु द्रोणाचार्य ने पुत्र प्राप्ति की कामना से इसी शिवलिंग की कठोर तपस्या की थी। भगवान शिव के प्रसन्न होने पर उन्हें पुत्र प्राप्ति का वरदान मिला और आगे चलकर उनके पुत्र का नाम अश्वत्थामा रखा गया। जनश्रुति के अनुसार अश्वत्थामा को भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त था। इतिहासकारों का मत है कि मंदिर की वर्तमान स्थापत्य शैली मराठा काल से संबंधित प्रतीत होती है। मराठा शासनकाल में इसका जीर्णोद्धार कराया गया था। मंदिर के पीछे एक नाग मंदिर स्थित है, जिस पर प्राचीन शिलालेख अंकित है, हालांकि वह अब अपठनीय हो चुका है। मंदिर के सामने सीताराम जी का एक मठ भी है, जो क्षेत्र की धार्मिक परंपरा को दर्शाता है। भौगोलिक दृष्टि से मंदिर चंदेलकालीन कालपी किले के अवशेषों के निकट स्थित है और किले से इसकी दूरी लगभग 200 मीटर बताई जाती है। इतिहासकारों के अनुसार किसी भी दुर्ग के समीप धार्मिक स्थल का होना उस काल की परंपरा का हिस्सा था, जिससे पातालेश्वर मंदिर के प्राचीन महत्व का संकेत मिलता है। वर्तमान में भी पातालेश्वर मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बना हुआ है। सावन, महाशिवरात्रि और अन्य धार्मिक अवसरों पर यहां बड़ी संख्या में भक्त दर्शन के लिए पहुंचते हैं। यह स्थल धार्मिक महत्व के साथ-साथ ऐतिहासिक एवं पौरातात्विक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जाता है।

एपस्टीन फाइलों पर घिरीं अमेरिकी अटॉर्नी जनरल, पीड़ितों के प्रति जताई संवेदना, लेकिन माफी मांगने से इन्कार

नई दिल्ली

अमेरिकी अटॉर्नी जनरल पाम बोंडी ने एपस्टीन फाइलों के प्रबंधन और व्हाइट हाउस में उनके वितरण को लेकर सदन की न्यायपालिका समिति के सामने गवाही दी। इस दौरान अमेरिकी अटॉर्नी जनरल ने एपस्टीन पीड़ितों के प्रत संवेदना व्यक्त करते हुए माफी मांगी है।

दरअसल, अटॉर्नी जनरल पाम बोंडी ने बुधवार को राष्ट्रपति ट्रंप का बचाव किया। अटॉर्नी जनरल ने न्याय विभाग द्वारा जेफरी एपस्टीन फाइलों के प्रबंधन की लगातार आलोचना से ध्यान हटाने की कोशिश की। उन्होंने टंप्र प्रशासन की प्रशंसा करते हुए अपने को ऐसे राष्ट्रपति के साथ एकजुट बताया, जिन्हें उन्होंने पिछले महाभियोगों और जांचों का शिकार बताया।

न्यायपालिका समिति के सांसदों से अटॉर्नी जनरल पाम बोंडी ने कहा, आप यहां बैठकर राष्ट्रपति पर हमला करेंगे तो मैं इसे बर्दाश्त नहीं करूंगा।

ज्ञात हो कि रिपब्लिकन अमेरिकी सांसद थामस मैसी ने

बुधवार को अटार्नी जनरल पाम बोंडी पर यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन के प्रभावशाली सहयोगियों का नाम छिपाने का आरोप लगाया। उन्होंने यह आरोप तब लगाया, जब प्रतिनिधि सभा की एक समिति के समक्ष सुनवाई के दौरान न्याय विभाग द्वारा फाइलों को लेकर उनसे सवाल किए गए।

फाइलों को जारी करवाने के प्रयास का नेतृत्व करने वाले केंटुकी के रिपब्लिकन सांसद थामस मैसी ने न्याय विभाग पर कानून का पालन करने में भारी लापरवाही का आरोप लगाया। उन्होंने सवाल किया कि यौन तस्करी मामले की जांच में संभावित सह-साजिशकर्ताओं की सूची वाले एफबीआइ दस्तावेज में अरबपति लेस्ली वेक्सनर का नाम क्यों हटा दिया गया था।

अटॉर्नी जनरल पाम बोंडी ने कहा कि विभाग द्वारा जारी की गई अन्य फाइलों में वेक्सनर का नाम कई बार आया था और न्याय विभाग ने मैसी द्वारा इसे देखे जाने के 40 मिनट के भीतर दस्तावेज से उनका नाम हटा दिया था।

एपी के अनुसार, पाम बोंडी ने सुनवाई के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का जोरदार बचाव किया। वह बार-बार डेमोक्रेट्स पर चिल्लाईं, जिसमें उन्होंने खुद को रिपब्लिकन के मुख्य रक्षक के रूप में पेश किया। उन्होंने एपस्टीन फाइलों से निपटने के न्याय विभाग के तरीके की लगातार हो रही आलोचनाओं को शांत करने की कोशिश की।

पाम बोंडी ने एपस्टीन पीड़ितों से कहा कि वे अपने साथ हुए दुर्व्यवहार के बारे में किसी भी जानकारी के साथ कानून प्रवर्तन एजेंसियों के सामने आएं और उन्होंने पीड़ितों को हुए कष्टों के लिए गहरा खेद व्यक्त किया। उन्होंने पीड़ितों से कहा कि आपराधिक दुराचार के किसी भी आरोप को गंभीरता से लिया जाएगा और उसकी जांच की जाएगी। लेकिन जब सांसद प्रमिला जयपाल ने उन पर दबाव डाला कि वे दर्शकों में मौजूद एपस्टीन पीड़ितों की ओर मुड़ें और ट्रंप के न्याय विभाग द्वारा उन पर किए गए अत्याचारों के लिए माफी मांगें, तो उन्होंने इनकार कर दिया और डेमोक्रेट पर नाटक करने का आरोप लगाया।

तुर्किए की संसद बन गई अखाड़ा राष्ट्रपति एर्दोगन के मंत्री के शपथ से नाराज सांसदों का बवाल

नई दिल्ली। तुर्किए की संसद में बुधवार को मारपीट की नौबत आ गई। सदन में ही लात-घुसे चलने लगे और पूरे सदन में अफरा-तफरी मच गया। यह सब इसलिए हुआ क्योंकि राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप एर्दोगन ने विवादास्पद व्यक्ति अकिन गुरलेक को न्याय मंत्री नियुक्त किया था। इसी से नाराज विपक्षी सांसदों ने गुरलेक को शपथ दिलाने से रोकने की कोशिश की। इसके बाद सत्ताधारी पार्टी के सदस्यों ने उन्हें घेर लिया और झड़प शुरू हो गई।वीडियो फुटेज में साफ दिख रहा है कि सांसद एक-दूसरे को धक्का दे रहे थे, मुक्के मार रहे थे और कुछ ने पैर से मारा। सदन में हंगामा इतना बढ़ गया कि स्पीकर को बैठक 15 मिनट के लिए स्थगित करनी पड़ी। ब्रेक के बाद गुरलेक को सत्ताधारी पार्टी के सांसदों के घेरे में रखकर शपथ दिलाई गई। यह तनाव तब भड़की जब विपक्षी सांसद, खासकर मुख्य विपक्षी पार्टी रिपब्लिकन पीपुल्स पार्टी (सीएचपी) के सदस्य, पोडियम के पास इकट्ठा हो गए और गुरलेक को शपथ लेने से रोकने की कोशिश की। सत्ताधारी जस्टिस एंड डेवलपमेंट पार्टी (एके पार्टी) के सांसदों ने तुरंत आगे बढ़कर अपने नामित मंत्री की रक्षा की। धक्का-मुक्की से बात शुरू हुई और जल्द ही मुक्केबाजी में बदल गई।

ईरान के साथ बातचीत जारी रहेगी : ट्रंप

वॉशिंगटन,(वार्ता)

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता इस बात की संभावनाओं का पता लगाने के लिये जारी रहेगी कि क्या परमाणु हथियारों को लेकर कोई समझौता किया जा सकता है। यह बयान उन्होंने व्हाइट हाउस में इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ बंद कमरे में हुई बैठक के तुरंत बाद दिया।

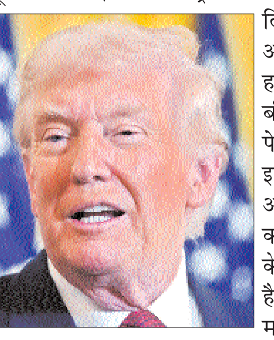

श्री ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर पोस्ट में कहा, मैंने अभी-अभी इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू और उनके प्रतिनिधियों से मुलाकात पूरी की है। ईरान के साथ वार्ता जारी रखने के अलावा कोई निर्णायक सहमति नहीं बनी, ताकि यह देखा जा सके कि कोई समझौता संभव है या नहीं। यदि समझौता हो सकता है, तो मैंने प्रधानमंत्री को बताया कि यही मेरी प्राथमिकता होगी। यदि ऐसा नहीं हो पाता, तो हमें देखना होगा कि आगे क्या परिणाम निकलता है।

उन्होंने कहा कि बैठक में गाजा और पूरे क्षेत्र में हो रही प्रगति पर भी चर्चा हुई। श्री नेतन्याहू बुधवार सुबह व्हाइट हाउस के दक्षिणी लॉन से होते हुए पहुंचे और बिना किसी संवाददाता सम्मेलन या आधिकारिक बयान के रवाना हो गये। दोनों नेताओं के बीच यह श्री ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के दौरान सातवीं मुलाकात थी, जो करीब तीन घंटे तक चली।

बैठक से पहले श्री नेतन्याहू ने अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो से मुलाकात की और औपचारिक रूप से शांति बोर्ड का सदस्य बनने पर सहमति दी, जिसे इजरायली संसद में विवादास्पद पहल बताया जा रहा है। अमेरिका रवाना होने से पहले श्री नेतन्याहू ने कहा था कि वह राष्ट्रपति ट्रंप के समक्ष ईरान से वार्ता के सिद्धांतों को रखेंगे, जो न केवल इजरायल बल्कि पश्चिम एशिया में शांति और सुरक्षा चाहने वालों के लिए अहम हैं। श्री नेतन्याहू के कार्यालय के अनुसार, वह चाहते हैं कि वार्ता में ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम पर सीमाएं लगायी जाएं और हमास तथा हिजबुल्लाह जैसे संगठनों से उसके संबंधों में कटौती शामिल हो।

श्री ट्रंप ने मंगलवार को फॉक्स बिजनेस नेटवर्क को दिए साक्षात्कार में कहा था, समझौता अच्छा होना चाहिए। कोई परमाणु हथियार नहीं, कोई मिसाइल नहीं। इस बीच, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने तेहरान में 1979 की इस्लामी क्रांति की 47वीं वर्षगांठ के अवसर पर कहा कि पश्चिम द्वारा खड़ी की गयी अविश्वास की दीवार अमेरिका के साथ परमाणु वार्ता में बाधा बन रही है। उन्होंने दोहराया कि ईरान अत्यधिक मांगों और आक्रामकता के आगे कभी झुकेगा नहीं। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने रूस टुडे से कहा कि उन्हें विश्वास है कि ईरान और अमेरिका जुलाई 2015 में हुए संयुक्त व्यापक कार्ययोजना (जेसीपीओए) से भी बेहतर परमाणु समझौता कर सकते हैं, लेकिन ईरान अपने मिसाइल कार्यक्रम या क्षेत्रीय गठबंधनों पर बातचीत नहीं करेगा।

अमेरिका और ईरान ने शुक्रवार को ओमान की राजधानी मस्कट में अप्रत्यक्ष वार्ता की थी, ऐसे समय में जब दोनों देशों के बीच तनाव बना हुआ है और अमेरिका ने ईरान के पास सैन्य तैनाती बढ़ा दी है। श्री ट्रंप ने मंगलवार को यह भी कहा था कि यदि वार्ता विफल होती है तो वह ईरान के खिलाफ संभावित सैन्य कार्रवाई के लिए पश्चिम एशिया में दूसरा विमानवाहक पोत स्ट्राइक ग्रुप भेजने पर विचार कर रहे हैं।

कनाडा के स्कूल में फायरिंग पर खुलासा मां-भाई की हत्या के बाद ट्रांसजेंडर महिला ने स्कूल में बरसाई गोलियां

नई दिल्ली। कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया स्थित टम्बलर रिज में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। जहां एक 18 साल की ट्रांसजेंडर महिला ने अपनी मां और 11 वर्षीय सौतेले भाई समेत 9 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद उसने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। समाचार एजेंसी एएफपी के अनुसार, पुलिस कमांडर ड्वेन मैकडॉनल्ड के हवाले से बताया कि रूट्सलार एक ट्रांसजेंडर महिला थी। उसने चार साल पहले हाई स्कूल के बाद पढ़ाई छोड़ दी थी। महिला के पास पहले एक आग्नेयास्त्र लाइसेंस था, जिसकी वैधता समाप्त हो गई थी, और हथियार पहले भी उसके आवास से जब्त किए गए थे- लेकिन बाद में लौटा दिए गए थे। रूट्सलार की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी, पुलिस उसकी स्थिति की जांच करने के लिए एक से अधिक बार उसके घर जा चुकी है। प्रांतीय मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम के तहत एक से अधिक बार उसका मूल्यांकन किया गया था मैकडॉनल्ड ने कहा, पुलिस पिछले कई वर्षों में कई बार उस (परिवार के) आवास पर गई थी, ताकि संदिग्ध के मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं से निपटा जा सके। पुलिस ने बताया कि जेसी वैन रूट्सलार ने अपनी मां और सौतेले भाई की हत्या करने के बाद, उस स्कूल के बच्चों पर हमला की, जहां वह चार साल पहले पढ़ती थी। इस हमले में 24 अन्य लोग घायल भी हुए हैं।

नये श्रमिक कानून कामगार विरोधी हैं: विपक्ष

नयी दिल्ली (वार्ता)

लोक सभा में गुरुवार को विपक्षी सदस्यों ने औद्योगिक संबंध संहिता (संशोधन) विधेयक, 2026 को श्रमिकों के हितों के विरुद्ध करार देते हुए कहा कि इस कानून के लागू होने से कामगारों के अधिकारों में और ह्रास होगा। विधेयक को विचार करने तथा पारित किये जाने के लिए सदन में प्रस्तुत किये जाने के बाद इस पर चर्चा की शुरुआत करते हुए कांग्रेस के के. सुरेश ने कहा कि देश भर के श्रमिक अपने अधिकारों की रक्षा के लिए जब गुरुवार को देशव्यापी हड़ताल कर रहे हैं, तब यह संशोधन विधेयक लाया गया है। उन्होंने कहा कि 2020 में पारित की गयीं तीन श्रम संहितायें जल्दबाजी में पारित की गयी थीं, जिनमें श्रमिकों के हितों की तिलांजलि दी गयी थी। अब इस विधेयक के जरिए श्रमिकों के अधिकारों को और कम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 300 तक श्रमिकों-कर्मचारियों वाली कंपनियां, फैक्ट्री और कारखाने सरकार की अनुमति के बगैर बंद किये जा सकेंगे। श्री सुरेश ने कहा कि 90 प्रतिशत कार्यबल असंगठित क्षेत्र में काम करता है, उसकी पेंशन, रोजगार, स्वास्थ्य सुरक्षा का ध्यान कौन रखेगा। महिलाओं की भागीदारी कार्यबल में कम हो रही है। आज कारपोरेट सेक्टर को काफी बढ़ावा दिया जा रहा है। कारपोरेट की मांगें मान ली जाती हैं। श्रमिकों की मांगें ठुकरा दी जा रही हैं। मोदी सरकार श्रमिकों की असुरक्षा को संस्थागत रूप दे रही है। उन्होंने कहा कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार श्रमिकों के हितों में काम करती थी। तत्कालीन सरकार महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून (मनरेगा) लायी थी। संप्रग सरकार सामाजिक न्याय के लिए काम करती थी। आज सार्वजनिक उपक्रम कमजोर हो रहे हैं, उनका निजीकरण किया जा रहा है। अनुबंध पर अधिक कर्मचारी लाये जा रहे हैं। यह विधेयक रोजगार सुरक्षा को क्षति पहुंचाता है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दर्शन सिंह चौधरी ने कहा कि इस विधेयक में पहले के श्रमिकों के जुड़े कानूनों को समेकित करके नयी श्रम संहितायें लायी गयी हैं। इस विधेयक को प्रगतिशील सुधार के रूप में जाना जाना चाहिए। सरकार की मंशा श्रमिक- मालिक के बीच तालमेल के जरिए उद्योगों में तरक्की लाना है। सरकार गैरकानूनी तालाबंदी पर रोक लगाना चाहती है। सरकार के इन कदमों से अर्थव्यवस्था में सुधार लाना है। इस सरकार की ओर से लायी गयीं श्रमिक संहितायें पूरे देश में लागू होंगी। इनके लागू होने से औद्योगिक विवाद सुलझाना जयादा सरल हो जायेगा।

समाजवादी पार्टी के सांसद अफजल अंसारी ने कहा कि 2020 में जब श्रम संहितायें लागू की गयी थीं, तो बड़े-बड़े दावे किये गये थे और अब उनमें संशोधन करना पड़ रहा है। सरकार जब एक मजबूत कानून नहीं बना सकती तो यह श्रमिकों के हितों की बात करेगी, ऐसा सोचना निरर्थक है। उन्होंने कहा कि अब श्रमिकों की छंटनी को आसान कर दिया गया है। ऐसी स्थिति में सरकार के प्रति श्रमिकों में घोर निराशा है। उद्योगों को ढील दी जा रही है। तीन सौ कर्मचारियों वाली कंपनियों-कारखानों में जब चाहे तब कामगारों को नौकरी से निकाला जा सकता है। सरकार को मजदूरों के हितों के बारे में सोचना चाहिए।

तृणमूल कांग्रेस के कल्याण बनर्जी ने कहा कि आज हालत यह हो गयी है कि कंपनियों, फैक्ट्रियों और कारखानों में काम करने वाले कर्मचारियों को मिलने वाली भविष्य निधि की सुविधा को हटा दिया गया है। सरकारी उपक्रमों का निजीकरण किया जा रहा है। संविदा पर कर्मचारी रखे जा रहे हैं। कर्मचारियों की रोजगार सुरक्षा को समाप्त किया जा रहा है। कर्मचारियों को आज इतनी दुश्वारियां पेश आ रही है, जिन्हें सोचा भी नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि हर दिन एक जैसा नहीं होता, एक दिन कामगार इस सरकार को बतायेंगे कि इसने उनके साथ क्या किया था।

श्री बनर्जी ने कहा कि देश में रोजगार न मिलने की हालत यह हो गयी है कि देश के ढाई से तीन करोड़ कर्मचारी रोजी-रोटी के लिए विदेशों में हैं। उन्होंने कहा कि सरकार सिर्फ दो उद्योगपतियों के हितों के लिए काम कर रही है।

तेलुगू देशम पार्टी के अप्पलानायडू कालीसेट्टी ने कहा कि नयी श्रम संहिताओं के माध्यम से असंगठित क्षेत्र मजबूत होगा। महिला कामगारों को सुरक्षा प्रदान की जायेगी। व्यवसाय करने में आसानी होगी। नयी श्रम संहितायें उत्पादकता को बढ़ावा देने वाली हैं। इससे देश की आर्थिक वृद्धि अच्छी होगी। औद्योगिक उत्पादन में तेजी आयेगी। कामगारों को गरिमा प्रदान की गयी है। श्रम कानूनों में पारदर्शिता लायी गयी है। सरकार का उद्देश्य सहकारी संघवाद को सुदृढ़ करना है।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

हाई-ऑक्टेन रिवेंज एक्शन ड्रामा गांधारी के लिए तापसी पन्नू और कनिका ढिल्लों की वापसी

कनिका ढिल्लों और तापसी पन्नू की सुपरहिट जोड़ी एक बार फिर बड़े पर्दे पर आग लगाने को तैयार है। हसीन दिलरुबा फ्रेंचाइज़ी की जबरदस्त सफलता के बाद, अभिनेत्री तापसी पन्नू और लेखिका-निर्माता कनिका ढिल्लों अपनी अगली बड़ी साझेदारी गांधारी के साथ एक बार फिर लौट रही हैं, जो इस बार उन्हें एक दमदार और इंटेंस एक्शन की दुनिया में ले जाती है। गांधारी इस क्रिएटिव पार्टनरशिप की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। इससे पहले यह जोड़ी मनमरज़ियाँ, हसीन दिलरुबा, फिर आई हसीन दिलरुबा और रश्मि रॉकेट जैसी कल्ट फेवरेट और प्रशंसकों द्वारा खूब सराही गई फिल्मों के ज़रिए दर्शकों के दिल जीत चुकी है। कनिका ढिल्लों के लिए गांधारी बेहद खास है, क्योंकि यह उनके प्रोडक्शन बैनर कथा पिक्चर्स की दूसरी फिल्म है। उनकी डेब्यू प्रोडक्शन दो पत्ती, जो नेटफ्लिक्स पर सबसे ज्यादा देखी जाने वाली फिल्मों में शामिल रही, शानदार सफलता के बाद, कनिका लगातार महिला-केंद्रित, साहसी और दमदार कहानियों को आगे बढ़ा रही हैं। गांधारी के साथ वे मनोवैज्ञानिक रहस्य से आगे बढ़ते हुए एक हाई-इंटेंसिटी रिवेंज एक्शन ड्रामा की ओर कदम रखती हैं। अपने हालिया किरदारों से हटकर, तापसी पन्नू ने गांधारी के लिए जबरदस्त फिज़िकल ट्रांसफॉर्मेशन किया है। एक रिवेंज एक्शन-थ्रिलर के रूप में पेश की जा रही यह फिल्म एक माँ और उसके बच्चे के बीच के गहरे, सुरक्षात्मक रिश्ते को बेहद उग्र और भावनात्मक अंदाज में दर्शाती है। कनिका ढिल्लों ने कहा, तापसी और मेरे बीच हमेशा से एक ऐसा क्रिएटिव तालमेल रहा है, जो हमें सीमाएँ तोड़ने की आज़ादी देता है। गांधारी में हम सिर्फ एक कहानी नहीं कह रहे हैं, बल्कि एक माँ के प्यार की उग्रता को ऐसे एक्शन के ज़रिए दिखा रहे हैं, जो हमारी पिछली फिल्मों से बिल्कुल अलग है। देवाशीष मखीजा द्वारा निर्देशित गांधारी, नेटफ्लिक्स पर एक बड़े ग्लोबल रिलीज़ के लिए तैयार है। हाई-ऑक्टेन एक्शन और गहरे इमोशनल स्टेक्स के साथ, यह फिल्म दर्शकों को एक दमदार और अलग सिनेमैटिक अनुभव देने का वादा करती है।

स्वानंद किरकिरे ने 'बैंडवाले' के साथ शो निर्माता और लेखक के रूप में किया डेब्यू

प्रसिद्ध संगीतकार, गायक, गीतकार और अभिनेता तथा तीन बार राष्ट्रीय पुरस्कार जीत चुके स्वानंद किरकिरे पहली बार शो निर्माता के रूप में कदम रख रहे हैं। स्वानंद किरकिरे की नई सीरिज़ 'बैंडवाले' जल्द ही

प्राइम वीडियो पर प्रसारित होगी। इस सीरिज़ को स्वानंद किरकिरे ने अंकुर तिवारी के साथ मिलकर बनाया है, जो उनके कहानी कहने के सफर का एक महत्वपूर्ण नया पड़ाव है। 'बैंडवाले' के साथ स्वानंद ने अपने रचनात्मक दायरे को संगीत और अभिनय से आगे बढ़ाया है। यह उनकी पहली मौलिक सीरिज़ है, जिसमें वह मुख्य भूमिका भी निभा रहे हैं। इस प्रोजेक्ट में उनका संगीत और कहानी कहने का गहरा प्रेम एक साथ दिखाई देता है। इसके ज़रिए उन्हें कैमरे के पीछे और सामने, दोनों जगह लंबी कहानी को प्रस्तुत करने का अवसर मिला है। स्वानंद किरकिरे ने कहा, कई सालों से कहानियाँ मेरे साथ रही हैं, कुछ संगीत के ज़रिए, कुछ किरदारों के रूप में और कुछ चुपचाप मेरे मन में। 'बैंडवाले' उन्हीं कहानियों का नतीजा है, जिन्हें अब खुलकर सामने आने का मौका मिला है। अपनी पहली सीरिज़ बनाना और उसमें मुख्य भूमिका निभाना मेरे लिए विनम्र और रोमांचक अनुभव रहा है। जब आप एक पूरी दुनिया गढ़ते हैं और साथ ही उसमें एक किरदार के रूप में जीते भी हैं, तो ज़िम्मेदारी अलग होती है। मैंने इस प्रक्रिया पर भरोसा करना सीखा, टीम के साथ मिलकर काम करना सीखा और कहानी को अपना रास्ता तय करने दिया। यह मेरे रचनात्मक सफर का स्वाभाविक विस्तार है और मैं प्राइम वीडियो का आभारी हूँ कि उन्होंने दिल के करीब इस कहानी का साथ दिया।

अभिनेता रणवीर के बाद आयुष शर्मा को मिला बिश्नोई गैंग से धमकी भरा ईमेल

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के जीजा आयुष शर्मा को लॉरेंस विश्नोई गैंग से जुड़ा एक धमकी भरा ई-मेल मिला है। इससे पहले अभिनेता रणवीर सिंह को व्हाट्सएप पर धमकी मिली थी। एक अधिकारी ने गुरुवार को इसकी पुष्टि की। उन्होंने कहा कि मुंबई पुलिस ने उनकी सुरक्षा बढ़ा दी है। सूत्रों ने बताया कि आयुष शर्मा के बांद्रा स्थित कार्यालय को भेजे गए ईमेल में बड़ी रकम मांगी गई थी और मांग पूरी न होने पर गंभीर नतीजे भुगतने की चेतावनी दी गई थी। सूत्रों ने बताया कि यह हाल ही में सलमान खान को मिली धमकियों के बाद मिला है, जिसमें उनके मुंबई स्थित घर के बाहर गोलीबारी भी शामिल है, जो लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ी है। हाल ही में फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी के घर के बाहर गोलीबारी हुयी थी। पुलिस ईमेल के स्रोत की और डिजिटल फुटप्रिंट्स की जांच कर रही है। पुलिस ने आयुष को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज (एफडब्ल्यूआईसीई) ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर इस मुद्दे पर चर्चा करने और मनोरंजन जगत से जुड़े लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आपातकालीन बैठक बुलाने की मांग की है।

6 से 7 महीने की रिसर्च के बाद बनी है 'द केरल स्टोरी 2' : विपुल शाह

बॉलीवुड फिल्मकार विपुल अमृतलाल शाह का कहना है उनकी आने वाली फिल्म द केरल स्टोरी 2= गोज़ बियॉन्ड 6 से 7 महीने की रिसर्च के बाद बनी है। विपुल अमृतलाल शाह फिल्म द केरल स्टोरी 2= गोज़ बियॉन्ड लेकर आ रहे हैं नेशनल अवॉर्ड विनिंग डायरेक्टर कमाख्या नारायण सिंह के निर्देशन में बनी यह फिल्म भारतीय लीगल सिस्टम में दर्ज असली घटनाओं से इंस्पायर्ड है, जिन्हें एक ग्रिपिंग सिनेमाई अंदाज़ में पेश किया गया है। विपुल अमृतलाल शाह ने बताया कि टीम ने कई महीनों तक डिटेल रिसर्च की, जिससे जो सच्चाई दिखाई जा रही है, वो ऑथेंटिक और फैक्ट्स पर बेस्ड हो। विपुल शाह ने बताया कि द केरल स्टोरी 2= गोज़ बियॉन्ड भारत के भीतर हो रहे शोषण पर फोकस करती है। यह फिल्म तीन अहम कहानियों पर आधारित है, जो कई असली कोर्ट केस से इंस्पायर्ड हैं। उन्होंने कहा, जब हम द केरल स्टोरी 2= गोज़ बियॉन्ड जैसी फिल्म बना रहे थे, तो हम चाहते थे कि यह पूरे भारत की स्थिति को रिप्रेजेंट करे। इसलिए जिन तीन कहानियों को हमने चुना, हम सिर्फ उनकी कहानी नहीं बता सकते थे। हमने कई दूसरी लड़कियों की जिंदगी की घटनाओं को भी इसमें शामिल किया है। नतीजा ये है कि यह तीन लड़कियों की कहानी है, लेकिन इसमें कई और कहानियों की झलक भी है। द केरल स्टोरी ने अपने बोल्ड नैरेटिव से देशभर में जोरदार असर छोड़ा था। द केरल स्टोरी 2-गोज़ बियॉन्ड को विपुल अमृतलाल शाह ने प्रोड्यूस किया है और आशिन ए शाह इसके को-प्रोड्यूसर हैं। सनशाइन पिक्चर्स के बैनर तले बनी यह फिल्म 27 फरवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

इन्द्रा वार्ड के 12-15 घरों में आ रहा नाली का काला गंदा पानी

नरसिंहपुर ।स्वतंत्रमत।

पिछले 6-7 माह से इन्द्रा वार्ड के 12-15 घरों में नाली का काला गंदा पानी आ रहा है । अगस्त 2025 से लगातार नगर पालिका के जिम्मेदार अधिकारयों से शिकायत की जाती रही। परंतु ठोस कार्रवाई नहीं की गई। उक्त जानकारी प्रेस विज्ञप्ति में देते हुए इंदिरा वार्ड नरसिंहपुर के पार्षद आनंद चैरसिया ने बताया कि 1-2 माह तक पानी सप्लाई की पाईप लाईन को चैक कराते रहे प्रदीप नगाईच जो जल प्रदाय की व्यवस्थाओ का कार्य देखते है उन्होने बताया कि फाल्ट नही मिल पा रहा है और नपा के उपयंत्री पुरषोत्तम वाडबुदे को समस्या से अवगत कराया गया है तब 7 अक्टूबर 2025 को पुरषोत्तम वाडबुदे से फोन पर बात हुई और उक्त गंदे पानी की समस्या पर चर्चा कर जल्द समस्या के समाधान का आश्वासन उनके द्वारा दिया गया, 2-3 दिन में भी जब फाल्ट नही मिला तब अन्ना टायर्स से लेकर सुभाष नमकीन की दुकान तक नयी वाटर सप्लाई की लाईन डालना तय हुआ और मुझसे लेटर हेड मांगा गया मैं वाहर था तो तुरंत मैंने मेरे हस्ताक्षर युक्त लेटर हेड पुरषोत्तम वाडबुदे के पास पहुँचा दिया लगभग 1 माह तक अमृत-2 का कार्य देख रहे उपयंत्री महेन्द्र परमार और पुरषोत्तम वाडबुदे के बीच लेटरहेड-लेटरहेड और लाईन कौन डालेगा का खेल चलता रहा तब परेशान होकर मुख्य नगर पालिका अधिकारी नीलम चैहान को उक्त समस्या से अवगत कराया तब वाडबुदे को जल्द नई पाईप लाईन डालने के लिए निर्देशित किया और अमृत-2 के ठोकेदार को नयी पाईप लाईन डालने के लिए भी बोला गया परंतु अभी भी सिर्फ गाल ही बज रहे थे फिर 29 दिसम्बर 2025 को इन्दौर में गंदे पानी की समस्या से ही बच्चों की मौतों का मामला सामने आया परंतु ऐसी दर्दनाक और हृदयविदारक घटना से भी सीख न लेकर तत्काल उक्त समस्या का समाधान नही कराया गया लगभग 15 जनवरी से नई पाईप लाईन डालने का कार्य किया गया लगभग 300 फीट की पाईप लाईन डालने का कार्य 5-6 दिन में हो जाना चाहिए था परंतु वह भी 20 दिन में कराया गया पाईप लाईन डाले जाने के बाद तुरंत पुरानी लाईन को बंद कर नयी लाईन चालू करना चाहिए था परंतु लापरवाही के चलते 8-10 दिन तक नई लाईन को चालू नही करा पाए, 7 फरवरी 2026 को नई पाईप लाईन चालू की गई उसके बाद भी लोगों के घरों में नाली का काला गंदा पानी आया तब 10 फरवरी 2026 को नगर पालिका के साधारण सम्मेलन में नगर पालिका के नल का काला जल लेकर पार्षद आनंद चौरसिया पहुंचे और नगर पालिका अध्यक्ष से अनुमति लेकर गंदे पेय जल की समस्या पर चर्चा की गई संबधित आधिकारी उपयंत्री पुरषोत्तम वाडबुदे के खिलाफ निंदा प्रस्तव प्रस्तुत किया गया परंतु कांग्रेस पार्षद सदस्यों की संख्या सिर्फ 5 है बाकी 14 उपस्थित पार्षदों के समक्ष उक्त गंभीर लापरवाही जो जानलेवा सावित हो सकती थी पर निंदा प्रस्ताव के सर्मर्थन मैं अभिमत मांगा गया लगभग सभी 19 उपस्थित पार्षद ने उक्त जानलेवा लापरवाही की निंदा तो की परंतु एक पार्षद संतोष चौकसे द्वारा अधिकारी की समर्थन करते हुए निंदा प्रस्ताव को खारिज करने की मांग की गई और निंदा प्रस्ताव को खारिज कर घोर निंदनीय कृत्य करने वाले अधिकारी का बचाव किया गया जो नगर के लिए बहुत चिंताजनक है।

पार्षद आनंद चौरसिया ने कहा कि ऐसी जानलेवा गंभीर लापरवाही करने वाले अधिकारियों के विरूद्व कार्यवाही किये जाना सुनिश्चित हो और जिम्मेदारी तय हो ताकि भविष्य में नगर की जनता की जान के साथ कोई अधिकारी कर्मचारी लापरवाही न बरते जिससे कोई अप्रिय घटना नगर में न हो परंतु नगर पालिका परिषद में बैठे जनप्रति निधियों द्वारा ऐसे घोर लपरवाह अधिकारियों का बचाओ करना निदनिय है हम उच्च स्तर पर जबाबदेही तय कर जिम्मेदार अधिकारी के विरूद्व कार्यवाही करने की मांग करेगें । श्री चौरसिया ने बताया कि लोगो ने सी एम हेल्पलाइन में भी शिकायत की थी स्वास्थ्य विभाग की टीम इन प्रभावित घरो में गई थी लोगो के ब्लड सैंपल भी लिए थे बुजुर्ग महिला भर्ती भी रही थी मात्र 100 मीटर नयी पाईप लाइन डालना था 5 दिन में डलने वाली पाईप लाइन 5 माह में डाली गई।

राकेश माहेश्वरी काल्पनिक को वर्तिका साहित्य श्री अलंकरण से सम्मानित किया

नरसिंहपुर ।स्वतंत्रमत।

अंतर्राष्ट्रीय साहित्यिक, सामाजिक और सांस्कृतिक संस्था जबलपुर द्वारा वार्षिकोत्सव एवं राष्ट्रीय अलंकरण कार्यक्रम का आयोजन आर्य भवन जबलपुर में किया गया। इस कार्यक्रम में देश के विविध अंचलों से चयनित साहित्यकारों में हमारे नगर के साहित्यकार राकेश माहेश्वरी काल्पनिक को वर्तिका साहित्य श्री अलंकरण से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मंगल आशीष श्री मद जगत गुरु नरसिंह पीठाधीश्वर स्वामी नरसिंह देवा चद्यर्य महाराज एवं साध्वी विभा नंद गिरि द्वारा आशीष वचन से दिया गया।

कार्यक्रम अध्यक्षता महाकवि आचार्य भगवत दुबे एवं मुख्य अतिथि उमाकांत शर्मा अध्यक्ष सीनियर एडवोकेट वार कौन्सिल हाई कोर्ट एवं उमेश पिल्लई सेवा निवृत्त डिप्टी कमिश्नर आयकर सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति से कार्यक्रम सुशोभित रहा. कार्यक्रम का कुशल संचालन लोकप्रिय साहित्यकार राजेश पाठक प्रवीन और संतोष नेमा जी द्वारा श्री माहेश्वरी की पिछले 45 वर्षो की साहित्यिक साधना और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया । अंत में कार्यक्रम संयोजक विजय नेमा अनुज ने आभार प्रकट किया ।

टीकाकरण और एआई सेवाओं में नई डिजिटल क्रांति, अब पशुपालकों को मिलेगा पारदर्शी और त्वरित लाभ

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा पशुपालकों के हित में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। अब टीकाकरण और कृत्रिम गर्भाधान (एआई) जैसी आवश्यक सेवाओं को डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ दिया गया है, जिससे इन सेवाओं में पारदर्शिता, सुगमता और जवाबदेही सुनिश्चित होगी। इस कदम से सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे और समय पर पशुपालकों तक पहुंचेगा। नई व्यवस्था के तहत जब विभाग के फील्ड कर्मचारी आपके घर टीकाकरण या एआई सेवाओं के लिए आएंगे, तो वे आधार कार्ड और मोबाइल नंबर की जानकारी प्राप्त करेंगे। यह प्रक्रिया सेवाओं की डिजिटल एंट्री और ट्रैकिंग के लिए अनिवार्य की गई है, ताकि हर पशु का संपूर्ण स्वास्थ्य रिकॉर्ड सुरक्षित और अद्यतन रह सके। डिजिटल रिकॉर्ड की सुविधा से पशुपालकों को समय पर अगले टीकाकरण, जांच या अन्य आवश्यक सेवाओं की सूचना मिल सकेगी। इससे पशुओं के स्वास्थ्य प्रबंधन में सुधार होगा और अनावश्यक देरी या भ्रम की स्थिति समाप्त होगी।

1962 मोबाइल ऐप: अब पशुपालक ले सकते हैं जानकारियां

सरकार द्वारा 1962 मोबाइल ऐप को और अधिक सशक्त बनाया गया है। यह ऐप पशुपालकों के लिए एक उपयोगी और भरोसेमंद माध्यम बनकर उभरा है। इसके जरिए पशुपालक अपने पशुओं के टीकाकरण और एआई सेवाओं का विवरण देख सकते हैं, पशुपालन से जुड़ी नवीनतम योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं और किसी भी बीमारी या समस्या की स्थिति में सीधे विभाग से संपर्क कर सकते हैं। पशुपालन विभाग ने सभी पशुपालकों से आग्रह किया है कि वे इस डिजिटल पहल में सहयोग करें और आधुनिक तकनीक का लाभ उठाकर अपने पशुधन को स्वस्थ एवं सुरक्षित रखें। यह कदम न केवल पारदर्शिता बढ़ाएगा, बल्कि पशुपालन को अधिक संगठित और सशक्त बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण साबित होगा।

विद्युत पेंशनरों ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

नरसिंहपुर ।स्वतंत्रमत।

मध्यप्रदेश विद्युत मंडल पेंशनर्स संयुक्त मोर्चा संघर्ष समिति के तत्वावधान में विद्युत पेंशनर्स एसोसिएशन, शाखा नरसिंहपुर द्वारा मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश शासन के नाम एक ज्ञापन अधीक्षण अभियंता (संचा/संधा) वृत्त नरसिंहपुर के माध्यम से सौंपा गया। ज्ञापन में विद्युत पेंशन के नियमित एवं सुनिश्चित भुगतान की ठोस एवं स्थायी व्यवस्था किए जाने तथा महंगाई राहत (डी.आर.) का भुगतान केंद्र सरकार के समकक्ष दरों एवं समान समयावधि में किए जाने की मांग प्रमुख रूप से रखी गई। पेंशनरों ने उल्लेख किया कि पेंशन सेवानिवृत्त कर्मचारियों का विधिसम्मत एवं संरक्षित अधिकार है, अतः इसके भुगतान में किसी प्रकार की अनिश्चितता अथवा विलंब उचित नहीं है तथा शासन से मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेने का आग्रह किया। इस अवसर पर एसोसिएशन के संरक्षक सुभाष दुबे एवं जी.के. चतुर्वेदी ने कहा कि विद्युत पेंशन भुगतान की ठोस एवं स्थायी गारंटी सुनिश्चित की जाए तथा महंगाई राहत केंद्र सरकार के समकक्ष दरों एवं समान समय-सीमा में प्रदान की जाए। उन्होंने सेवानिवृत्त कर्मचारियों की आर्थिक सुरक्षा हेतु स्पष्ट एवं संस्थागत व्यवस्था की आवश्यकता पर बल दिया। इसी क्रम में एस.के. चतुर्वेदी (प्रांतीय अध्यक्ष, पेंशनर समाज), आर.के. पटेल (अध्यक्ष, पेंशनर समाज) एवं विनोद तिवारी (अध्यक्ष, पेंशनर वेलफेयर एसोसिएशन) ने अपने-अपने संगठनों की ओर से संयुक्त संघर्ष मोर्चा को मौलिक समर्थन प्रदान किया गया। साथ ही सी.बी. शर्मा, डी.डी. गोस्वामी, ऋषि कुमार महोबिया, एन.के. श्रीवास्तव एवं एस.आर. सराठे ने भी पेंशनरों की मांगों को पूर्णतः न्यायोचित बताते हुए शासन से शीघ्र समाधान की अपील की। ज्ञापन कार्यक्रम में संयुक्त मोर्चा के पदाधिकारी - एस.एन. दुबे, बी.आर. सिंह, बी.एस. पटेल, एस.के. कुर्मी, धनपत तिवारी, एल.पी. कहार, विजय नेमा, सतीश गुप्ता, एम.एल. ऊमरे, जी.पी. व्यास, सी.एल. कहार, चेतराम नौरिया, अमर सिंह चौधरी, राजा भैया ठाकुर, नेतराज सिंह कौरव, एस.पी. कहार, एस.आर. पटेल, एस.के. रायजादा श्यामलाल केवट, के.जी. शर्मा, आई.पी. मेहरा, बी.एस. मेहरा, एम.सी. रैकवार, राजकुमार बाथरे, आर.के. नावकर, एनके पिल्थरिया, आर.पी. पटेल, जी.एस. पटेल सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं पेंशनर सदस्य उपस्थित रहे तथा उन्होंने मांगों का समर्थन किया। कार्यक्रम उपरांत अनेक पेंशनरों ने पेंशनरों ने सदस्यता ग्रहण की। कार्यक्रम का संचालन श्री जी.के. चतुर्वेदी द्वारा किया गया तथा आभार प्रदर्शन श्री अरुण खरे ने किया।

क्षीर धारा ग्राम योजना दुग्ध उत्पादन बढ़ाने व ग्रामीण आजीविका को सशक्त बनाने की महत्वपूर्ण पहल

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। पशु पालन विभाग द्वारा संचालित क्षीर धारा ग्राम योजना- 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से स्थानीय कृषि विज्ञान केंद्र नरसिंहपुर में एक दिवसीय विकासखंड स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. विशाल मेश्राम, एबीपीओ डॉ. एमपी तिवारी, क्षेत्रीय पशु चिकित्सक, सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी, गौ सेवक एवं मैत्री सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता की। इसके उपरांत उपसंचालक डॉ. सुनील बृजपुरिया ने विभागीय लक्ष्यों की जानकारी देते हुए सभी पशु चिकित्सकों, सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्रीय अधिकारियों एवं गौ सेवकों को फील्ड स्तर पर सक्रिय रूप से कार्य करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। अतिरिक्त उप संचालक डॉ. प्रवीण पटेल ने प्रशिक्षण के उद्देश्यों एवं योजना की रूपरेखा पर विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत प्रथम वर्ष में जिले के 61 ग्रामों को चयनित किया गया है, जिनमें कुल 18 हजार 32 गौवंशी एवं 8 हजार 334 भैंसवंशी पशुओं को शामिल किया गया है।

उन्होंने कहा कि यह योजना दुग्ध उत्पादन बढ़ाने एवं ग्रामीण आजीविका को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। मुख्य तकनीकी प्रशिक्षण डॉ. संजय मांझी ने प्रदान किया। योजना में पारदर्शिता एवं बेहतर डेटा प्रबंधन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ऑनलाइन एप्लीकेशन के उपयोग पर विशेष सत्र आयोजित किया गया। एवीएफओ रजनीश गडेवाल ने ऑनलाइन ऐप के संचालन की व्यावहारिक जानकारी दी, ताकि जमीनी स्तर पर होने वाली प्रगति को डिजिटल माध्यम से नियमित रूप से अपडेट किया जा सके। इसी क्रम में विकासखंड चांवरपाठा में भी यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त उपसंचालक डॉ. प्रवीण पटेल, एबीपीओ डॉ. एमपी तिवारी एवं वीईओ डॉ. राजीव जैन मौजूद थे। यहां डॉ. श्रेया दुबे ने ऐप का तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान किया। प्रशिक्षण में उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने क्षीर धारा ग्राम योजना से संबंधित आवश्यक जानकारी प्राप्त की।

ब्रेक फेल होने से ढलान की ओर बढ़ी स्लीपर बस

चालक ने किले की दीवार से टकराकर बचाई सैकड़ों जानें

हटा (स्वतंत्र मत)। नगर के बस स्टैंड पर गुरुवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब हटा-इंदौर मार्ग पर संचालित एक स्लीपर यात्री बस के अचानक ब्रेक फेल हो गए। बस स्टैंड से रवाना होते ही बस अनियंत्रित होकर नगर पालिका कार्यालय के समीप से बूढ़ा हटा जाने वाले ढलान मार्ग की ओर तेजी से बढ़ने लगी। स्थिति की भयावहता को भांपते हुए चालक ने तत्परता दिखाते हुए जोर-जोर से ब्रेक फेल होने की सूचना दी जिससे यात्री और आसपास मौजूद लोग सतर्क हो गए। सूझबूझ का परिचय देते हुए चालक ने बस को किले की दीवार से नियंत्रित ढंग से टकराकर रोक दिया। चालक के इस निर्णय से संभावित बड़ी जनहानि टल गई।

घटना के समय बस स्टैंड क्षेत्र में यात्रियों की आवाजाही अधिक थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार यदि बस ढलान पर और आगे बढ़ जाती तो बड़ा हादसा हो सकता था। बस रुकते ही यात्रियों और स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली। सूचना मिलते ही हटा पुलिस मौके पर पहुंची और हालात का जायजा लिया।

गनीमत रही कि दुर्घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। दुर्घटनाग्रस्त बस क्रमांक एमपी40पी0282 बताई जा रही है जो सागर स्थित बालाजी ट्रांसपोर्ट की है। घटना के बाद कुछ समय तक बस स्टैंड पर अफरातफरी का माहौल रहा हालांकि पुलिस की मौजूदगी में स्थिति जल्द ही सामान्य हो गई।

कृष्णजन्म प्रसंग के बीच पहुंचे राज्यमंत्री पटेल, हुआ स्वागत

हटा (स्वतंत्र मत)। हटा के देव गौरीशंकर मन्दिर प्रांगण में चल रहे अतिरुद्र यज्ञ और श्रीमद्भागवत कथा का अय्योजन चल रहा है। श्री मदभागवत कथा में कृष्ण जन्मम प्रसंग के दौरान ही राज्यमंत्री लखन पटेल भी आयोजन में शामिल हुए। दद्दा मंच पर उनका बुनेडली परंपरा से स्वागत किया गया। इस दौरान कथा व्यास अनिल शास्त्री ने राज्यमंत्री पटेल का व्यास गादी से सम्मान किया। इस दौरान विधायक श्रीमती उमादेवी खटीक, जनपद अध्यक्ष गंगाराम पटेल और पुष्पेंद्र हजारी उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने अपनी मांगों को लेकर मुरव्यमंत्री के नाम एसडीएम को दिया ज्ञापन

हटा (स्वतंत्र मत)। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका एकता यूनियन मध्यप्रदेश सीटू के राष्ट्रीय आवाह्न पर राष्ट्र व्यापी एक दिवसीय हड़ताल कर हटा परियोजना की समस्त आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिकाओं द्वारा अपनी लंबित मांगों को लेकर गुरुवार को ब्लॉक अध्यक्ष अनुराधा प्रजापति के नेतृत्व में मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम राकेश मरकाम को ज्ञापन सौंपा। दिए गए ज्ञापन में मांग की गई कि पोषण ट्रेकर, संपर्क एप से न जोड़ा जाए, 3 वर्ष से 6 वर्ष के बच्चों के सरकारी स्कूलों में प्रवेश के आदेश को निरस्त कर केजी वन, केजी टू की शिक्षा दिए जाने की व्यवस्था की जाए। आंगनवाड़ी कर्मियों को सरकारी कर्मचारी का दर्जा दिया जाए तब तक न्यूनतम वेतन 32 हजार दिया जाए एवं 10 हजार पेंशन सामाजिक सुरक्षा का लाभ दिया जाए, सेवानिवृत्त आंगनबाड़ी कर्मियों को ग्रेच्युटी का लाभ दिया जाए, आंगनबाड़ी कर्मियों के सेवाकाल में मृत्यु होने पर 5 लाख रुपए की राशि मृत्यु उपरांत परिवार को सहायता राशि के रूप में प्रदान की जाए, आंगनवाड़ी कर्मियों को अन्य राज्यों की तरह 1 जून से 30 जून तक एक माह का ग्रीष्मकालीन अवकाश घोषित किया जाए।

इसके अलावा परियोजना एवं सेक्टर बैठक में आने जाने का टीएडीए भुगतान किया जाए। पर्यवेक्षकों के रिक्त पदों पर 100 प्रतिशत नियुक्ति योग्य आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की ही की जाए एवं आंगनबाड़ी केंद्रों का वार्षिक अवकाश का कैलेंडर दिया जाए ताकि उस दिन आंगनबाड़ी केंद्र बंद रखे जा सके एवं पोषण ट्रेकर में भी अवकाश दर्शाया जा सके। ज्ञापन देने वाली कार्यकर्ताओं में ब्लॉक अध्यक्ष अनुराधा प्रजापति, सचिव रेखा पटेल के साथ नगरीय व ग्रामीण क्षेत्र की कार्यकर्ताओं सहायिकाओं की उपस्थिति रही।

सीईओ जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश ने किया उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं कार्यालय का निरीक्षण

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

सीईओ जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश ने ग्राम पंचायत नकटुआ स्थित उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं कार्यालय पहुंचकर यहां संचालित विभिन्न योजनाओं व गतिविधियों की जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए। सीईओ जिला पंचायत ने गौशाला में ट्रेविस (शेड) लगवाने संबंधी विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इसके साथ ही उन्होंने कार्यालय परिसर में स्थापित वैक्सीन कोल्ड रूम का भी निरीक्षण किया। उन्होंने वैक्सीन भंडारण की व्यवस्था, तापमान नियंत्रण प्रणाली एवं रख-रखाव की जानकारी प्राप्त कर आवश्यक निर्देश दिए। सीईओ जिला पंचायत ने संबंधित अधिकारियों को शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु सतत निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर स्मृति मंच ने किया माल्यार्पण

आंगनबाड़ी बच्चों के बीच आयोजित की चित्रकला प्रतियोगिता

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

एकात्म मानववाद के प्रणेता और प्रखर राष्ट्रवादी विचारक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि च्समर्पण दिवसज् के अवसर पर आज पंडित दीनदयाल स्मृति मंच, नरसिंहपुर द्वारा उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम की शुरुआत में स्मृति मंच के पदाधिकारियों ने पंडित जी की प्रतिमा पर श्रद्धापूर्वक माल्यार्पण किया और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। श्रद्धांजलि सभा के पश्चात सेवा भाव को सर्वोपरि रखते हुए स्मृति मंच की टीम स्थानीय आंगनबाड़ी केंद्र पहुँची। यहाँ श्रीमती नीरा

बुधौलिया, सुश्री इंदु सिंह, श्रीमती प्रतीक्षा वर्मा और श्रीमती कविता दुबे ने बच्चों के साथ समय व्यतीत किया। इस अवसर पर बच्चों की रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एक भव्य चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। नन्हे-मुन्ने बच्चों ने उत्साहपूर्वक अपनी कला का प्रदर्शन किया और रंगों के माध्यम से अपनी कल्पनाओं को कागज पर उकेरा। प्रतियोगिता के समापन पर श्रीमती नीरा बुधौलिया एवं उपस्थित सदस्यों द्वारा सभी सहभागी बच्चों को उपहार भेंट किए गए। बच्चों के चेहरे पर छाई मुस्कान ने कार्यक्रम की सार्थकता को सिद्ध किया।

इस दौरान श्रीमती बुधौलिया ने कहा कि पंडित दीनदयाल जी का मानना था कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और स्नेह पहुँचना चाहिए, और बच्चों के बीच यह आयोजन इसी च्अंत्योदयज् की भावना का एक छोटा सा प्रयास है। सुश्री इंदु सिंह ने बच्चों को अपनी प्रतिभा निखारने व आगे बढ़ने का संदेश देते हुए कहा कि, छोटे-छोटे प्रयास से वे एक दिन बड़ी सफलता अर्जित कर सकते हैं। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता रजिया बेगम एवं अन्य गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे।

जगन्नाथ चौक से घंटाघर मार्ग के प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा कर महापौर ने अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

क्षतिपूर्ति वितरण एवं अतिक्रमण कार्यवाही की वर्तमान स्थिति पर हुई विस्तृत चर्चा

जनहित एवं सुगम आवागमन से जुड़े महत्वपूर्ण कार्य को प्राथमिकता से करें पूर्ण : महापौर

कटनी (स्वतंत्र मत)।

शहर विकास के महत्वपूर्ण विषय जगन्नाथ चौक से घंटाघर तक चल रहे सड़क चौड़ीकरण कार्य की प्रगति की समीक्षा हेतु महापौर प्रीति संजीव सूरी ने गुरुवार को निगम अधिकारियों के साथ एक अहम बैठक लेकर कार्य की विस्तृत समीक्षा की। महापौर ने मार्ग में अब तक पूर्ण हुए कार्यों, स्थल के प्रगतिरत कार्यों तथा शेष कराए जाने वाले कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को सड़क चौड़ीकरण कार्य के तहत नाली निर्माण, विद्युत पोल शिफ्टिंग सहित अन्य आवश्यक कार्य चरणबद्ध रूप से शीघ्र पूर्ण करने की दिशा में सर्वोच्च प्राथमिकता से कार्यवाही करने के निर्देश दिए। महापौर द्वारा बैठक के दौरान जगन्नाथ चौक से घंटाघर मार्ग में पूर्व चिन्हित अतिक्रमण को हटाने हेतु प्रगतिरत कार्यवाही की वर्तमान स्थिति की जानकारी चाही गई। जिस पर अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि अधिकांश अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई पूर्ण की जा चुकी है, जबकि शेष प्रकरणों में नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। साथ ही प्रभावित हितग्राहियों को नियमानुसार क्षतिपूर्ति राशि प्रदान भी कर दी गई है, शेष प्रकरणों पर कार्यवाही प्रगतिरत है जिसे शीघ्र पूर्ण कर लिया जाएगा। महापौर ने शेष लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण कर भुगतान प्रक्रिया पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो तथा आपसी समन्वय के साथ कार्रवाई समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाए। बैठक में महापौर ने न्यायालयीन प्रकरणों की भी समीक्षा करते हुए लंबित प्रकरणों की संख्या एवं उनकी वर्तमान स्थिति की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि न्यायालयीन मामलों में प्रभावी पैरवी सुनिश्चित कर शीघ्र समाधान की दिशा में कार्य किया जाए, ताकि कार्य की गति प्रभावित न हो। अंत में महापौर ने समयसीमा पर विशेष बल देते हुए निर्देश दिए कि जगन्नाथ चौक से घंटाघर तक का संपूर्ण कार्य गुणवत्ता एवं पारदर्शिता के साथ निर्धारित समयावधि में शीघ्र पूर्ण किया जाए। बैठक के दौरान प्रभारी सहायक यंत्री सुनील सिंह, उपयंत्री मोना करेरा, अतिक्रमण प्रभारी मानेंद्र सिंह, विधि प्रभारी वरुणेश मिश्रा, लेखापाल श्रीकांत तिवारी सहित अन्य कर्मचारियों की उपस्थिति रही।

राजस्व वसूली में लापरवाही पड़ी भारी

निरीक्षकों एवं वार्ड वसूलीकर्ता को हिदायत

कटनी (स्वतंत्र मत)।

राजस्व वसूली की समीक्षा के दौरान वसूली कार्य में रूचि लेकर प्राथमिकता से निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप वसूली कार्य करने के दिये गए निर्देशों के बाद भी कार्य में लापरवाही करने तथा कम वसूली करने वाले तीन सहायक राजस्व निरीक्षक सहित एक वार्ड वसूली कर्ता को चेतावनी पत्र जारी कर 7 दिवस में निर्धारित लक्ष्य अनुरूप वसूली करने के निर्देश दिए है।

इन्हें मिला चेतावनी पत्र

निगमायुक्त

4 राजस्व कर्मचारियों को चेतावनी पत्र जारी किया गया है। उनमें शैलेन्द्र कुंडे सहायक राजस्व निरीक्षक वार्ड क्रमांक 43, रमाकांत रावत सहायक राजस्व निरीक्षक वार्ड क्रमांक 40 एवं 41, संतोष बिरहा सहायक राजस्व निरीक्षक वार्ड क्रमांक 32 एवं पुरुषोम तिवारी वसूली करता वार्ड क्रमांक 35, का नाम शामिल है। इन चारों कर्मचारियों को समीक्षा बैठक के दौरान निर्देशित किये जाने के पश्चात भी राजस्व वसूली कार्य में लापरवाही एवं कार्य के प्रति उदासीनता बरतते हुए विगत वर्ष की तुलना में कम वसूली की गई। निगमायुक्त ने चारों कर्मचारियों को वसूली कार्य को गंभीरता से लेते हुए 7 दिनों में वसूली में प्रगति लाकर निर्धारित लक्ष्य अनुरूप वसूली नहीं करने पर संबंधितों के विरुद्ध एक पक्षीय अनुशासनात्मक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है।

गुरुवार को केंद्रीय महासंघों द्वारा की हड़ताल

आयुध निर्माणी कटनी में भी हुआ विरोध प्रदर्शन

कटनी (स्वतंत्रमत)। केंद्र सरकार द्वारा मजदूर विरोधी चार काले श्रमकानूनों, निजीकरण, निगमीकरण, आउटसोंरसिंग बंद करने, अनुकंपा नियुक्ति, विनाशकारी एनपीएस और यूपीएस के विरोध में आयुध निर्माणी कटनी में, आईडीईएफ एवं इंटक से संबद्ध मजदूर संघ और आ फै कर्म यूनियन के आवाहन पर कर्मचारियों ने सुबह नारेबाजी की। काले बैच लगाकर दिन भर कार्य करेंगे और दोपहर में एक घंटे लंच बॉयकाट करेंगे। महासंघो द्वारा की जा रही देशव्यापी हड़ताल के समर्थन मे आयुध निर्माणी कटनी में ये कार्यक्रम एचएमएस समर्थित मजदूर संघ, आ.फै.क यूनियन इंटक और लेबर यूनियन द्वारा किये गए। कार्यक्रम में सैकड़ो कर्मचारियों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। जबकि बीएमएस समर्थित यूनियन ने सरकार का सहयोग किया और बकायदा पत्र लिखकर कर्मचारियों के आंदोलन के विरोध में लामबंद हुए। जुलाई 2025 मे भी महासंघो द्वारा देश व्यापी हड़ताल की गई थी। जिसमे सभी कर्मचारियों ने स्वेच्छा से एक घंटा कार्य का बॉयकाट किया था। इस बार एक यूनियन द्वारा सरकार की कर्मचारियों विरोधी नीतियों का समर्थन करने के कारण कर्मचारियों मे उहा पोह की स्थिति बनी रही। सभी कर्मचारी सरकार की नीतियों से प्रताडित तो हैं, लेकिन विरोध नही कर पा रहे हैं।

स्वामी दयानंद जयंती पर जेपीवीडीएवी विद्यालय में हुआ भव्य समारोह

कटनी (स्वतंत्रमत)। जेपीवी डीएवी विद्यालय में स्वामी दयानंद सरस्वती जयंती बड़े ही श्रद्धा, उत्साह एवं गरिमा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता मध्यप्रदेश जोन के क्षेत्रीय निदेशक एवं विद्यालय प्राचार्य एस के सिन्हा ने की। मुख्य अतिथि के रूप में विद्यालय की वरिष्ठ शिक्षिका नीना बिलैया उपस्थित रहीं तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ शिक्षक श्लेष अग्रवाल ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा विधिवत अग्निहोत्र यज्ञ से हुआ। इसके पश्चात सुसज्जित मंच पर दीप प्रज्वलन कर औपचारिक रूप से समारोह का प्रारंभ किया गया। इस अवसर पर स्वामी दयानंद कृत सत्यार्थ प्रकाश के चतुर्थ समुल्लास का विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा भावपूर्ण अनुवाचन किया गया, जिससे उपस्थित सभी जन स्वामी जी के विचारों से अभिभूत हो उठे।

समारोह के अंतर्गत सत्यार्थ प्रकाश पर आधारित प्रश्न मंच प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय के चारों सदनों- दयानंद, अरविंद, विवेकानंद एवं श्रद्धानंद- के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रतियोगिता में श्रद्धानंद सदन विजेता तथा अरविंद सदन उपविजेता रहा। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि द्वारा विजेता विद्यार्थियों को स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदकों से पुरस्कृत किया गया। अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि ने विद्यार्थियों को स्वामी दयानंद सरस्वती के विचारों, सिद्धांतों एवं समाज सुधार के कार्यों से अवगत कराया तथा उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया।

अध्यक्षीय संबोधन में प्राचार्य एसके सिन्हा ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए कहा कि स्वामी दयानंद के आदर्श सत्य, ज्ञान और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। अंत में कल्याण मंत्र के सामूहिक उच्चारण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। समारोह ने विद्यार्थियों में आध्यात्मिक चेतना, नैतिक मूल्यों एवं भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान की भावना को सुदृढ़ किया।

मार्च में शुरू हो सकता है स्वर्ण खनन

121 करोड़ की बोली लगाकर मुंबई की कंपनी ने हासिल की खनन लीज

कटनी (स्वतंत्रमत)। जिले के ढीमरखेड़ा जनपद पंचायत अंतर्गत आने वाले गांव इमलिया में लगभग 15 एकड़ (6.51 हेक्टेयर) भूमि पर स्वीकृत स्वर्ण खदान में आगामी मार्च माह के दूसरे पखवाड़े से खनन कार्य शुरू होने की उम्मीद है। मुंबई की कंपनी प्रॉस्पेक्स रिसोर्स मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड ने ई-नीलामी प्रक्रिया के माध्यम से 121 करोड़ रुपए की बोली लगाकर यह खनन लीज हासिल की। इसके बाद कंपनी और कलेक्टर आशीष तिवारी के बीच खनन अनुबंध संपन्न हुआ।

उत्पादन और खनिज - खनन विभाग के अनुसार, इमलिया गोल्ड ब्लॉक से प्रतिवर्ष 33,214 टन उत्पादन का अनुमान है। यहां सोना, चांदी, तांबा और लेड-जिंक जैसे बहुमूल्य खनिज पाए गए हैं। प्रति टन अयस्क से औसतन 1.13 ग्राम सोना निकलने की संभावना है।

ग्रामीणों को पता था सोना हैं - ग्रामीणों के अनुसार, गांव में सोने की मौजूदगी की जानकारी पिछले लगभग 50 वर्षों से थी। यहां आज भी ब्रिटिश काल के बने चार-पांच पुराने कुएं मौजूद हैं। वर्ष 1974 से शुरू हुई खोज यात्रा 2025 में पूरी हुई। 70 से अधिक ड्रिलिंग और सैंपल जांच के बाद खनिजों की पुष्टि हुई थी। इमलिया गांव खदान के शुरू होते ही देश के स्वर्ण खनन मानचित्र पर प्रमुख स्थान हासिल करेगा। ग्रामीणों को रोजगार और क्षेत्र के विकास की नई उम्मीद जगी है। उपसंचालक खनिज डॉ. रत्नेश दीक्षित के अनुसार, खदान को लेकर अनुबंध प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। मार्च तक इन खदानों में खनन भी शुरू हो जाएगा।

अवैध मदिरा के विरुद्ध आबकारी विभाग की कार्यवाही

दो अलग-अलग स्थानों पर दबिश 370 किलो महुआ लाहन व 72 पाव देशी मदिरा जब्त

कटनी (स्वतंत्र मत)।

जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, विक्रय एवं परिवहन पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु आबकारी विभाग द्वारा सतत कार्यवाही की जा रही है। कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत आबकारी अमले द्वारा दो अलग-अलग स्थानों पर बड़ी कार्यवाही करते हुए भारी मात्रा में अवैध महुआ लाहन, हाथ भट्टी शराब एवं देशी मदिरा जब्त की गई। आबकारी नियंत्रण कक्ष प्रभारी मंशाराम उइके के नेतृत्व में वृत्त क्रमांक-02 अंतर्गत ग्राम अधारकाप में वृत्त 02 एवं 03 की संयुक्त टीम ने दबिश दी। कार्रवाई के दौरान 08 लीटर हाथ भट्टी मदिरा तथा प्लास्टिक के गुमों में भरा 370 किलोग्राम महुआ लाहन जब्त किया गया। इस संबंध में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)क एवं 34(1)च के तहत 05 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए। महुआ लाहन का सैंपल लेकर शेष सामग्री मौके पर ही नष्ट की गई। वहीं दूसरी कार्रवाई में वृत्त प्रभारी विजयराघवगढ़ केशव उइके के नेतृत्व में जनसुनवाई में प्राप्त शिकायत के आधार पर ग्राम मझगवां, खजुरा एवं गुड़ेहा में सघन गश्त व दबिश दी गई। इस दौरान 35 पाव प्लेन एवं 38 पाव मसाला मदिरा, कुल 72 पाव देशी मदिरा बरामद कर जब्त की गई। इस प्रकरण में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत 06 प्रकरण दर्ज किए गए। जिला आबकारी अधिकारी विभा मरकाम ने बताया कि जिले के समस्त वृतों में अवैध हाथ भट्टी मदिरा निर्माण वाले क्षेत्रों को चिन्हित कर लगातार दबिश एवं गश्त की जा रही है, ताकि अवैध मदिरा पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके। इन दोनों कार्यवाहियों में वृत्त क्रमांक-02 से सहायक जिला आबकारी अधिकारी मानसराम उइके, वृत्त प्रभारी अतुल कुटार, आबकारी उपनिरीक्षक आंचल प्रजापति, आबकारी आरक्षक राजेश गौंटिया एवं राम सिंह का विशेष योगदान रहा। वहीं विजयराघवगढ़ वृत्त की कार्रवाई में वृत्त प्रभारी केशव उइके एवं आबकारी आरक्षक चंद्रप्रकाश त्रिपाठी शामिल रहे।

राष्ट्रीय सेवा योजना का 7 दिवसीय विशेष शिविर का समापन

कटनी (स्वतंत्रमत)।

मानव जीवन विकास समिति सचिव निर्भय सिंह के नेतृत्व में समिति प्रांगण बिजौरी जिला कटनी में राष्ट्रीय सेवा योजना का सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन माय भारत के लिए युवा, डिजिटल साक्षरता के लिए युवा थीम को लेकर 06 फरवरी से 12 फरवरी तक प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय तिलक स्नातकोत्तर महाविद्यालय कटनी के प्राचार्य डॉ. सुनील कुमार बाजपेयी, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. माधुरी गर्ग, डॉ. अतुल कुमार एवं डॉ. सुनील कुमार त्रिपाठी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्र, छात्राओं तीनों इकाई द्वारा ग्राम बिजौरी एवं मझगवां में स्वास्थ्य एवं पोषण जागरूकता व साक्षरता जागरूकता, नदियों का संरक्षण, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, महिला सशक्तिकरण, बाल संरक्षण, ऊर्जा संरक्षण, कुपोषण, रक्तदान, स्वच्छता अभियान, डिजिटल जागरूकता, यौन साक्षरता आदि बिंदुओं पर ग्रामीण जनों को जागरूक किया गया। साथ ही जल संरक्षण हेतु सोखता गड्ढा निर्माण, नालियों की सफाई पालिथिन मुक्ति हेतु पन्नियों का संग्रहण किया गया। इस प्रकार के जागरूकता अभियान के लिए इनका कार्य सराहनीय रहा। कार्यक्रम में बड़वारा विधायक धीरेन्द्र बहादुर सिंह, कटनी कलेक्टर आशीष तिवारी सहित विभिन्न प्रशासनिक अमला पहुँच कर छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। कैम्प में फ्रांसीसी मेहमानों की गरिमामयी उपस्थिति ने कैम्प का मान बढ़ाया। थाना प्रभारी उनि केके. पटेल ने छात्र-छात्राओं को यातायात नियम साइबर फ्रॉड से बचाव, नशा मुक्ति, करियर मार्गदर्शन पर विस्तृत जानकारी देकर जागरूक व जिम्मेदार नागरिक बनने हेतु प्रेरित किया।

आजाद अध्यापक संघ का वार्षिक कैलेंडर विमोचन एवं शिक्षक संवाद

कटनी (स्वतंत्रमत)। *आजाद अध्यापक संघ के जिलाध्यक्ष संजय मिश्रा ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी आज़ाद अध्यापक संघ द्वारावार्षिक कैलेंडर का विमोचन, शिक्षक संवाद 14 फरवरी शनिवार को दोपहर 2:30 बजे से नगर निगम अध्यक्ष मनीष पाठक के मुख्य आतिथ्य में किया जा रहा है। संघ के प्रांतीय संयोजक रमाशंकर तिवारी, राजेश चौबे, राकेश पाठक, सुशील तिवारी, उमेश गर्ग, किशन लाल भुमियाँ, रीना साहू, राधा सोनी, राम बाई कोल, दमयंती डेहरिया, लाल कुमार यादव, रामभुवन विश्वकर्मा, अखिलेश पांडेय, रामाधार सोनू सरावगी, सीताराम विश्कर्मा, देवेंद्र कुलहरा, रोहित तिवारी, रोहित दुबे, कैलाश विश्वकर्मा, सत्येंद्र शुक्ला, पीयूष त्रिपाठी, ब्रजेश मिश्रा आदि के द्वारा शिक्षक साथियो से कार्यक्रम में अपनी गरिमामय उपस्थिति प्रदान कर कार्यक्रम को सफल बनाने का निवेदन किया है।*

एनकेजे पुलिस ने किया गैस सिलेण्डर चोर गिरोह का पर्दाफाश

पांच आरोपी गिरफ्तार, चोरी का मसरूका भी बरामद

कटनी (स्वतंत्रमत)।

एनकेजे पुलिस ने गैस सिलेण्डर चोर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी रुपेन्द्र राजपूत ने बताया कि अर्चना तिवारी पति राजेन्द्र तिवारी निवासी देवराखुर्द ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि विगत 6 फरवरी को प्राथमिक स्कूल देवराखुर्द से 5 गैस सिलेन्डर, राशन सामग्री कोई अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले गया है। रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

मामले के अज्ञात आरोपियों की पता तलाश एवं तकनीकी साक्ष्य संकलन से जानकारी प्राप्त हुई कि गैस सिलेण्डर चोरी करने वाले गिरोह को कुठला पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर पूछताछ करने पर एनकेजे थाना क्षेत्र में भी गैस सिलेण्डर चोरी करना बताया है, जिसके बाद कुठला द्वारा गिरफ्तारशुदा आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है, जिसके बाद आरोपियों को पुनः पूछताछ करने के लिए माननीय न्यायालय से पुलिस रिमाण्ड प्राप्त कर पूछताछ की गई। पूछताछ में ग्राम देवराखुर्द के प्राथमिक माध्यमिक स्कूल में पांच गैर सिलेण्डर एवं राशन सामग्री चोरी करने की बात भी कबूली। पांचों आरोपी संदीप काछी पिता बालिकराम काछी निवासी छैघरा, कुती उर्फ सलोक कुमार कुशवाहा पिता सुरेश कुशवाहा निवासी जोबीकला, मंजू उर्फ जयदेव पटेल पिता मेबालाल पटेल निवासी जोबीकला मनोज उर्फ रोहित यादव पिता रामप्यारे यादव निवासी छैघरा एवं शनि दाहिया पिता सुखीलाल दाहिया निवासी कछगवां को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश कर न्यायायिक अभिरक्षा में भेजा गया।

मामले का एक आरोपी करिया आदिवासी फरार है, जिसकी पता तलाश कीर जा रही है। आरोपियों से 5 गैस सिलेन्डर बरामद किए गए। वारदात का खुलसा करने में थाना प्रभारी रुपेन्द्र राजपूत, एएसआई मनोज कोडापे, प्रधान आरक्षक राजकुमार शर्मा, आरक्षक अर्पित पटेल की सराहनीय भूमिका रही।

समक्षः- श्रीमान शपथ आयुक्त/ नोटरी महोदय, विजयराघवगढ़ जिला-कटनी म.प्र.

शपथ पत्र

गुमशुदा सूचना

मैं शपथकर्ता, अनूपा मिश्रा पति श्री संजीव मिश्रा आयु लगभग 36 वर्ष, निवासी- वार्ड क्रमांक-06 ताम्रकार मोहल्ला विजयराघवगढ़, जिला-कटनी (म.प्र.) की शपथपूर्वक निम्न कथन करती हूँ- कि मैं शपथकर्ती उपरोक्त वर्णित पते की निवासी हूँ, मेरे पति श्री संजीव मिश्रा वल्द श्री कामता प्रसाद मिश्रा दिनांक- 21/06/2024 में वे संकट मोचन मंदिर विजयराघवगढ़ में थे, इसके बाद वे कहीं चले गये लापता हो गये। शपथकर्ती ने अपने पति श्री संजीव मिश्रा के लापता होने की सूचना/रिपोर्ट थाना प्रभारी महोदय थाना विजयराघवगढ़ में की, इसके अलावा शपथकर्ती ने अपने पति की स्वयं भी अपने रिश्तेदारों के यहाँ, आस-पास खोजबीन की किन्तु उनका कहीं पता नहीं चला। शपथकर्ती ने दिनांक 02/10/2025 को अपने पति श्री संजीव मिश्रा की पुनः जुबानी रिपोर्ट लेख लिखाई कि मेरे पति संजीव मिश्रा पिता स्व. श्री कामता प्रसाद मिश्रा आयु लग. 46 वर्ष, यहाँ-वहाँ चले जाते हैं, इसके पूर्व भी चले गये थे जिसकी रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी, उनका तीर्थ स्थानों में आना-जाना रहता है किन्तु वे दिनांक- 21/06/2024 को दोपहर 01 बजे से कहीं गये हैं तो फिर वे आज तक वापिस नहीं आये उनका कहीं भी कोई पता नहीं चला। शपथकर्ती के पति संजीव कुमार मिश्रा पिता श्री कामता प्रसाद मिश्रा के एक पुत्र सक्षम मिश्रा है जो नाबालिक है एवं पत्नि ज्यादा पढ़ी लिखी न होने के कारण अपने पति के चल-अचल सम्पत्ति की सुरक्षा एवं व्यवस्था करने में असमर्थ है। शपथकर्ती अपने पति के खो जाने के संबंध में अपना यह शपथ पत्र प्रस्तुत करती है।

स्थान- विजयराघवगढ़ | अनूपा मिश्रा

दिनांक- 12/02/2026

भारत लगातार दूसरा मैच जीता, नामीबिया 93 रन से हारा

चक्रवर्ती को 3 विकेट, ईशान और पंड्या की फिफ्टी; इंडिया ग्रुप ए के टॉप पर आया

नयी दिल्ली (वार्ता) । भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप के 18वें मैच में नामीबिया को 93 रन से हरा दिया है। वर्ल्डकप में टीम इंडिया की यह लगातार दूसरी जीत है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम इंडिया ने 9 विकेट के नुकसान पर 209 रन बनाए थे। भारत ने आखिरी 4 रन बनाने में 5 विकेट गंवा दिए थे। ईशान किशन ने 61 और हार्दिक पंड्या ने 52 रन बनाए। नामीबिया से कप्तान जेरार्ड इरासमस ने 4 विकेट लिए। 210 रन का टारगेट चेज करने उतरी नामीबिया की टीम 18.2 ओवर में 116 रन पर ऑलआउट हो गई। वरुण चक्रवर्ती ने 3, अक्षर और हार्दिक ने 2-2 विकेट लिए। नामीबिया की ओर से लौरेन स्टीनकैंप ने सबसे ज्यादा 29 रन बनाए। इशान किशन (61), हार्दिक पंड्या (52) और संजू सैमसन (22) की विस्फोटक बल्लेबाजों के दम पर भारत ने गुरुवार को टी-20 विश्वकप के 18वें मुकाबले में नामीबिया के खिलाफ नौ विकेट पर 209 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। आज यहां नामीबिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम के लिए इशान किशान और संजू सैमसन की जोड़ी ने तूफानी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए महज दो ओवर में 25 रन बना डाले। इसी दौरान दूसरे ओवर की आखिरी गेंद पर बेन शिकोंगो ने संजू सैमसन को अपना शिकार बना लिया। संजू सैमसन ने आठ गेंदों में तीन छक्के और एक चौका उड़ाते हुए 22 रन बनाये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये तिलक वर्मा ने इशान किशन के साथ दूसरे विकेट के लिए 79 रन जोड़े। आठवें ओवर की पहली गेंद पर जेरार्ड इरास्मस ने विस्फोटक बल्लेबाजी कर रहे इशान किशन को आउट कर पवेलियन भेज दिया। इशान किशन ने 24 गेंदों में छह चौके ओर पांच छक्के लगाते हुए 61 रनों की पारी खेली। उन्होंने महज 20 गेंदों में पांच चौके और चार छक्के उड़ाते हुए अपना अर्धशतक पूरा किया। 11वें ओवर में सूर्यकुमार यादव 12 रन बनाकर आउट हुये। तिलक वर्मा ने 21 गेंदों में तीन चौके लगाते हुए 25 रन बनाये। तिलक को सातवें ओवर में एक जीवनदान मिला, लेकिन वे उसका फायदा नहीं उठा पाये। वह 12वें ओवर की पांचवीं गेंद पर बाउंड्री पर लपके गये। एक समय महज 20 रन जोड़कर भारत ने अपने तीन विकेट गंवा दिये थे। ऐसे समय हार्दिक पंड्या और शिवम दुबे की जोड़ी ने एक बार फिर से भारतीय पारी को संभाला और तेजी के साथ रन जोड़े। दोनों बल्लेबाजों के बीच पांचवें विकेट के लिए 81 रनों की साझेदारी हुई। हार्दिक ने 19वें ओवर की पहली गेंद पर छक्का लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया। वह अगली ही गेंद पर फिर से छक्का लगाने के प्रयास में बाउंड्री पर लपके गये। हार्दिक ने 28 गेंदों में चार चौके और चार छक्के लगाते हुए 52 रनों की पारी खेली। इसी ओवर में शिवम दुबे 16 गेंदों में (23) रनआउट हुये। आखिरी ओवरों जब भारतीय बल्लेबाजों को रन बनाने चाहिए तो वे अपने विकेट गंवाते चले गये। रिंकू सिंह एक और अक्षर पटेल शून्य पर आउट हुये। भारतीय टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में नौ विकेट पर 209 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। नामीबिया के लिए जेरार्ड इरास्मस ने चार विकेट लिये। बने शिकागो, जेजे स्मिट और बर्नार्ड शोल्ज ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

श्रीलंका ने ओमान को 105 रनों से रौंदा

पल्लेकेले (वार्ता)। कुसल मेंडिस (61), पवन रत्नायके (60) और कप्तान दासुन शनाका (50) की आतिशी अर्धशतकीय पारियों के बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत श्रीलंका ने गुरुवार को टी-20 विश्वकप के 16वें मुकाबले में ओमान को 105 रनों से करारी शिकस्त दी। 226 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी ओमान के बल्लेबाज श्रीलंकाई गेंदबाजी आक्रमण के आगे नहीं टिक सके और लगातार विकेट गंवाते रहे। ओमान की टीम निर्धारित 20 ओवर में नौ विकेट पर 120 रन ही बना सकी और 105 रनों से मुकाबला हार गई। वसीम अली ने 20 गेंदों में तीन छक्के उड़ाते हुए 27 रन बनाये। वहीं मोहम्मद नदीम आखिर तक टिके रहे और उन्होंने 56 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाते हुए नाबाद 53 रनों की पारी खेली। शेष बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। श्रीलंका के लिए दुष्मंत चमीरा और महीश तीक्षणा ने दो-दो विकेट लिये। दुनित वेल्लालगे, दुशान हेमंता और कामिंडु मेंडिस ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इटली ने नेपाल को 10 विकेट से पीटा

पल्लेकेले (वार्ता)। इटली ने गेंद और बल्ले से जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए नेपाल को टी 20 विश्व कप के ग्रुप सी मुकाबले में गुरूवार को 10 विकेट से पीट दिया। स्कॉटलैंड के खिलाफ अपने पहले टी20 विश्व कप मैच में इटली की टीम बहुत कमज़ोर लग रही थी, लेकिन उन्होंने यहां नेपाल को सिर्फ़ 123 रन पर समेटने के बाद 12.4 ओवर में बिना कोई विकेट खोये 124 रन बनाकर एकतरफा जीत हासिल की। जस्टिन मोस्का ने नाबाद 60 और एंथनी मोस्का ने नाबाद 62 रन बनाकर इटली को 44 गेंद शेष रहते 10 विकेट से जीत दिला दी। कृष्ण कलुगामागे को उनकी शानदार गेंदबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। इटली के लिए एक यादगार दिन, जिसे वे कभी नहीं भूलेंगे। अपनी फुटबॉल टीम के लिए मशहूर, वे अब क्रिकेट में भी छा गए हैं और टी 20 वर्ल्ड कप में जीत हासिल की है। एक ऐसा सपना जिसे पूरा करना उनके लिए मुश्किल होगा। लेकिन यह हकीकत है और यह अभी और यहीं है।

ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने जीता स्वर्ण पदक

नयी दिल्ली, (वार्ता)। दो बार के ओलंपियन ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने गुरुवार को एशियन निशानेबाजी चैंपियनशिप 2026 में पुरुषों की 50मी राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन कर नया विश्व रिकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक जीता। आज यहां डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में मुकाबला करते हुए, 25 साल के भारतीय निशानेबाज ने फाइनल में नीलिंग, प्रोन और स्टैंडिंग राउंड के बाद कुल 362.0 के साथ अपने खिताब का बचाव किया। कुल मिलाकर, यह एशियन चैंपियनशिप में ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर का पांचवां व्यक्तिगत निशानेबाजी पदक है। इससे पहले उन्होंने दोहा 2019 में कांस्य, चांगवोन 2023 में स्वर्ण, जकार्ता 2024 में रजत और शिमकेंट 2025 में स्वर्ण पदक जीता था। भारत ने पुरुषों की 50मी राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में भी क्लीन स्वीप किया, जिसमें नीरज कुमार ने 361.8 के साथ रजत और अखिल श्योरण ने 343.5 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता। इससे पहले, नीरज, ऐश्वर्य और अखिल की तिकड़ी ने क्वालिफिकेशन राउंड में कुल 1769-106 स्कोर करके भारत को टीम स्वर्ण दिलाया। जापान 1754-86 के साथ दूसरे स्थान पर रहा, जबकि कजाकिस्तान ने 1748-87 के साथ कांस्य पदक जीता। नीरज 593-34 के साथ क्वालिफाइंग में शीर्ष पर रहे, उनके बाद रुद्रांक्ष पाटिल (591-33) रहे, जिन्होंने रैंकिंग पॉइंट्स ओनली (आरपीओ) के लिए मुकाबला किया। ऐश्वर्य (588-40) क्वालिफिकेशन में तीसरे और अखिल (588-32) चौथे स्थान पर रहे। आरपीओ के लिए निशानेबाजी कर रहे निखिल तंवर ने 587-29 के साथ छठा स्थान हासिल किया। आज मिले पदकों के साथ चैंपियनशिप में भारत के पदकों की कुल संख्या 26 हो गई है।

भारत उज़्बेकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया दक्षिण कोरिया के साथ एक ग्रुप में

कुआलालंपुर (वार्ता)। गुरुवार को मलेशिया के कुआलालंपुर में एएफसी हाउस में हुए फ़ाइनल ड्रॉ के बाद, भारत को एएफसी अंडर-17 एशियन कप सऊदी अरब 2026 के ग्रुप डी में मौजूदा चैंपियन उज़्बेकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया के साथ रखा गया है। यह टूर्नामेंट 5 से 22 मई तक खेला जाएगा। ऑल इंडिया फुटबॉल फ़ेडरेशन (एआईएफएफ) की वेबसाइट के मुताबिक, भारत ने ईरान, लेबनान, फ़िलिस्तीन और चीनी ताइपे से आगे अपने क्वालिफ़ाइंग ग्रुप में टॉप करके 10वीं बार कॉन्टिनेंटल शोपीस के लिए क्वालिफ़ाई किया है। ब्लू कोल्ट्स अपने कैंपेन की शुरुआत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ करेंगे, जिसके बाद उनका सामना उज़्बेकिस्तान और दक्षिण कोरिया से होगा। उज़्बेकिस्तान ने टूर्नामेंट में मौजूदा चैंपियन के तौर पर एंट्री की थी और ऑटोमैटिकली क्वालिफ़ाई कर लिया था। ऑस्ट्रेलिया, जो 2025 में ग्रुप स्टेज में बाहर हो गया था, ने क्वालिफायर में जॉर्डन, भूटान और फिलीपींस पर जीत के साथ अपनी जगह पक्की कर ली। दो बार के पूर्व चैंपियन दक्षिण कोरिया ने पिछले एडिशन में सेमीफाइनल में पहुंचकर अपनी जगह पक्की कर ली। ग्रुप ए में, मेजबान सऊदी अरब को ताजिकिस्तान, थाईलैंड और म्यांमार के साथ रखा गया था। ग्रुप बी में जापान, इंडोनेशिया, चीन और कतर शामिल हैं, जबकि ग्रुप सी में रिपब्लिक ऑफ़ कोरिया, यमन, वियतनाम और यूनाइटेड अरब अमीरात शामिल हैं।

अमेरिका को हासिल करनी होगी नीदरलैंड्स पर जीत

चेन्नई (वार्ता)

मुंबई में खेले अपने पहले ग्रुप मुक़ाबले में संयुक्त राज्य अमेरिका ने भारत के सामने चुनौती पेश की लेकिन कोलंबो में पाकिस्तान की टीम उनके ऊपर हावी रही। शुक्रवार को नीदरलैंड्स के खिलाफ़ लगातार तीसरी हार उन्हें सुपर-8 की दावेदारी से बाहर कर सकती है। इतिहास भी अमेरिका के पक्ष में नहीं हैं, पुरुष टी20 में नीदरलैंड्स के खिलाफ़ तीनों मुक़ाबले में उन्हें हार मिली है। अभ्यास मैच में अमेरिका ने न्यूज़ीलैंड को परेशानी में डाला था लेकिन इसके बाद चोटों ने उनकी टीम को कमज़ोर किया है। तेज गेंदबाज अली ख़ान ग्रोइन इंजरी से उबर रहे हैं जबकि जसदीप सिंह कंधे की चोट के चलते टी20 विश्व कप 2026 से बाहर हो चुके हैं, उनकी जगह पर पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज़ एहसना आदिल को दल में शामिल किया गया है। आदिल को दूसरे मुक़ाबले में सीधे एकादश में जगह मिली थी लेकिन तीन ओवरों में उन्होंने 39 रन ख़र्च किए थे। यह देखना होगा कि अपना घुटना चोटिल कर बैठे शुभम रांजने इस मुक़ाबले के लिए पूरी तरह फ़िट हो पाते हैं या नहीं। अमेरिका अभी तक अपनी सलामी जोड़ी तय नहीं कर पाया है। साईतेजा मुक्कामल्ला को भारत के खिलाफ़ एक असफल पारी खेलने के बाद अगले मुक़ाबले से बाहर कर दिया गया। जबकि विश्व कप से पहले वह अमेरिका के सबसे सफल बल्लेबाज़ थे और उन्होंने न्यूज़ीलैंड के खिलाफ़ अभ्यास मैच में 31 गेंदों पर 50 रन भी बनाए थे। नीदरलैंड्स नामीबिया के खिलाफ़ बास डी लीडे के ऑलराउंड प्रदर्शन से जीत के बाद आत्मविश्वास से भरा होगा। उनके पास बल्लेबाज़ी में गहराई है और रोलॉफ़ वैन डर मर्व नंबर नौ पर बल्लेबाज़ी करते हैं जबकि उनके पास गेंदबाज़ी के काफ़ी विकल्प भी हैं। टूर्नामेंट के पहले मुक़ाबले में उन्होंने पाकिस्तान को चुनौती भी दी थी। नीदरलैंड्स चेन्नई की परिस्थितियों से भी परिचित है क्योंकि पिछले महीने एक सप्ताह तक पूरे दल ने चेन्नई सुपर किंग्स अकादमी में अभ्यास किया था।

संभावित एकादश

नीदरलैंड्स: 1 मैक्स ओडाउड, 2 माइकल लेविट, 3 बास डी लीडे, 4 कॉलिन एकरमैन, 5 स्कॉट एडवर्ड्स (कप्तान और विकेटकीपर), 6 ज़ैक लायन-काचैट, 7 लोगान वान बीक, 8 आर्यन दत्त, 9 रोलॉफ़ वैन डर मर्व, 10 टिम वैन डर गुगटेन, 11 फ़्रेड क्लासन

अमेरिका : 1 एंड्रिएस गौस (विकेटकीपर), 2 शयान जहांगीर/साईतेजा मुक्कामल्ला, 3 मोनांक पटेल (कप्तान), 4 मिलिंद कुमार, 5 संजय कृष्णमूर्ति, 6 शुभम रंजाने, 7 हरमीत सिंह , 8 मोहम्मद मोहसिन, 9 शैडली वान शाल्कविक, 10 सौरभ नेत्रवलकर, 11 अली ख़ान/एहसान आदिल

वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबले में हम ज्यादा सावधान थे : हैरी ब्रूक

मुंबई, (वार्ता)। इंग्लैंड के बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने माना कि उनकी टीम टी 20 वर्ल्ड कप ग्रुप सी के मैच में वेस्टइंडीज के खिलाफ 30 रन से हार गई, लेकिन लक्ष्य का पीछा करते समय ज्यादा सावधान थी। 197 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए, इंग्लैंड की टीम तेज शुरुआत के बावजूद 19 ओवर में 166 रन पर आउट हो गई, जिसमें सैम करेन ने सबसे ज्यादा 43 रन बनाए। ब्रूक ने मैच के बाद प्रेजेंटेशन में कहा, एक बात मैं कहूंगा कि हम शायद थोड़े सावधान थे। लगभग 200 रन का पीछा करना हमेशा एक बड़ी चुनौती होती है, और हमने सोचा था कि पिच थोड़ी बेहतर होगी और बल्ले पर थोड़ी और स्लाइड करेगी, और ऐसा नहीं हुआ। ब्रूक ने माना कि इंग्लैंड गेंद से अपना बेस्ट नहीं दे रहा था और उसने वेस्टइंडीज को थोड़ा बेहतर स्कोर बनाने दिया। उन्होंने आगे कहा, शायद हमने उतना अच्छा नहीं खेला जितना हम आमतौर पर करते हैं। शायद उन्हें 15 या 20 रन ज़्यादा मिल गए। हमें लगा कि इसे हासिल किया जा सकता है। हमने ओस के लिए प्लान बनाया था, और ओस उतनी नहीं पड़ी जितनी हमने सोची थी, और गेंद बल्ले पर उतनी नहीं आई जितनी हम उम्मीद कर रहे थे। इंग्लैंड ने 3.2 ओवर में 38 रन बना लिए, जिसमें फिल साल्ट ने 30 रन बनाये। हालांकि, वेस्ट इंडीज़ के स्पिनर रोस्टन चेज़, गुडाकेश मोती और अकील होसेन ने पावरप्ले के बाद ब्रेक लगा दिए। इन तीनों ने आखिरी नौ में से छह विकेट लिए, जिससे इंग्लैंड 12.3 ओवर में 92 रन पर ये विकेट खोकर टारगेट से चूक गया। ब्रूकक ने कहा, टी-20 क्रिकेट बहुत ही चंचल खेल है, और वेस्ट इंडीज बहुत ही मज़बूत टीम है। इस नतीजे के बाद इंग्लैंड ग्रुप सी की स्टैंडिंग में वेस्ट इंडीज और स्कॉटलैंड के बाद तीसरे स्थान पर है।

चावल, गेहूं, दालें नरम- चीनी मजबूत,तेलों में घट-बढ़

नयी दिल्ली (वार्ता)। घरेलू थोक जिंस बाजारों में गुरुवार को चावल के औसत भाव घट गये। चावल के साथ गेहूं और दालों में भी गिरावट रही। चीनी के दाम बढ़ गये जबकि खाद्य तेलों की कीमतों में उतार-चढ़ाव रहा। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 14 रुपये घटकर 3,836 रुपये प्रति क्विंटल पर रही। गेहूं की कीमत 18 रुपये फिसलकर 2,847 रुपये प्रति क्विंटल पर आ गयी। आटा भी छह रुपये महंगा हुआ। दाल-दलहनों में नरमी रही। उड़द दाल औसतन 20 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। चना दाल की कीमत 15 रुपये और मूंग दाल की दो रुपये प्रति क्विंटल घट गयी। तुअर दाल और मसूर दाल में टिकाव रहा। विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का अप्रैल वायदा 24 रिंगिट टूटकर 4,037 रिंगिट प्रति टन रह गया। अमेरिकी सोया तेल का मार्च वायदा 0.63 प्रतिशत की मजबूती के साथ 57.41 सेंट प्रति पौंड बोला गया। स्थानीय बाजारों में मूंगफली तेल की औसत कीमत 33 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। सरसों तेल 99 रुपये और सूरजमुखी तेल 77 रुपये सस्ता हुआ। पाम ऑयल की कीमत 60 रुपये और वनस्पति की 51 रुपये घट गयी। सोया तेल में 34 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट रही। मीठे के बाजार में आज गुड़ के औसत भाव 17 रुपये प्रति क्विंटल उतर गये। वहीं, चीनी तीन रुपये महंगी हुई। दाल चना 7768.90 रुपये, मसूर काली 8121.84 रुपये, मूंग दाल 10127.99 रुपये, उड़द दाल 10595.21 रुपये, तुअर दाल 11062.95 रुपये प्रति क्विंटल रहे।

सेल बिक्री का लक्ष्य बढ़ाकर 200 लाख टन किया

नयी दिल्ली (वार्ता)। देश की सबसे बड़ी सार्वजनिक इस्पात कंपनी भारतीय इस्पात प्राधिकरण (सेल) ने चालू वित्त वर्ष के लिए बिक्री का लक्ष्य बढ़ाकर 200 लाख टन कर दिया है। मौजूदा वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के वित्तीय परिणामों पर आयोजित कॉन्फ्रेंस कॉल के दौरान सेल के निदेशक (वित्त) डॉ. ए.के. पंडा ने कहा, कंपनी कर्ज कम करके, इन्वेंट्री की अधिक कुशलता से प्रबंधन करके और केंद्रित विपणन पहलों के मध्यम से अपनी पहुंच का विस्तार करके, विस्तारीकरण की तैयारी के साथ-साथ अपनी नींव को मजबूत कर रही है। हम वित्त वर्ष 2025-26 में लगभग 200 लाख टन की बिक्री हासिल करने और आने वाले वर्षों में और भी ऊंचे लक्ष्य निर्धारित करने के प्रति आश्वस्त हैं। वित्त वर्ष 2024-25 में सेल की बिक्री 179 लाख टन रही थी। अब वित्त वर्ष 2025-26 में इसे बढ़ाकर 200 लाख टन किया गया है। पहले नौ महीने में बिक्री 16.3 प्रतिशत बढ़कर 166 लाख टन पर पहुंच गयी। सालाना मैनपावर में कमी से प्रति टन कार्मिक लागत दक्षता में लगातार सुधार हो रहा है। कंपनी लागत कम करने के लिए भी अधिक नवीकरणीय ऊर्जा का इस्तेमाल कर रही है, जिससे ऊर्जा व्यय में संरचनात्मक बचत हो रही है। उन्होंने कहा कि तिमाही के दौरान ऋण में कटौती काफी महत्वपूर्ण रही है। अप्रैल-दिसंबर 2025 की नौ महीने की अवधि के दौरान 5,000 करोड़ रुपये का ऋण चुकता किया गया और 31 दिसंबर 2025 को कंपनी का कुल ऋण 24,852 करोड़ रुपये रहा गया। जनवरी 2026 में इसमें 2,000 करोड़ रुपये की और कमी आयी है।

जर्मनी में जैविक उत्पादों की प्रदर्शनी में इस वर्ष के प्रमुख देश के रूप में उपस्थित है भारत

नयी दिल्ली (वार्ता) भारत ने जर्मनी के नूर्नबर्ग में आयोजित जैविक उत्पादों के लिए दुनिया के अग्रणी व्यापार मेले, बायोफैच जर्मनी 2026 के उद्घाटन में वर्ष का देश के रूप में महत्वपूर्ण उपस्थिति दर्ज की। इसका उद्घाटन हुआ जिसमें पूर्वोत्तर के राज्यों सहित देश के विभिन्न राज्यों के बड़ी संख्या में निर्यातक और उत्पादक तथा सरकारी प्रतिनिधियों की उपस्थिति थी। मेले में इस प्रदर्शनी में भारत की भागीदारी का नेतृत्व वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत आने वाली एजेंसी कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) कर रही है। इस मेले में आने वाले कारोबारियों को भारतीय जैविक उत्पादों, मूल्य सृजन मॉडल और साझेदारी के अवसरों के बारे में जानकारी प्रदान की जा रही है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार बायोफैच 2026 के उद्घाटन समारोह में, जर्मनी के कृषि, खाद्य और क्षेत्रीय पहचान संबंधी मामलों के मंत्री एलोइस रैनर, यूरोपीय आयोग की कृषि और ग्रामीण विकास महानिदेशक एलिजाबेथ वर्नर भी उपस्थित थी। उद्घाटन समारोह में वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने जैविक उत्पादों के क्षेत्र में भारत की अग्रणी स्थिति पर प्रकाश डाला। उन्होंने भारत के जैविक विनियमन, राष्ट्रीय जैविक उत्पादन कार्यक्रम (एनपीओपी) में किए गए प्रमुख संशोधनों को रेखांकित किया, जो भारत के जैविक ढांचे की विश्वसनीयता को और मजबूत करते हैं। उन्होंने भारत और यूरोपीय संघ के बीच अनुपूरकों पर भी जोर दिया, उनकी संयुक्त जनसांख्यिकीय और आर्थिक ताकत को देखते हुए। भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते की वार्ता के सफल समापन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह समझौता द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंधों को बढ़ाएगा, लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करेगा और सतत विकास का समर्थन करेगा। उन्होंने जैविक व्यापार को और विस्तारित करने के लिए भारत और यूरोपीय संघ के बीच ऑर्गेनिक्स पर पारस्परिक मान्यता समझौते को जल्द से जल्द संपन्न करने का भी आह्वान किया। इस अवसर पर बर्लिन में भारतीय दूतावास के मिनिस्टर (पर्सनेल), डॉ. मंदीप सिंह तुली, म्यूनिख में भारत के कॉन्सुल जनरल शत्रुघ्न सिन्हा, अरुणाचल प्रदेश सरकार के उद्योग विभाग के सचिव हेगे तारी के साथ केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

खुदरा महंगाई की नयी सीरीज में खाद्य पदार्थों का भारांश घटाया

नयी दिल्ली (वार्ता)

ई-कॉमर्स की कीमतों को मिली जगह

सरकार ने साल 2024 के आधार पर खुदरा महंगाई की नयी सीरीज में कई बदलाव किये हैं जिसमें खाद्य पदार्थों और शिक्षा वर्गों के भारांश कम कर दिये गये हैं जबकि ई-कॉमर्स की कीमतों को पहली बार मुद्रास्फीति की गणना में शामिल किया गया है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने जनवरी 2026 के आंकड़े जारी करते हुए बताया कि पुरानी सीरीज में 299 वस्तुओं एवं सेवाओं को जगह दी गयी थी जबकि नयी सीरीज में 358 वस्तुओं एवं सेवाओं को शामिल किया गया है। इसमें वस्तुओं की संख्या 259 से बढ़ाकर 308 और सेवाओं की संख्या 40 से बढ़ाकर 50 की गयी है।खाद्य एवं पेय पदार्थों का भारांश 45.86 से घटाकर 36.75 कर दिया गया है। इसका मतलब है कि अब इस वर्ग की महंगाई का सकल महंगाई दर पर पहले के मुकाबले कम असर होगा। शिक्षा सेवाओं तथा वस्तुओं का भारांश भी कम किया गया है जबकि स्वास्थ्य का भारांश बढ़ाया गया है। पुराने विविध समूह से शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, घरेलू वस्तुओं एवं सेवाओं को अलग कर दिया गया है। अब इस मुख्य समूह को व्यक्तिगत प्रसाधन, सामाजिक सुरक्षा और विविध वस्तु एवं सेवा नाम दिया गया है। इसका भारांश 28.32 से घटाकर 5.04 हो गया है। इसमें सोना-चांदी भी शामिल हैं। अलग किये गये स्वास्थ्य वर्ग का भारांश 6.10 प्रतिशत तय किया गया है, पहले इसे उपवर्ग को 5.89 भारांश दिया गया था। शिक्षा का भारांश 4.46 से घटाकर 3.33 किया गया है। परिवहन एवं संचार उपवर्ग को पहले 8.59 भारांश मिला था। अब परिवहन को 8.80 और सूचना एवं संचार को 3.61 का भारांश दिया गया है। ईंधन एवं बिजली वर्ग (भारांश 6.84) को समाप्त कर आवास, जल, बिजली, गैस एवं अन्य ईंधन का नया वर्ग बनाया गया है जिसे 17.67 का भारांश दिया गया है। पहले आवास को 10.07 का भारांश दिया गया था और यह सिर्फ शहरी आवास की लागत को जगह मिली थी। अब ग्रामीण इलाकों में आवास के किराये को भी नयी सीरीज में जगह दी गयी है। कपड़ों और जूते-चप्पलों के वर्ग का भारांश 6.53 प्रतिशत से घटाकर 6.38 प्रतिशत किया गया है। पान तंबाकू और नशीले पदार्थों के वर्ग का भारांश 2.38 प्रतिशत से बढ़ाकर 2.99 कर दिया गया है। नयी सीरीज में रेस्त्रां एवं होटलों आदि की आवासीय सेवा का नया वर्ग बना है जिसे 3.35 का भारांश दिया गया है। मनोरंजन खेल एवं संस्कृति वर्ग को 1.52 और फर्निशिंग, घरेलू उपकरण एवं नियमित घरेलू रखरखाव श्रेणी को 4.47 भारांश दिया गया है। एनएसओ ने बताया कि इस विस्तार से मुद्रास्फीति के आंकड़ों में सेवा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व मजबूत होता है जो आज से समय में घरेलू खर्च में अधिक हिस्सेदारी रखते हैं। डिजिटल एवं प्रशासनिक स्रोतों पर उपलब्ध आंकड़ों जैसे टेलीफोन शुल्क, रेल किराया, हवाई किराया, ईंधन, डाक शुल्क और ऑनलाइन मीडिया तथा ओटीटी सेवा आदि को भी नयी सीरीज में ज्यादा प्रमुखता मिली है। खास बात यह है कि पहली बार 25 लाख से अधिक की आबादी वाले 12 शहरों में ऑनलाइन मार्केट प्लेस को भी एक बाजार माना गया है और वहां उपलब्ध मूल्य के आंकड़ों को गणना में जगह दी गयी है।

भवन निर्माण में उत्कृष्ट दृष्टिकोण के साथ दीर्घकालीन कार्य योजना अपनायें : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंजीनियर्स की एक दिवसीय क्षमता संवर्धन कार्यशाला का किया शुभारंभ

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि निर्माण सिर्फ ईंट-पत्थर का संयोजन नहीं, एक अभिनव कला है। इसमें उत्कृष्ट दृष्टिकोण के साथ दीर्घकालिक कार्य योजना को अपनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बदलते समय की आवश्यकताओं के अनुरूप अब हर निर्माण कार्य में कन्सेप्चुअल और क्वालिटेटिव एप्रोच अनिवार्य रूप से दिखाई देना चाहिए। गुणवत्ता से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाना चाहिए। प्रदेश के विकास के लिए हम सभी को पूरी क्षमता दक्षता से काम करना होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को रवीन्द्र भवन में लोक निर्माण विभाग अन्तर्गत मध्यप्रदेश भवन विकास निगम द्वारा आयोजित एक दिवसीय क्षमता संवर्धन कार्यशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। लोक निर्माण विभाग के तकनीकी अधिकारियों, वरिष्ठ एवं कनिष्ठ अभियंताओं को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वैचारिक प्रतिबद्धता और कार्यशैली में जड़ता से बचने और बदलती तकनीकों के अनुरूप स्वयं को अद्यतन रखने के लिए कौशल संवर्धन अत्यंत आवश्यक है। ऐसी कार्यशालाएं अभियंताओं की स्किल्स को रिफ्रेश करती हैं और उन्हें नई ऊर्जा प्रदान करती हैं। उन्होंने निर्माण कार्यों में दीर्घकालिक दृष्टि, नवाचार और पारदर्शिता को प्राथमिकता देने पर जोर दिया।

हमारे इंजीनियर्स साक्षात् भगवान विश्वकर्मा के अवतार हैं-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में पीएम गतिशक्ति योजना के माध्यम से लोक निर्माण विभाग नवाचारों को धरातल पर उतार रहा है। वर्तमान समय में हमारे इंजीनियर्स साक्षात् भगवान विश्वकर्मा के अवतार हैं। लोक निर्माण विभाग ने पिछले 2 वर्षों के कार्यों के आधार पर अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई है। इस अवधि में सराहनीय कार्य हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गीता के अंतिम अध्याय में ज्ञान और विज्ञान की बात कही गई है, जिसमें मन, बुद्धि और अहंकार के साथ पंच तत्वों की व्याख्या की गई है। लोक निर्माण विभाग के इंजीनियर्स की यह कार्यशाला आधुनिक संरचनाओं के निर्माण को गति प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण पहल है। हमारे इंजीनियर्स ने सांदीपनि विद्यालय सहित बड़े-बड़े अधोसंरचनात्मक विकास के निर्माण कार्य किए हैं। सड़क, पुल, स्टेडियम और भवन जैसे निर्माण कार्य लोक निर्माण विभाग के माध्यम से ही किये जाते हैं। विभागीय इंजीनियर्स की क्षमता संवर्धन के लिए समय-समय पर प्रशिक्षण की आवश्यकता भी है। उन्होंने कहा कि इंजीनियर्स को अपना काम करने में अनेक चुनौतियों का भी सामना करना पड़ता है। आज की कार्यशाला में एमपीआईडीसी सहित देश की विभिन्न संस्थाओं के साथ समझौते हुए हैं। प्रदेश में ग्रीन बिल्डिंग के विकास को लेकर सहमति बनी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी कार्यों और नवाचारों के लिए लोक निर्माण मंत्री एवं विभाग को बधाई दीं।

तकनीक, पारदर्शिता और गुणवत्ता से बदलेगा निर्माण तंत्र-लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने क्षमता संवर्धन कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि यह केवल एक प्रशिक्षण कार्यक्रम नहीं, बल्कि विभाग की उस निरंतर सुधार यात्रा का प्रतीक है जिसमें नई सोच, नई प्रणाली और उच्च गुणवत्ता के साथ लोक निर्माण विभाग आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि जब सोच बदलती है तभी व्यवस्था बदलती है, और यह कार्यशाला विभाग के नवाचारों की श्रृंखला का एक महत्वपूर्ण कदम है।

मंत्री श्री सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश में अधोसंरचना विकास को केवल निर्माण कार्य तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि उसे सुशासन, पारदर्शिता, तकनीक और नागरिक सुविधा से जोड़ा गया है। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के दूरदर्शी नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने अधोसंरचनात्मक विकास को नई गति और दिशा दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का स्पष्ट संदेश है कि निर्माण केवल संरचना नहीं, बल्कि भविष्य की नींव है। समयबद्धता, गुणवत्ता, पारदर्शिता और पर्यावरणीय संवेदनशीलता अब विभाग की कार्य संस्कृति का अभिन्न अंग बनती जा रही है। उन्होंने कहा कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लोक निर्माण विभाग के लिए 293 इंजीनियर्स के पद भरने की स्वीकृति प्रदान की है। इसके लिए विभागीय स्तर पर कार्य जारी है।

परियोजना प्रबंधन पुस्तिका का विमोचन-कार्यशाला में प्रशिक्षण कैलेंडर और परियोजना प्रबंधन पुस्तिका का विमोचन किया गया। साथ ही परियोजना प्रबंधन प्रणाली-2.0 (डिजिटल प्रबंधन प्रणाली) का प्रदर्शन कर उसका औपचारिक शुभारंभ किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लोक निर्माण विभाग के प्रोजेक्ट मैनेजमेंट सिस्टम पीएमएस 2.0 की लॉंचिंग की।

मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम एवं मध्यप्रदेश भवन विकास निगम द्वारा केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान, भारतीय राजमार्ग अभियंता अकादमी, इंजीनियरिंग स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया, आईआईटी मुंबई तथा स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर भोपाल जैसी राष्ट्रीय प्रतिष्ठित संस्थाओं के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर भी किए गए। कार्यशाला में राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों ने क्षमता निर्माण, हरित भवन अवधारणा, आधुनिक निर्माण तकनीक, गुणवत्ता नियंत्रण और नवाचार जैसे विषयों पर मार्गदर्शन दिया।

मुख्यमंत्री के नोहटा में प्रस्तावित दौरे से हटा को बड़ी सौगात की उम्मीद

सड़क, फ्लाईओवर, शिक्षा-स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर उठी प्रमुख मांगें

हटा (स्वतंत्र मत)।

जिले में नोहटा में आज मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर हटा नगर में विकास को नई गति मिलने की उम्मीद जगी है। स्थानीय विधायक श्रीमती उमादेवी खटीक एवं जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री से नगर और क्षेत्र की बहुप्रतीक्षित समस्याओं के समाधान तथा नई विकास परियोजनाओं की घोषणा करने की मांग उठाई है। नगर में निर्माणाधीन फोरलेन सड़क कार्य के चलते पेयजल पाइपलाइन शिफ्टिंग का मुद्दा प्रमुखता से सामने आया है। जनप्रतिनिधियों का कहना है कि यदि समय रहते पाइपलाइन को व्यवस्थित रूप से शिफ्ट नहीं किया गया तो भविष्य में जल आपूर्ति बाधित हो सकती है।

इसे ध्यान में रखते हुए समुचित योजना बनाकर कार्य कराने की आवश्यकता जताई गई है। हटा नगर में बढ़ते यातायात दबाव को देखते हुए फ्लाईओवर निर्माण की मांग भी तेज हो गई है। नागरिकों का मानना है कि इससे जाम की समस्या कम होगी और दुर्घटनाओं की आशंका भी घटेगी।

क्षेत्र में उच्च शिक्षा सुविधाओं के विस्तार को लेकर कृषि महाविद्यालय एवं महिला महाविद्यालय की स्थापना की मांग लंबे समय से की जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इन संस्थाओं की स्थापना से विद्यार्थियोंए विशेषकर बालिकाओं को बाहर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी और क्षेत्रीय विकास को बल मिलेगा। स्वास्थ्य सेवाओं में सिविल अस्पताल में स्त्रीरोग विशेषज्ञ की पदस्थापना, सोनोग्राफी एवं एक्सरे जैसी आधुनिक जांच सुविधाओं के विस्तार की आवश्यकता बताई गई है। नागरिकों का कहना है कि इन सुविधाओं के अभाव में मरीजों को अन्य शहरों की ओर रुख करना पड़ता है। नगर के युवाओं की प्रतिभा को प्रोत्साहन देने के लिए इनडोर खेल स्टेडियम निर्माण की मांग भी प्रमुखता से रखी गई है। खेल प्रेमियों का मानना है कि इससे युवाओं को बेहतर प्रशिक्षण और अवसर मिल सकेंगे। गैसाबाद पुल पर आवागमन बन्द करने और हटा नगर में पुरानी टंकी बन्द करने से उपजे संकट पर भी मुख्यमंत्री का ध्यान आकर्षित कराया जा सकता है।

मुख्यमंत्री के संभावित दौरे को लेकर नगरवासियों में उत्साह और अपेक्षाएं दोनों दिखाई दे रही हैं। अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि हटा को विकास की कौन-कौन सी नई सौगात मिलती हैं और गैसाबाद पुल और नगर के पेयजल संकट से किस तरह निजात मिल सकती है।

आईटीआई दमोह के दो प्रशिक्षार्थियों का अग्निवीर में चयन

दमोह (स्वतंत्र मत)। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था आईटीआई दमोह के लिए गौरव का विषय है कि इलेक्ट्रीशियन ट्रेड सत्र 2022-24 के दो प्रशिक्षार्थियों सत्यम चौबे पिता भगवानदास चौबे एवं निशांत चौबे पिता बबलू चौबे का चयन भारतीय सेना में अग्निवीर टेक्नीशियन के पद पर हुआ है। दोनों चयनित युवा वर्तमान में सिकंदराबाद तेलंगाना में सैन्य प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात उन्होंने शासकीय आईटीआई दमोह से इलेक्ट्रीशियन ट्रेड में दो वर्षीय तकनीकी प्रशिक्षण लिया था। अग्निवीर भर्ती प्रक्रिया में तकनीकी योग्यता के आधार पर दोनों को बोनस अंक प्राप्त हुएए जिससे चयन प्रक्रिया में उन्हें महत्वपूर्ण लाभ मिला। शारीरिक दक्षता परीक्षा, लिखित परीक्षा एवं दस्तावेज सत्यापन सहित सभी चरणों में उन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सफलता अर्जित की। इस उपलब्धि के पीछे दोनों प्रशिक्षार्थियों के माता-पिता का निरंतर प्रोत्साहन एवं अनुशासन महत्वपूर्ण रहा। साथ ही प्रशिक्षण अधिकारी बहादुर सिंह के मार्गदर्शन एवं संस्था प्राचार्य के कुशल नेतृत्व का भी विशेष योगदान रहा।

ईको क्लब के अंतर्गत विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी परियोजना का आयोजन

दमोह (स्वतंत्र मत)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, ज्ञानचंद्र श्रीवास्तव शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय दमोह में ईको क्लब के अंतर्गत विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी/परियोजना का आयोजन 11 फरवरी को किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि प्रो. डॉ. शमा जेपी खानम एकलव्य विश्वविद्यालय तथा निर्णायक टीम में डॉ. संध्या पिंपलापुरे प्रोफेसर रसायन शास्त्र एवं डॉ. एनआर सुमन एचओडी वनस्पति शास्त्र विभाग रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण हितैषी जीवन शैली अपनाना एवं पर्यावरण संरक्षण था। प्रदर्शनी परियोजना कार्यक्रम महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. पीके जैन के मार्गदर्शन एवं अध्यक्षता में संपन्न हुए। कार्यक्रम में चलित एवं अचलित विज्ञान मॉडलों का प्रदर्शनी एवं परियोजना के तहत बीज बैंक संरक्षण, महाविद्यालय के नए भवन के डीईएफ कक्ष में लगाया गया। कार्यक्रम प्रभारी डॉ. मीरा माधुरी महंत ने ईको क्लब के उद्देश्य एवं रूपरेखा प्रस्तुत किया। डॉ. जैन द्वारा हरित शपथ कराया गया, विशिष्ट अथिति डॉ. खानम द्वारा पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन हेतु छात्र-छात्राओं को अपना वक्तव्य दिए। साथ ही बताया कि पर्यावरण के प्रदूषित होने से आज मानव किसी न किसी भयंकर बीमारी से ग्रसित हो रहा है। इसी क्रम में अपने वक्तव्य में डॉ. सुमन ने बताया कि पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को जागरूक होना अति आवश्यक है।

अतिरुद्र यज्ञ और भागवत कथा से भक्तिमय बनी आस्था नगरी हटा

सीता विवाह प्रसंग ने बांधा समां, झूले और दुकानों से गुलजार रहा परिसर

हटा (स्वतंत्र मत)। नगर इन दिनों धर्म, भक्ति और उल्लास के अद्भुत संगम का साक्षी बना हुआ है। अतिरुद्र यज्ञ, श्रीमद्भागवत कथा और रामलीला मंचन के साथ सजा मेला परिसर श्रद्धालुओं की आस्था और उत्साह से सराबोर है। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच यज्ञ में आहुतियां दी जा रही हैं। वहीं असंख्य शिवलिंगों का निर्माण कर श्रद्धालु रुद्राभिषेक कर रहे हैं। पूरा वातावरण शिवमय और भक्तिमय बना हुआ है। श्रीमद्भागवत कथा के दौरान अजबधाम के देव रामकुमार मंदिर के महंत रामनुग्रह दास छोटे सरकार का बुंदेली परंपरा अनुसार पगड़ी बांधकर स्वागत किया गया। व्यासपीठ से अनिल शास्त्री ने भी उनका सम्मान किया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने संतों का आशीर्वाद प्राप्त किया और कथा का रसपान किया।

सीता विवाह प्रसंग ने किया भावविभोर

रामलीला मंचन में जैसे ही सीता विवाह का प्रसंग प्रस्तुत हुआए मेला परिसर जय श्रीराम और हर-हर महादेव के जयघोष से गूंज उठा। भगवान श्रीराम और माता सीता के दिव्य विवाह दृश्य को देखने बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कलाकारों के भावपूर्ण अभिनय, मंगल गीतों और पुष्पवर्षा ने ऐसा वातावरण निर्मित किया कि दर्शक मानो त्रेतायुग की स्मृतियों में पहुंच गए हों। धार्मिक आयोजनों के साथ लगे मेले ने भी लोगों को खूब आकर्षित किया है। बड़ा झूला, ड्रैगन ट्रेन, नाव झूला और बच्चों के छोटे झूलेकृसभी आयु वर्ग के लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। हटा में मनोरंजन के सीमित साधनों के कारण लोग इन झूलों का भरपूर आनंद लेते दिखाई दे रहे हैं। शाम होते ही रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगाता मेला क्षेत्र किसी उत्सव से कम नहीं लगता। परिवारों के साथ घूमते नागरिकों से पूरा परिसर गुलजार रहता है।

खरीदारी से बढ़ा व्यापार

मेले में सजी घरेलू उपयोग की वस्तुओं, खिलौनों, श्रृंगार सामग्री, कपड़ों, आभूषणों, बर्तनों, मिठाइयों और खानपान की दुकानों पर खरीदारों की भीड़ उमड़ रही है। विशेष रूप से महिलाओं की उल्लेखनीय भागीदारी देखने को मिल रही है।

दुकानदारों का कहना है कि धार्मिक आयोजन के कारण दूरदराज के गांवों से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं जिससे व्यापार में अच्छी बढ़ोतरी हुई है। हटा में चल रहा यह आयोजन केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं हैए बल्कि सामाजिक मेलजोल और आर्थिक गतिविधियों का भी प्रमुख केंद्र बन गया है।

मीडिया के साथ मारपीट और पत्थरबाजी मामले में देर रात दर्ज हुई एफआईआर

दमोह (स्वतंत्र मत)। जिले में बुधवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में किए गए विरोध प्रदर्शन के दौरान जबरन बैरिकेटिंग तोड़कर अंदर प्रवेश करने के बाद परिसर में मौजूद पत्रकारों के साथ की गई अभद्रता मारपीट और पत्थरबाजी के मामले में देर रात कोतवाली थाना में 3 लोगों पर नामजद और एक अज्ञात पर बीएनएस और एससीएसटी के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। मामले में महेंद्र लोधी निवासी दमोह, पुष्पेंद्र लोधी निवासी चंडीचौपरा, पुष्पेंद्र लोधी निवासी आरोपी बनाए गए है। आरोप है कि इन लोगों द्वारा कवरेज कर रहे पत्रकारों के साथ अभद्रता, मारपीट करते उनके साथ छीनाझपटी की गई। इस दौरान एक अनुसूचित जाति के पत्रकार के साथ भी आरोपियों द्वारा मारपीट की गई है। इस घटनाक्रम के बाद भी असामाजिक तत्वों द्वारा लगातार सोशल मीडिया पर अभद्र, भड़काऊ और जातिगत संघर्ष को बढ़ावा देने वाली पोस्ट और वीडियो की जाती रही और प्रशासनिक अधिकारियों के संबंध में भी अत्यंत अपमानजनक टिप्पणियां की जाती रही। इस घटना के बाद जिले भर के पत्रकारों ने अपना विरोध जताया और पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों के समक्ष जताया और इस तरह का कृत्य करने बालों पर कड़ी कार्यवाही करने की मांग की।

अपराध को छिपाकर बना रहे जातीय संघर्ष-इस पूरे मामले में जिले भर के पत्रकारों ने अपनी कड़ी प्रतिक्रिया जताई है। पत्रकारों का कहना है कि कुछ असमाजिक तत्वों द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर खुद को पत्रकार लिखते हुए लगातार वैमनस्यता और जातिगत संघर्ष बढ़ाने की मंशा से आपत्तिजनक पोस्ट और लाइव वीडियो चलाए जा रहे है। ऐसे लोग राजनीतिक लाभ की मंशा के साथ, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के प्रस्तावित दौरे पर हिंसा या उपद्रव की स्तिथि बनाना चाहते है। सामने आए पोस्ट और वीडियो से यह स्पष्ट है कि इस पूरे घटनाक्रम में मीडियाकर्मियों के साथ की गई अभद्रता और मारपीट को छिपाते हुए, इसे वर्ग संघर्ष का मुद्दा बनाने और मामले के आरोपियों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है।

टोल जनता का, मुनाफ़ा निजी हाथों का

भाजपा सरकार का टोल मॉडल या खुला राजस्व घोटाला : पटवारी

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रदेश की भाजपा सरकार और केंद्र की मोदी सरकार पर टोल वसूली व्यवस्था को लेकर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि मध्य प्रदेश में टोल अब मात्र उपयोगकर्ता शुल्क नहीं रहा, बल्कि जनता से संगठित लूट और निजी कंपनियों को संरक्षित मुनाफा देने का साधन बन चुका है। श्री पटवारी ने कहा कि प्रदेश में कई टोल परियोजनाएँ ऐसी हैं जहाँ परियोजना की मूल लागत और निर्धारित लाभांश (रिटर्न) वर्षों पहले ही वसूल हो चुका है, फिर भी टोल वसूली जारी है। इसके अलावा, बिना पारदर्शी रिटेंडरिंग या ओपन बिडिंग प्रक्रिया के कई टोल नाकों को सीधे आउटसोर्स कर दिया गया है, जिसमें सरकार को मात्र 30 प्रतिशत राजस्व हिस्सा मिलता है और शेष 70 प्रतिशत निजी संचालकों को चला जाता है।

कानून, नीति और संविधान की भावना का उल्लंघन

श्री पटवारी ने राष्ट्रीय राजमार्ग शुल्क (दर निर्धारण और संग्रह) नियम, 2008 का हवाला देते हुए कहा कि ये नियम स्पष्ट रूप से कहते हैं कि टोल वसूली अनुबंध अवधि और शर्तों तक ही सीमित होनी चाहिए। बीओटी मॉडल के तहत लागत वसूली के बाद सड़क का संचालन अधिकार सरकार को हस्तांतरित होना चाहिए। फिर भी मध्य प्रदेश में कई परियोजनाओं की अवधि समाप्त होने के बावजूद टोल वसूली जारी है, जो कानूनी उल्लंघन है। कैग की पिछली रिपोर्टों में भी कई राज्यों में अतिरिक्त टोल वसूली, अनुबंध उल्लंघन और राजस्व हानि की बात कही गई है, लेकिन भाजपा सरकार ने कोई सबक नहीं लिया।

भ्रष्टाचार का क्लासिक उदाहरण

श्री पटवारी ने सवाल उठाया कि कितने टोल प्लाजा ऐसे हैं जिनकी मूल अनुबंध अवधि समाप्त हो चुकी है? किन-किन टोल नाकों को ई-टेंडरिंग या ओपन बिडिंग के बिना सीधे आउटसोर्स किया गया? इन कंपनियों का चयन किस आधार पर हुआ? क्या कोई स्वतंत्र तकनीकी या वित्तीय मूल्यांकन हुआ? बिना खुली निविदा प्रक्रिया के सरकारी राजस्व को निजी हाथों में सौंपना प्रशासनिक अनियमितता नहीं, बल्कि संभावित भ्रष्टाचार का स्पष्ट मामला है।

चौंकाने वाला गणित

श्री पटवारी ने उदाहरण देते हुए कहा- यदि किसी टोल प्लाजा से प्रतिदिन औसतन ?10 लाख की वसूली होती है, तो मासिक ?3 करोड़ बनते हैं। इसमें सरकार को 30 प्रतिशत यानी 90 लाख रुपए और निजी संचालक को 70 प्रतिशत यानी 2.1 करोड़ रुपए मिलता है। प्रदेश में लगभग 90-100 टोल प्लाजा हैं (राष्ट्रीय राजमार्गों पर), तो यह मासिक 210 करोड़ रुपए से अधिक की संभावित राजस्व हानि की ओर इशारा करता है। इसके इतर राज्यकीय का आंकड़ा और भी भयाभय है ये जनता के पैसे से निजी मुनाफाखोरी का खुला खेल है।

जनता से तिहरी-चौथी वसूली

मध्य प्रदेश की जनता पहले ही वाहन खरीद पर रोड टैक्स, जीएसटी, मोटर व्हीकल टैक्स, पेट्रोल-डीजल पर भारी उत्पाद शुल्क और वैट दे रही है। जब सड़क की लागत जनता पहले ही चुका चुकी है, तो अनंत काल तक टोल क्यों? यह उपयोगकर्ता शुल्क नहीं, राज्य प्रायोजित दोहन है। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी मांग करती है कि सरकार बिना आरटीआई के इंतजार किए सार्वजनिक पोर्टल पर तुरंत अपलोड करे।

सुशासन या राजस्व प्राइवेटाइजेशन?

श्री पटवारी ने कहा, जनता सड़क के लिए टैक्स दे चुकी है, फिर भी टोल जारी रखना और बिना पारदर्शी प्रक्रिया के निजी हाथों में सौंपना। यह सुशासन नहीं, भाजपा का राजस्व प्राइवेटाइजेशन मॉडल है। यदि सरकार को अपनी नीयत पर भरोसा है, तो वह सभी टोल अनुबंधों की स्वतंत्र वित्तीय ऑडिट कराए। राज्य स्तर पर श्वेत पत्र जारी करे। लागत वसूल हो चुकी परियोजनाओं को तत्काल टोल मुक्त घोषित करे। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी जनता के हित में इस मुद्दे पर लगातार संघर्ष करेगी।

श्रेया बनी शिक्षा सारथी

दमोह (स्वतंत्र मत)। असाटी समाज की बेटियां शिक्षा सारथी योजना के प्रति निरंतर अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करते हुए प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत कर रही हैं। इसी क्रम में श्रीमती सुनीता दीपक असाटी की सुपुत्री श्रेया ने क्वाड्राफोर्ट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड नोएडा में कंसलटेंट पद पर नियुक्ति प्राप्त की है। श्रेया ने अपनी प्रथम वेतन से 2100 रुपये की राशि शिक्षा का अधिकार सबको एक समान मिले उद्देश्य के तहत शिक्षा सारथी योजना में दान कर स्थायी शिक्षा सारथी बनने की घोषणा की।

नोहटा में आज किसान सम्मेलन, मुख्यमंत्री करेंगे सहभागिता

दमोह।

संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग राज्यमंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने बताया जबेरा विधानसभा क्षेत्र के लिए आज 13 फरवरी का दिन ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण होने जा रहा है। नोहलेश्वर महोत्सव और किसान सम्मेलन आयोजन न केवल जबेरा विधानसभा की प्रतिष्ठा को बढ़ाएगाए बल्कि किसान भाइयों के लिए भी एक महत्वपूर्ण अवसर सिद्ध होगा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 13 फरवरी, शुक्रवार को अपरान्ह 1 बजे नोहटा की पावन धरा पर आयोजित नोहलेश्वर महोत्सव के अंतर्गत भव्य किसान सम्मेलन में सहभागिता करेंगे।

कार्यालय संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./सं.क्र.11/2025-26
दिनांक 12/02/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री मनोहर पटैल उर्फ कुँजबिहारी पटैल पिता श्यामलाल योगेन्द्र पटैल, हरिशंकर पटैल पिता मनोहर पटैल ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अवंती बाई के भवन क्रमांक 1371/6 सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000378864 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल जिस पर निर्मित भूतल 200 व.फु. सीमेंट सीट पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्रीमती संगीता पटैल पति मनोहर पटैल उर्फ कुँजबिहारी पटैल का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

नाम परिवर्तन सूचना

मैं नजरूल नईम खान पिता नजीर खान निवासी मकान नं 45 भूमि विकास बैंक कॉलोनी राम नगर अधारताल जिला जबलपुर म.प्र. शपथपूर्वक निम्नलिखित कथन करता हूँ कि । 1. यह कि में उपरोक्त पते पर निवास करता हूँ। 2. यह कि मेरे समस्त दस्तावेजों में मेरा पिता का नाम नजीर खान (NAZEER KHAN) दर्ज था जो कि अंग्रेजी के नाम में Z के स्थान पर दर्ज J हो गया है। 3. यह कि मेरे समस्त दस्तावेजों में मेरे पिता का नाम नजीर खान (NAJEER KHAN) दर्ज हो गया है। 4. यह कि भविष्य में मेरे पिता का नाम नजीर खान (NAJEER KHAN) से जाना व पहचाना जावे। 5. यह कि मेरे पिता का सत्य व सही नाम मेरे जन्म प्रमाण पत्र के अनुसार ही दर्ज किया जाये। 6 अत उक्त जानकारी देने वास्ते यह शपथपत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्ता
नजरूल नईम खान

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर (म.प्र.)
द्वितीय निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https:/mptender.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रं.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1.	2.	3.	4.	5.	6.
1.	PRO-849 Date 12/02/2026 2026_UAD_481994_1	संभाग क्रमांक 06 अंतर्गत डॉ. राम मनोहर लोहिया वार्ड दमोह नाका मेन रोड से ग्रीन सिटी साईनेज सहित एम-40 सीसी रोड निर्माण कार्य (CM Monit A + मद)	चाह माह 33.03 लाख	5,000/- 24774/-	02/03/2026

नोटः- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन की वेबसाईड https:/mptender.gov.in पर किया जावेगा. पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
नगर पालिक निगम, जबलपुर

हितकारिणी कॉलेज ऑफ फार्मेसी और कलिंगा विश्वविद्यालय के बीच साइन हुआ एमओयू

संयुक्त तत्वावधान में औषधि विज्ञान पर होने जा रहा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

हितकारिणी कॉलेज ऑफ फार्मेसी के चेयरमैन एचएस ओबेरॉय के मार्गदर्शन में हितकारिणी कॉलेज ऑफ फार्मेसी एवं कलिंगा विश्वविद्यालय रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में औषधि विज्ञान एवं संबद्ध विज्ञानों में नवाचार की अग्रिम सीमाएं सतत एवं समतामूलक स्वास्थ्य सेवाओं के लिए नवाचार का प्रभावी रूपांतरण विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन आगामी 17 एवं 18 मार्च को संकर पद्धति में किया जा रहा है।

यह सम्मेलन फार्मेसी विभाग द्वारा आयोजित किया जा रहा है तथा इसमें श्रीलंका स्थित रुहुना विश्वविद्यालय के फार्मेसी संकाय के प्राकृतिक उत्पाद अनुसंधान एवं विकास केंद्र का सहयोग भी

प्राप्त है। सम्मेलन का उद्देश्य औषधि विज्ञान एवं संबद्ध क्षेत्रों में हो रहे नवीन शोध, नवाचार तथा उनके व्यावहारिक अनुप्रयोगों पर विचार-विमर्श करना है, ताकि सतत एवं समान स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाया जा सके।

विद्यार्थियों को मिलेंगे नए अवसर

सम्मेलन की आयोजन समिति में विभिन्न संस्थानों के प्राध्यापकों के साथ हितकारिणी कॉलेज ऑफ फार्मेसी की प्राचार्य डॉ. कविता शुक्ला भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उल्लेखनीय है कि इस अवसर पर हितकारिणी कॉलेज ऑफ फार्मेसी एवं कलिंगा विश्वविद्यालय रायपुर के मध्य शैक्षणिक एवं अनुसंधान सहयोग को सुदृढ़ करने हेतु औपचारिक रूप से समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस आयोजन तथा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की प्रक्रिया के सफल क्रियान्वयन में हितकारिणी कॉलेज ऑफ फार्मेसी के प्रशिक्षण एवं नियुक्ति समन्वयक चित्रांश करे की प्रमुख भूमिका रही। इस समझौते के अंतर्गत दोनों संस्थान छात्र-शिक्षक आदान-प्रदान, संयुक्त शोध, संगोष्ठी तथा प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करेंगे, जिससे विद्यार्थियों को व्यापक शैक्षणिक अनुभव एवं शोध के नए अवसर प्राप्त होंगे। यह पहल दोनों संस्थानों के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है तथा इससे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शैक्षणिक सहयोग को नई दिशा मिलने की अपेक्षा है।

सीमांकन की पावती देने पटवारी ने मांगी रिश्वत, लोकायुक्त ने दबोचा

सिवनी के ग्राम धपारा में जबलपुर लोकायुक्त की कार्यवाही

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

सिवनी के बरघाट तहसील के ग्राम धपारा में पदस्थ पटवारी महेंद्र बिसेन को जबलपुर लोकायुक्त की टीम ने 6 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। यह कार्यवाही पटवारी के शासकीय कार्यालय कक्ष में की गई। यह कदम पुलिस महानिदेशक लोकायुक्त योगेश देशमुख के भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश पर उठाया गया।

योजना बनाकर किया ट्रैप

इस मामले में लोकायुक्त निरीक्षक जितेंद्र यादव ने बताया कि आवेदक भगतराम खरे, निवासी बोरीखुर्द, बरघाट ने

शिकायत कर बताया था कि धपारा हल्का नंबर 81 और 82 के पटवारी महेंद्र बिसेन सीमांकन की पावती देने के बदले 6 हजार रुपये की मांग कर रहे थे। आवेदक के अनुसार, उनकी पत्नी बैगीन बाई खरे को उनकी माता से ग्राम पंचायत धपारा के खसरा नंबर 627 में से 1/5 हिस्सा मिला था। जमीन का सीमांकन हो चुका था, लेकिन पावती देने के लिए रिश्वत मांगी जा रही थी। शिकायत की पुष्टि के बाद लोकायुक्त टीम ने योजना बनाकर ट्रैप कार्रवाई की। तय योजना के अनुसार जब आवेदक ने पटवारी के कार्यालय में 6 हजार रुपये दिए, उसी समय पहले से मौजूद टीम ने दबिश देकर आरोपी को पकड़ लिया। रिश्वत की रकम भी मौके से बरामद कर ली गई।

रसरंग महोत्सव में होंगे नए आकर्षण

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। गुंजन कला सदन द्वारा होली के अवसर पर राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त रसरंग महोत्सव इस वर्ष 2 मार्च को शहीद स्मारक में मनाया जाएगा। इस महोत्सव में इस वर्ष अनेक नए आकर्षण जोड़े जाएंगे । उपरोक्त आशय के विचार संस्था की एक विशेष बैठक में अध्यक्षता करते हुए डॉ. आनंद तिवारी ने व्यक्त किए । कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष राजेन्द्र साहू, अजय अग्रवाल, लायन नरेन्द्र जैन, श्याम चौदहा, आरके टहनगुरिया, डॉ. सत्येन्द्र जैन, अभय जैन, राजेश पाठक प्रवीण, आलोक पाठक ने भी विचार व्यक्त किए । सुरेश सराफ ने कहा कि सदस्यों के सहयोग से ही इस आयोजन की ख्याति देश भर में फैली है बैठक में युवा गुंजन के अध्यक्ष हिमांशु तिवारी, महिला प्रकोष्ठ की इंदिरा पाठक तिवारी, रेखा जैन, कमलेश यादव, डॉ. प्रियंका तिवारी, डॉ. गार्गी तिवारी एवं भारती साहा सहित सुनील श्रीवास्तव, विक्रम परवार, कौशल यादव, अभिषेक अग्रवाल, मिठाई लाल चक्रवर्ती, डॉ. रजनीश गर्ग, डॉ. प्रकाश दुबे, प्रदीप जैन सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। संचालन प्रतुल श्रीवास्तव ने एवं आभार प्रदर्शन विजय जायसवाल ने किया।

घाटों पर लगा था अवैध रूप से निकाली गई रेत का भंडार

खनन माफियाओं पर जिला प्रशासन की ताबड़तोड़ कार्यवाही

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देशानुसार संपूर्ण जिला अंतर्गत खनिज रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर नियंत्रण की दृष्टि से एक साथ नर्मदा नदी एवं हिरन नदी के घाटों पर एसडीएम के नेतृत्व में राजस्व, पुलिस एवं खनिज अमले की टीम द्वारा छापामार कार्यवाही कराई गई। जिले में यह अभियान विगत 03 दिवस तक लगातार चलाया गया।

कार्यवाही के दौरान तहसील सिहोरा अंतर्गत ग्राम देवरी, खिरहेनी, घोराकोनी एवं मढ़ा क्षेत्र में नदी से रेत की अवैध निकासी न हो इसके लिए घाटों को जाने वाले

रास्तों को अवरुद्ध किया गया एवं नदी के किनारे पड़ी रेत के ढेरों को नदी में समावेश किया गया। इसी प्रकार तहसील कुंडम क्षेत्र में ग्राम कल्याणपुर एवं रानीपुर घाटों में जांच कर रास्ते को अवरुद्ध किया गया। तहसील शहपुरा क्षेत्र में ग्राम भड़पुरा, शीतलपुर क्षेत्र में जांच कर लगभग 4000 घनमीटर रेत अनाधिकृत रूप से अज्ञात व्यक्तियों द्वारा विभिन्न स्थलों पर एकत्र किया गया, उसे नदी में जेसीबी मशीनों द्वारा गिराया गया। राजस्व, पुलिस एवं खनिज अमले द्वारा ग्राम सगड़ा झपनी में छापामार कार्यवाही कर 150 घनमीटर रेत एकत्रित किया गया को नर्मदा नदी में गिराया गया। तहसील पाटन क्षेत्र अंतर्गत हिरन नदी के घाट महुआखेड़ा, जूरीकला, पौड़ीकला, गाड़ाघाट, मडवा, कैमारी घाट का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान गाड़ाघाट से लगे कोनीकला घाट में लगभग 200 घनमीटर रेत एकत्रित पाई गई, जिसे नदी के जल प्रवाह में डालकर विनिष्ट किया गया।

इन घाटों पर बने रास्ते एवं रेम्प को भी नष्ट किया गया। तहसील सिहोरा क्षेत्र में जांच के दौरान 03 ट्रेक्टर ट्रॉली रेत अवैध परिवहन करते जप्त किया गया, जिनके विरुद्ध खनिज अधिनियम के तहत कार्यवाही करने हेतु प्रकरण कलेक्टर न्यायालय में खनिज विभाग द्वारा प्रस्तुत किए गए।

नाले के पानी से हो रही थी खेतों में लगी सब्जियों की सिंचाई

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। नागरिकों के स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए नगर निगम की टीम ने गुरूवार को कठोंदा गांव क्षेत्र में जिला एवं पुलिस प्रशासन के सहयोग से बड़ी कार्रवाई की। यह कार्रवाई कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह, पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय एवं निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के मार्गदर्शन में नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग द्वारा की गयी। इस संबंध में उपायुक्त संभव अयाची, स्वास्थ्य अधिकारी अंकिता बर्मन, स्वच्छता के सहायक नोडल अधिकारी अभिनव मिश्रा एवं सहायक स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेन्द्र राज ने जानकारी देते हुए बताया कि निरीक्षण के दौरान मोतीनाला के प्रदूषित पानी का उपयोग सब्जियों की सिंचाई के लिए करते पाए जाने पर स्वास्थ्य विभाग ने तत्काल सख्त कदम उठाए।

निरीक्षण दल ने मुस्तैदी दिखाते हुए सिंचाई के लिए उपयोग किए जा रहे 02 नग पंप और 22 नग पाइप को मौके से जब्त कर लिया। इसके साथ ही स्थल पंचनामा तैयार कर संबंधितों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की गई है। निगमायुक्त श्री अहिरवार ने बताया कि गंदे नाले के पानी से सिंचाई करना न केवल मिट्टी की उर्वरता को प्रभावित करता है, बल्कि ऐसी सब्जियों का सेवन आम नागरिकों के लिए गंभीर बीमारियों का कारण बन सकता है।

स्कूल की आलमारी में छिपे मिले हॉस्टल से लापता हुए 2 छात्र

माढ़ोताल थाना क्षेत्र का मामला, मचा हड़कंप

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

माढ़ोताल थाना क्षेत्र स्थित ग्रीन वैली पब्लिक स्कूल हॉस्टल से बुधवार रात 2 छात्र अचानक लापता हो गए। देर रात उनकी तलाश के बाद दोनों क्लास में रखी अलमारी में छिपे मिले। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। इस मामले में स्कूल प्रबंधन ने बताया कि रात में दोनों छात्र हॉस्टल में नहीं मिले। इसके बाद माढ़ोताल थाना पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस टीम रात लगभग 12 बजे स्कूल पहुंची। स्कूल गेट के सीसीटीवी कैमरों की जांच की गई। फुटेज में दोनों छात्र

परिसर से बाहर जाते दिखाई नहीं दिए। इसके बाद हॉस्टल और स्कूल परिसर में सघन तलाशी ली गई। लगभग 3 घंटे की तलाश के बाद दोनों छात्र कक्षा की अलमारी में छिपे मिले। उनकी पहचान सार्थक पटेल और आलोक के रूप में हुई। इसके बाद परिजनों को सूचना दी गई।

घर में बात ना कराने पर उठाया कदम

घटना के संबंध में छात्र सार्थक पटेल ने बताया कि 2 सप्ताह से घर पर बात नहीं कराई जा रही थी। बुधवार शाम वह साथी के साथ कक्षा में गया और बाद में अलमारी में छिप गया। उसने कहा कि रविवार को भी माता-पिता से फोन पर बात नहीं कराई गई थी। वहीं नरसिंहपुर गोटेगांव निवासी सीताराम पटेल ने बताया कि उनका बेटा कक्षा 6 में पढ़ता है। उन्होंने कहा कि हर रविवार बच्चों से फोन पर बात कराने का नियम है, लेकिन कई बार कॉल के बावजूद बात नहीं कराई जाती। इस मामले में थाना प्रभारी वीरेंद्र सिंह पवार ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा प्राथमिकता है। पुलिस अब इस मामले की जांच में जुट गई है।

मोबाइल छीनकर भागा बदमाश

जबलपुर। *माढ़ोताल थाने में भोला अहिरवार उम्र 29 वर्ष निवासी राजीव गांधी नगर गली नम्बर 1 माढ़ोताल ने रिपोर्ट दर्ज कर बताया कि वह अपने ससुराल से वापस घर जा रहा था। राजू चौबे के आफिस के सामने कटंगी रोड़ चुंगी नाका माढ़ोताल पहुंचा तभी राजीव गांधी नगर निवासी अन्नू चौधरी मिला जो उसकी जेब में हाथ डालने लगा। जिसे उसने मना किया तो उसकी जेब से 800 रूपये जबरन छीन लिया। विरोध करने पर मारपीट कर रूपये एवं मोबाइल लेकर भाग गया। पुलिस ने मामले को जांच में लिया है।*

फूड सेफ्टी को लेकर कलेक्टर ने ली बैठक

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने गुरूवार को फूड सेफ्टी को लेकर संबंधित अधिकारियों की बैठक कर निर्देशित किया कि अमानक खाद्य पदार्थों पर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि नाले के पानी से उगने वाली सब्जियों को लेकर भी संबंधित व्यकक्तियों पर कार्यवाही करें। उन्होंने कहा कि सभी रेस्टोरेंटों में फूड सेफ्टी को लेकर एडवाइजरी का पोस्टर लगवाना सुनिश्चित करें। होली के दौरान बनने वाले खाद्य पदार्थ व मिष्ठानों पर छापामारी करें। आईस्क्रीम पार्लर की जांच करे व आईस्क्रीम के सैंपल लें, कलर्ड गुजिया व मावे की जांच करें। रात में स्ट्रीट फूड लगाने वालों के खाद्य पदार्थों की भी जांच करें।

उन्होंने कहा कि जोमेटो व स्वीगी के किचिन की जांच भी करें और यदि फ्रोजन मटेरियल पाया जाता है, जिसे माइक्रोवेव का उपयोग कर बेचा जाता है तो उसे सील करें। कलेक्टर श्री सिंह के निर्देशों के पालन में अभिहित अधिकारी डॉ संजय मिश्रा द्वारा जिले के सभी रेस्टॉरेंट संचालकों के लिए स्वच्छता और सुरक्षा के दिशा-निर्देश भी जारी किए हैं। जारी इस आदेश का मुख्य उद्देश्य ग्राहकों को परोसे जाने वाले भोजन की गुणवत्ता और स्वच्छता सुनिश्चित करना है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियमए 2006 के तहत किचिन में काम करने वाले कर्मचारियों के लिए ग्लव्सए हेड कवर और एप्रिन का उपयोग अनिवार्य होगा ।

नए श्रम कानून के विरोध में हड़ताल कर सड़कों पर उतरे सैंकड़ो कर्मचारी

केंद्रीय सरकार से की तुरंत रद्द करने की मांग, दी चेतावनी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

सेंट्रल ट्रेड यूनियनों के कर्मचारियों ने नए श्रम कानून समेत कई मुद्दों के खिलाफ गुरूवार को देशव्यापी हड़ताल की। हड़ताल में यूनाइटेड ट्रेड यूनियन फ्रंट, आईएनटीयूसी, एचएमस सहित कई संगठन शामिल रहे। शहर में प्रदर्शन के दौरान आयुध निर्माणी फैक्ट्री, बैंक, बीएसएनएल सहित अन्य विभागों के कर्मचारियों ने हड़ताल को सपोर्ट किया है। प्रदर्शन के दौरान संगठनों ने चारों श्रम संहिताओं (लेबर कोड्स) और उनसे जुड़े नियमों को रद्द करने की मांग, ड्राफ्ट सीड बिल को वापस लेने, बिजली संशोधन विधेयक को निरस्त करने, न्यूक्लियर एनर्जी से संबंधित कानून को वापस लेने, मनरेगा की बहाली और विकसित भारत-रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) अधिनियम, 2025 को रद्द करने की मांग की है। कर्मचारियों ने कहा कि यदि सरकार इन नियमों को वापस नहीं लेती तो आगामी समय में दिल्ली की ओर कूच किया जाएगा।

जीसीएफ फैक्ट्री के कर्मचारियों ने किया जमकर प्रदर्शन

इसी कड़ी में केंद्रीय ट्रेड यूनियन और किसानों द्वारा की जा रही हड़ताल का डिफेंस कर्मियों ने समर्थन किया। आयुध निर्माणियों में गुरूवार को सुबह से ही सैकड़ो कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने बताया कि यह कानून पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाने एवं कर्मचारियों के शौषण के लिए बनाया गया है। प्रशासन और कर्मचारियों के बीच औद्योगिक विवाद को खत्म करने के लिए बने ट्रेड यूनियन एक्ट को खत्म करने की साजिश है। इस कानून को लागू होते ही प्रशासन द्वारा कर्मचारियों पर मनमानी फैसला लेने हेतु अधिकार प्राप्त हो जाएंगे। इस दौरान जीसीएफ निर्माणी के मुख्य द्वार पर सैकड़ो की तादाद में कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित हुए और नारेबाजी की। आंदोलन की अध्यक्षता विनय गुप्ता, रोहित यादव द्वारा की गई। इस दौरान उत्तम विश्वास, राजा पांडे, अमित चंदेल, बीरबल सिंह, आशीष विश्वकर्मा, राहुल गुप्ता सहित कई कर्मचारी उपस्थित रहे।

सड़कों से हटाए अतिक्रमण, दी सख्त चेतावनी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। नगर निगम द्वारा जिला एवं पुलिस प्रशासन के सहयोग से अतिक्रमण हटाओ अभियान लगातार जारी है। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह, पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय और निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देशन में अतिक्रमण शाखा द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में सघन कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में गुरूवार को पिसनहारी मढ़िया स्थित वर्णी गुरुकुल मार्केट, पिसनहारी मार्केट तथा नेताजी सुभाष चंद्र बोस प्रतिमा के आस-पास की दुकानों द्वारा अवैध रूप से आम रास्ता पर किये गए टीन शेड, फर्नीचर, ठेले टपरे, विक्रय सामग्री तथा अन्य को पूर्णत: हटाया गया तथा सामग्री जप्त की गई इसके साथ ही भविष्य में पुन: अतिक्रमण नहीं करने की सख्त हिदायत दी गई। इसी प्रकार जबलपुर हॉस्पिटल के सामने फुटपाथ, सिविक सेंटर में, गोरखपुर रोड पर भी अस्थाई अतिक्रमण को हटाया गया। जबलपुर इंजीनियरिंग कालेज के सामने बहोरबाग रांझी दर्शन तिराहा, करमचंद चौक पर भी कार्रवाही की गई। मालवीय चौक, सिविक सेंटर ओर गोल बाजार इलाकों में लगातार मुनादी की जा रही है ओर चेतावनी दी जा रही है मुख्य मार्ग पर फल सब्जी दुकानें तथा बैनर पोस्टर ठेले टपरे ओर अस्थाई अतिक्रमण करने वाले पर जब्ती ओर चालानी की सख्त कार्यवाही की जाएगी। छोटी लाइन फाटक चौराहे ओर वहां रामपुर चौक तक लगातार कार्यवाही की जा रही है। साथ अतिक्रमण न करने के लिए सख्त चेतावनी दी जा रही है।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**